राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

हर खबर पर पकड़

11 हिटमैन बोलें हम जीत सकते हैं भारत विश्व ...

नितिन गडकरी की छवि के सामने फेल हैं सारे... 12

वर्ष : 14 | अंक : 330 | नई दिल्ली, रविवार, 14 अप्रैल, 2024 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

अधिकतम तापमान 32°C

न्यूनतम तापमान 21°C

बाजार

सोना 75,395

चांदी 83,800

सेंसेक्स 74,244

निफ्टी 22,519

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति मुर्मू ने जलियांवाला बाग के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जलियांवाला बाग नरसंहार में देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले लोगों के प्रति शनिवार को भावभीनी श्रद्धांजलि व्यक्त की और कहा कि उन शहीदों की देशभक्ति की भावना आने वाली नईढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। औपनिवेशिक शासन को दमनकारी शक्तियां प्रदान करने वाले रोलेट एक्ट के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों लोगों पर ब्रिटिश सेना ने 1919 में आज ही के दिन पंजाब के अमृतसर के जलियांवाला बाग में बिना किसी उकसावे के गोलीबारी की थी। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जलियांवाला बाग में मातृभूमि के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले सभी स्वतंत्रता सेनानियों को मेरी भावपूर्ण श्रद्धांजलि। स्वराज के लिए प्राणों का उत्सर्ग करने वाली उन सभी महान आत्माओं के प्रति देशवासी सदैव ऋणी रहेंगे। मुझे विश्वास है कि उन बलिदानियों की देश-भक्ति की भावना आने वाली नईढ़ियों को सदा प्रेरित करती रहेगी।

केजरीवाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई सोमवार को

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति मामले में ईडी द्वारा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और रिमांड के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 15 अप्रैल यानी सोमवार को सुनवाई करेगा। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की खंडपीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी, इसके बाद केजरीवाल ने बुधवार को शीर्ष अदालत का रुख किया। हाई कोर्ट ने ईडी की इस दलील पर गौर किया कि एजेंसी के पास केजरीवाल की गिरफ्तारी के लिए पर्याप्त सबूत हैं। इसमें कुछ बयान और शराब नीति के निर्माण में उनके शामिल होने के आरोप शामिल हैं। बुधवार को केजरीवाल ने हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली अपनी याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग करते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी से एक ईमेल भेजने के लिए कहा, जो सीएम केजरीवाल की ओर से पेश हुए और तत्काल सुनवाई के लिए मामले का उल्लेख किया। केजरीवाल को 21 मार्च को ईडी ने गिरफ्तार किया था।

आम्बेडकर जयंती पर जारी हो सकता है भाजपा का संकल्प पत्र

नई दिल्ली। कल यानि रविवार को डॉ. आम्बेडकर की जयंती पर भारतीय जनता पार्टी का संकल्प पत्र यानी घोषणा पत्र जारी हो सकता है। पार्टी सूत्रों के अनुसार भाजपा के वरिष्ठ नेता व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली समिति ने संकल्प पत्र का अंतिम प्रारूप तैयार कर लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार उस को अंतिम रूप दे सकते हैं। रविवार को पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की मौजूदगी में यह संकल्प पत्र जारी किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि पहले भारतीय जनता पार्टी घोषणा पत्र जारी करती थी, जिसे वह अब संकल्प पत्र के नाम से जारी करती है। पार्टी नेताओं का कहना है धारा 370 और राम मंदिर निर्माण जैसे राष्ट्रीय संकल्प को पूरा कर भारतीय जनता पार्टी ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह जो कहती है वह करती है। इसीलिए हम केवल घोषणाएं नहीं करते, बल्कि जो संकल्प करते हैं उसे पूरा भी करते हैं। अब यह संकल्प मोदी की गारंटी बन चुके हैं और लोगों को मोदी की गारंटी पर पूरा भरोसा है।

लोकसभा चुनाव 2024 : कांग्रेस ने महालक्ष्मी योजना का दावा करते हुए नया चुनाव प्रचार वीडियो किया लॉन्च

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने शनिवार को लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए नया वीडियो लॉन्च किया, जिसमें पार्टी ने अपनी प्रस्तावित 'महालक्ष्मी योजना' के लाभों के बारे में बताया है। पार्टी के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी किया गया वीडियो, नेटिजन्स का ध्यान इस ओर आकर्षित कर रहा है कि कैसे 'महिलाओं के लिए उसकी प्रतिज्ञा' से गरीब परिवारों का उत्थान होगा। कांग्रेस पार्टी की महालक्ष्मी योजना को दिखाने वाले वीडियो में एक महिला को कांग्रेस के घोषणापत्र में किए गए वादे के अनुसार वित्तीय सहायता के तहत सिलाई मशीन प्राप्त करते हुए दिखाया गया है। साथ ही यह दिखाया गया है कि कैसे वह उसके जीवन को बदल देता है। वीडियो में गरीब परिवारों की महिलाओं को सालाना 1 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाने की पार्टी की घोषणा को भी जोरदार तरीके से दशार्या गया है। कांग्रेस

पार्टी की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा गया, "नारी न्याय, महालक्ष्मी... गरीब परिवार की महिला को हर साल एक लाख रुपये।" वहीं, इसके साथ ही हाथ बदलेगा हालात का भी इस्तेमाल किया गया है।

वीडियो को राहुल गांधी सहित कांग्रेस पार्टी के कई शीर्ष नेताओं ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया है, जिन्होंने इसे कैप्शन दिया है, रघर-घर आएगी खुशियों की सौगात, अब हाथ बदलेगा हालात। महालक्ष्मी वीडियो को नेटिजन्स से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। कुछ लोगों ने योजना की सराहना की, जबकि कुछ अन्य ने इसे केवल बयानबाजी बताकर, आलोचना करते हुए दावा किया कि यह आर्थिक रूप से अव्यवहार्य है। एक यूजर ने लिखा, यह एक अच्छा विज्ञापन है, जिसमें सुझाव दिया गया है कि 1 लाख रुपये के अनुदान का उपयोग सिलाई मशीन जैसी पूंजीगत वस्तु खरीदने के लिए किया जा सकता है, लेकिन अगर यह दहेज या दिवाली उपहार देने के लिए इस्तेमाल होता है तो क्या होगा? गरीब शहरी महिलाएं घर में बंटाईदार के साथ जमीन की मालिक हो सकती हैं। ख्कांग्रेस पार्टी ने अपनी धरती, अपना राज योजना शीर्षक से एक और वीडियो भी जारी किया, जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय के समर्थन पर केंद्रित है, जिसमें दावा किया गया है कि कांग्रेस उन बस्तियों को अनुसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित करेगी, जहां आदिवासी सबसे बड़ा सामाजिक समूह हैं।

पीएम की गेमिंग क्षमता से प्रभावित हुए युवा गेमर्स ने उन्हें 'नमो ओपी' दिया नाम

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीसी और वीआर गेमिंग की दुनिया में खुद को सराबोर करते हुए भारत के शीर्ष गेमर्स के साथ एक अनोखी बातचीत की। सत्र के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने तेजी से विकसित हो रहे गेमिंग उद्योग के प्रति अपना उत्साह दिखाते हुए गेमिंग सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने जिन सात गेमर्स से मुलाकात की, उनमें तीर्थ मेहता (जीसीटीर्थ), पायल धारे (पायल गेमिंग), अनिमेश अग्रवाल (8बीठग), अंशु बिष्ट (गेमरफ्लीट), नमन माथुर (मॉर्टल), मिथिलेश पाटणकर (मिथपैट) और गणेश गंगाधर (एसक्रोसी) शामिल थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गेमिंग कम्युनिटी के इन बहुचर्चित लोगों की मुलाकात का पूरा वीडियो आज रिलीज कर दिया गया है। इससे पहले 11 अप्रैल को इस मुलाकात का एक टीजर रिलीज किया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस मुलाकात के दौरान मोबाइल, पीसी और वीआर गेमिंग में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान प्रधानमंत्री का गेम नियंत्रण और उद्देश्यों की त्वरित समझ से युवा गेमर्स आश्चर्यचकित हो गए। प्रधानमंत्री मोदी के गेमिंग कौशल से प्रभावित होकर गेमिंग समुदाय ने उन्हें नमो ओपी नाम दिया। यहां ओपी का मतलब प्रबल होता है। गेमर्स ने कहा, हम सभी के पास गेमर टैग हैं। चूंकि आप हमारी तरह जेन जेड हैं, इसलिए हम अब आपको नमो ओपी (प्रबलित) कहेंगे, क्योंकि आप हमारे लाइवस्ट्रीम चैट में देश के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति हैं।

जिस बात ने पूरी बातचीत को और भी दिलचस्प बना दिया, वह थी प्रधानमंत्री मोदी की ट्रेंडिंग गेमिंग भाषा जैसे 'ग्राइंड', 'एएफके' और बहुत कुछ सीखने की उत्सुकता। मोदी ने जीटीजी (गॉट टू गो) और एएफके (कीबोर्ड से दूर) जैसे कई गेमिंग वाक्यांश भी सीखे, जिनका उपयोग क्रिएटर्स द्वारा लाइव-स्ट्रीमिंग के दौरान किया जाता है। उन्होंने अपनी एक भाषा 'पी2जी2' भी साझा की, जिसका अर्थ है 'प्रो पीपल गुड गवर्नेंस'। प्रधानमंत्री ने देश के कुछ

शीर्ष गेमर्स के साथ बातचीत के दौरान विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्हें 'नोब' कहा। यह शब्द किसी ऐसे व्यक्ति के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जो नौसिखिया है या खेल में बहुत कुशल नहीं है। मोदी ने कहा, अगर मैं चुनाव के दौरान इस शब्द (नोब) का इस्तेमाल करता हूं, तो लोगों को आश्चर्य होगा कि मैं किसकी बात कर रहा हूं... अगर मैं ऐसा कहूंगा, तो आप एक विशेष व्यक्ति के बारे में सोचेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल ईस्पोर्ट्स और गेमिंग सामग्री निर्माण की क्षमता के बारे में बात की बल्कि गेम विकास की भी बात की जो भारत और उसके मूल्यों पर केंद्रित है। उन्होंने प्राचीन भारतीय खेलों को डिजिटल प्रारूप में जीवंत करने की क्षमता पर चर्चा की, वह भी ओपन-सोर्स स्क्रिप्ट के साथ ताकि देश भर के युवा इसमें अपना योगदान दे सकें।

प्रधानमंत्री ने युवा गेमर्स से कहा कि आज वैश्विक नेता ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के बारे में बात करते हैं। लोग विभिन्न समाधानों के बारे में बात करते हैं लेकिन मैंने दुनिया के सामने कुछ अलग प्रस्तुत किया है, और वह है मिशन लाइफ। उन्होंने कहा कि आप वैश्विक जलवायु मुद्दों को हल करने के उद्देश्य से एक गेम की कल्पना करें, जहां गेमर जलवायु के प्रति सबसे टिकाऊ दृष्टिकोण की पहचान करने के लिए विभिन्न तरीकों और समाधानों की खोज करता है। उन्होंने कहा कि आप 'स्वच्छ भारत' पर आधारित एक गेम भी विकसित कर सकते हैं। खेल का विषय स्वच्छता के बारे में हो सकता है और हर बच्चे को इसे खेलना चाहिए। युवाओं को भारतीय मूल्यों को अपनाना चाहिए और उनके वास्तविक महत्व को समझना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका प्रयास है कि 2047 तक देश को उस स्तर तक ऊपर उठाया जाए कि मध्यम वर्ग को अपने जीवन में किसी अनावश्यक सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता न पड़े। उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो हम कागजी कार्रवाई, दस्तावेजों और कानूनी व्यवस्था के चक्र में फंसे रहेंगे। गेमर्स ने प्रधानमंत्री के साथ गेमिंग उद्योग में नए विकास पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि कैसे सरकार ने गेमर्स की रचनात्मकता को पहचाना है और भारत में गेमिंग उद्योग को बढ़ावा दिया है।

राहुल गांधी ने बस्तर में भरी हुंकार कहा, जल जंगल जमीन पर आदिवासियों का हक

- भाजपा आदिवासियों का अपमान करती है...

प्रातः किरण/एजेंसी

जगदलपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज चुनाव - प्रचार के लिए बस्तर पहुंचे कउन्होंने बस्तर ब्लॉक के लालबहादुर शास्त्री स्टेडियम में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा के लिए वोट मांगा साथ ही सभा को संबोधित करते हुए मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि हम आपको आदिवासी कहते हैं मोदी आपको वनवासी कहते हैं. हिदुस्तान में जब कोई नहीं था तब आदिवासी यहां वास करते थे, यहां के जल जंगल सब पर उनका हक था. जो आपको वनवासी कहते हैं वो हिदुस्तान का हिस्सा नहीं मानते. हम आपके लिए पेशा कानून लाए, मनरेगा लाए, भाजपा के लोग आरएसएस के लोग आपके विचार भरोसा पर आक्रमण करते हैं, हिंदुस्तान में जंगल कम हो रहा है. यह जंगल जमीन मोदी जी अडानी को पकड़ा रहे हैं. ये चाहते हैं कि आप बड़े शहरों में ना जाए, बड़ी कंपनियों में काम ना करें, लेकिन हम चाहते हैं आप आगे बढ़े.राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी कभी समंदर के अंदर घुस जाते हैं पूजा करते हैं. कोविड में थाली बजाओ कहते हैं, जब सांसे नहीं चल रही थी लाशें रखने की जगह नहीं थी, जब थाली से काम नहीं चला तब कहते हैं मोबाइल का टॉर्च जलाओ. जब मजदूर उस वक्त घर वापस जा रहे थे उस वक्त दिल्ली की सरकार ने कोई मदद नहीं की. सारा सुविधा अडानी अंबानी को दे देते हैं. किसी भी राज्य में चले जाओ सब कहते हैं सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी और महंगाई है क उन्होंने कहा, राम मंदिर का उदघाटन हुआ. देश के राष्ट्रपति आदिवासी है उनको मना कर दिया कि आप राम मंदिर के उद्घाटन में नहीं आएगी, ये मैसेज पीएम नरेंद्र मोदी ने दिया. भाजपा के लोग आदिवासी के ऊपर पेशाब करते हैं, ये है आदिवासियों की स्थिति, आदिवासियों से उनका जल जंगल छीनना चाहते हैं. भाजपा अपना पूरा धन अडानी अम्बानी को दे दिए. कांग्रेस 5 काम करने जा रही है, बेरोजगारी 30 लाख रिक्त पद है, 30 लाख पद को हमारी सरकार बनते ही आपके हवाले कर देंगे. हम आपके लिए मनरेगा लाये थे जिससे करोड़ों लोगों को लाभ मिला, अब हम अप्रेंटिशिप लाने वाले हैं, जिससे हिंदुस्तान के सभी पढ़े लिखे बेरोजगार युवाओं को एक साल की नौकरी मिलेगी. उनकी ट्रेनिग होगी और उनके खाते में 1 लाख रुपए डाला जाएगा. वो अच्छे काम कर रहे हैं तो उन्हीं संस्था में उनकी नौकरी पक्की होगी। राहुल गांधी ने कहा, गरीब लोगों को कभी भी नौकरी से निकाल दिया जाता है, अब कांग्रेस ठेकेदार पद्धति को बंद कर रही है. अब आपको ठेकेदार से नौकरी नहीं मिलेगी परमानेंट नौकरी होगी. हमारी सरकार आते ही किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा. हम महिलाओं की जिंदगी बदलना चाहते हैं, नरेंद्र मोदी ने अरबपतियों को पैसा दिया, जब वो अरबपति को दे सकते हैं तो हम अपने महिलाओं को क्यों नहीं दे सकते. जो गरीब रेखा में आते हैं ऐसे सर्वे करवा के एक परिवार से एक महिला को चुना जाएगा, जिसके खाते में महीने में 8500 और साल में 1 रुपए लाख डाले जाएंगे. एक झटके में हम हिंदुस्तान से गरीबी मिटा देंगे. उन्होंने कहा, महिलाओं को 50 % आरक्षण नौकरियों में देने जा रहे हैं. नरेंद्र मोदी कहते हैं हम आदिवासी को भागीदारी देते हैं, लेकिन आदिवासी किसी अधिकारी पद पर है तो उनकी भागीदारी 10 पैसे की होती है. देश का पूरा का पूरा धन 8 10 लोगों के पास जा रहा है. जाति जनगणना के बाद यह पता चल जाएगा कि कितना धन किसके पास है. हिंदुस्तान के 90 % लोग बड़ी कंपनियों में नहीं है. राहुल गांधी ने कवासी लखमा के पक्ष में वोट मांगते हुए अपना संबोधन समाप्त किया।

ऑपरेशन लोटस की तैयारी कर रही भाजपा : सिद्धारमैया

प्रातः किरण/एजेंसी

बेंगलुरु। लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आरोप लगाया है कि भाजपा साउथ के राज्य में ऑपरेशन लोटस चलाने की कोशिश कर रही है। सिद्धारमैया ने दावा किया कि भाजपा ने सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायक को तोडने के लिए उन्हें 50 करोड़ रुपये की पेशकश की थी। सिद्धारमैया से जब पूछा गया कि क्या लोकसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार गिर जाएगी। इस सवाल पर सिद्धारमैया ने कहा कि नहीं ऐसी संभव नहीं है,क्योंकि हमारे विधायक हमें नहीं छोड़ेंगे। एक भी विधायक हमारी पार्टी नहीं छोड़ेगा। वो पिछले एक साल से मेरी सरकार को

तोडने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने हमारे विधायकों को 50 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी, लेकिन उनकी ये कोशिश पूरी नहीं हो सकी। मुख्यमंत्री ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी। वहीं, भाजपा सांसद एस प्रकाश ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के सभी आरोपों का खंडन किया है।

आम आदमी पार्टी आज देशभर में 'संविधान बचाओ, तानाशाही हटाओ दिवस' मनाएगी

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं दिल्ली के मंत्री गोपाल राय ने शनिवार को कहा कि पार्टी 14 अप्रैल को भीमराव आंबेडकर की जयंती पर देश भर में 'संविधान बचाओ, तानाशाही हटाओ दिवस' मनाएगी। राय ने बताया कि पार्टी कार्यकर्ता संविधान की प्रस्तावना गे और संविधान को बचाने की शपथ लेंगे। उन्होंने यहां पार्टी कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ह्यहमारे लोकतंत्र और संविधान पर हमला कर रही है। राय ने कहा, "इसका मुकाबला करने के लिए हमें एकजुट होने की जरूरत है।" उन्होंने कहा, रविवार को, हम एक दिवसीय कार्यक्रम 'संविधान बचाओ, तानाशाही हटाओ दिवस' मनाएंगे, जहां आप कार्यकर्ता अपने राज्यों में पार्टी कार्यालयों में एकत्र होंगे और हमारे लोकतंत्र एवं संविधान को बचाने की शपथ लेंगे। आप नेता ने कहा कि

यह कार्यक्रम देश भर के राज्यों की राजधानियों में पार्टी कार्यालयों में आयोजित किया जाएगा। राय ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा था कि यह कार्यक्रम केजरीवाल की सलाह पर हो रहा है जिन्होंने जेल से एक संदेश में आप विधायकों और कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने को भी कहा था कि दिल्ली के लोगों को कोई समस्या न हो।

आधुनिक प्रक्रियाओं में एआई के प्रयोग से विभिन्न विषय खड़े होते हैं: न्यायमूर्ति चंद्रचूड़

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि आधुनिक प्रक्रियाओं में कृत्रिम मेधा (एआई) के इस्तेमाल से ऐसे जटिल नैतिक, कानूनी और व्यावहारिक विषय खड़े होते हैं जिनकी व्यापक समीक्षा की जरूरत है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि कृत्रिम मेधा 'नवोन्मेष की अगली सीमा' तक ले जाती है तथा अदालती निर्णय प्रक्रिया में उसका इस्तेमाल अवसर और चुनौतियों दोनों ही पेश करता है जिनपर गहन विचार-विमर्श की आवश्यकता है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि कृत्रिम मेधा अप्रत्याशित मौके प्रस्तुत करती है लेकिन साथ ही, वह खासकर नैतिकता, जवाबदेही और पक्षपात से संबंधित कई चुनौतियां भी खड़ी करती है तथा इन चुनौतियों के समाधान के लिए भौगोलिक और संस्थानों की सीमाओं से परे वैश्विक पक्षों द्वारा ठोस प्रयास की जरूरत है। वह भारत एवं सिंगापुर के उच्चतम न्यायालयों के बीच प्रौद्योगिकी एवं संवाद विषयक दो दिवसीय सम्मेलन में बोल रहे थे। सिंगापुर के प्रधान न्यायाधीश सुंदरीष मेनन तथा कई अन्य न्यायाधीश एवं विशेषज्ञ इस सम्मेलन में मौजूद थे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि कानूनी क्षेत्र में भी, कानूनी शोध से लेकर मामला विश्लेषण तक और अदालती कार्यवाही की कार्यकुशलता तक, जिस तरह कानूनी पेशेवर काम करते हैं, उनमें बदलाव लाने में कृत्रिम मेधा में विपुल संभावना है।

शाह ने कन्याकुमारी में मेगा रोड शो किया

प्रातः किरण/एजेंसी

कन्याकुमारी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तमिलनाडु में कन्याकुमारी संसदीय सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार पोन राधाकृष्णन और विलावनकोड विधानसभा उपचुनाव प्रत्याशी वीएस नंदिनी के समर्थन में शनिवार को यहां मेगा रोड शो किया। श्री शाह ने श्री राधाकृष्णन और अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ मेट्टुकादाई जंक्शन से ओल्ड बस स्टैंड तक थुकले-तिरुवनंतपुरम राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक किलोमीटर से अधिक दूरी तक रोड शो किया। फूलों से सजे खुले वाहन में खड़े श्री शाह ने सड़क के दोनों ओर उनके पोस्टर एवं पार्टी के झंडे एकत्र होकर भारत माता की जय और मोदी मोदी के नारे लगा रहे लोगों को अभिवादन किया। रोड शो में सैकड़ों की संख्या में पुरुष और महिलाएं भी शामिल रही। इस मौके पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री शाह ने तमिलनाडु के लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में द्रमुक और अन्नाद्रमुक के भ्रष्ट शासन के कारण राज्य विकास के अपेक्षित स्तर को

प्राप्त करने में विफल रहा है। रोड शो के मद्देनजर पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी। लोकसभा चुनाव से पहले तमिलनाडु के दो दिवसीय दौरे पर आये श्री शाह ने शुक्रवार शाम को मदुरै में रोड शो किया। वह आज तेनकासी में रोड शो और तिरुवरुर में चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। कन्याकुमारी सीट पर त्रिकोणीय मुकाबले की स्थिति है। भाजपा के श्री राधाकृष्णन के मुकाबले कांग्रेस ने निवर्तमान सांसद विजय वसंत और अन्नाद्रमुक नाजेरथ पसिलियन को चुनाव मैदान में उतारा है।

सक्षम तेजस विमान हवाई युद्ध और आक्रामक हवाई सहायता मिशन के लिए बेहद शक्तिशाली माना जाता है

भारतीय सेना को जल्द मिलेंगे खासियतों से भरे 97 तेजस लड़ाकू विमान

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। अत्याधुनिक हथियार और आधुनिक संसाधनों से भारतीय सेना लगातार मजबूत होती जा रही है। हाल ही में रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायु सेना के लिए स्वदेशी 97 हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए एमके-1ए) तेजस की खरीद के लिए सरकारी एयरोस्पेस प्रमुख हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को एक निविदा जारी की है। इन विमानों की कीमत लगभग 67,000 करोड़ रुपये होगी। तेजस विमान हवाई युद्ध और आक्रामक हवाई सहायता मिशन के लिए बेहद शक्तिशाली माना जाता है, जबकि टोही और जहाज-रोधी अभियान इसकी सेकेंडरी रोल हैं। नवंबर में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लिए 97 और तेजस जेट खरीदने की परियोजना को मंजूरी दे दी थी। अधिकारियों ने बताया कि डीएसी ने

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा अपने एसयू-30 लड़ाकू बेड़े को अपग्रेड करने के भारतीय वायुसेना के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा तैयार किए गए स्वदेशी लड़ाकू विमान काफी हल्का और ताकतवर कॉम्बेट विमान है, अमेरिका भी इसकी तारीफ कर चुका है। 8 से 9 टन वजन लेकर उड़ान भरने की क्षमता रखने वाला तेजस कई तरह के हथियार और मिसाइल ले जा सकता है।यह विमान इलेक्ट्रानिक रडार, दृश्य सीमा से परे (बीवीआर) मिसाइल, इलेक्ट्रानिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) सूट और हवा से हवा में ईंधन भरने (एएआर) की महत्वपूर्ण परिचालन क्षमताओं से लैस है। छोटे रनवे से टेकऑफ करने की क्षमता रखने वाले इस विमान से एक साथ 10 टारगेट को ट्रैक करते हुए हमला करने की क्षमता है। बता दें कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, मलेशिया समेत कई देश इस ताकतवर लड़ाकू विमान को खरीदने में दिलचस्पी दिखा चुके हैं। वायुसेना ने 2021 में दुबई एयर शो, 2022 में सिंगापुर एयर शो जैसी अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में इस विमान को प्रदर्शित किया था।

संक्षिप्त समाचार

नगर का सौंदर्य बढ़ाने वाले फव्वारों को लगा ग्रहण

अल्मोड़ा, एजेंसी। नगर का सौंदर्य बढ़ाने वाले फव्वारों की अनदेखी के चलते ग्रहण लग गया है। सुमित्रानंदन पंत पार्क और पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में स्थापित फव्वारों का पानी पूरी तरह सूख चुका है। अब सिर्फ इसका ढांचा ही बचा है। इनके आसपास लगा गंदगी का ढेर पालिका प्रशासन की सुस्ती का एक नमूना भर है। स्थानीय लोग बताते हैं कि एक समय इन फव्वारों के आसपास लोगों का जमावड़ा लगता था। शाम को बिजली की रौशनी में गिरता पानी पार्क और नगर की सुंदरता पर चार चांद लगाता था। बदहाली के चलते कभी पर्यटकों और स्थानीय लोगों की चहलकदमी से गुलजार ये पार्क भी अब वीरान हैं। दोनों पार्क में पहले बच्चों के मनोरंजन के लिए भी पर्याप्त संसाधन थे जो अब गायब हो गए हैं। ऐसे में बच्चे इन पार्क का रुख नहीं करते और ये अराजक तत्वों का अड्डा बन गए हैं।

निशुल्क पाठ्य पुस्तकों का जल्द होगा वितरण

चंपावत, एजेंसी। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सरकारी स्कूलों के लिए प्रकाशित हो रही निशुल्क पाठ्य पुस्तकों के स्टोर और वितरण को लेकर मुख्य शिक्षा अधिकारी मेहरबान सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में जिला स्तर पर चयनित जीआईसी चंपावत स्टोर में पाठ्य पुस्तकों के रखरखाव को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक के बाद शिक्षा विभाग की टीम ने जीआईसी चंपावत के पुस्तक स्टोर का निरीक्षण किया। सीईओ ने बताया कि शिक्षा विभाग की ओर से प्रिंटर्स को पाठ्य पुस्तकों की डिमांड दे दी गई है। जिला स्तर पर जीआईसी चंपावत और ब्लॉक स्तर पर चयनित ब्लॉकों पर नियत स्टोरों में पाठ्य पुस्तकों को स्टोर किया जाएगा। कक्षा एक से लेकर आठवीं तक के स्कूलों में जल्द पुस्तकों का वितरण किया जाएगा। बैठक में खंड शिक्षाधिकारी, ब्लॉक नोडल अधिकारी, बीआरसी और शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

निजी स्कूलों में कक्षा बदलने के साथ बढ़ा दी फीस, अभिभावक परेशान

चंपावत, एजेंसी। अप्रैल माह अभिभावकों को भारी जेब खर्च लेकर आया है। अच्छी शिक्षा और बेहतर व्यवस्था के लिए अभिभावक महंगाई की मार से बेहाल हैं। निजी स्कूलों में बच्चों को पढ़ाना वर्ष प्रति वर्ष महंगा होता जा रहा है। हाल यह है एक कक्षा से दूसरी कक्षा में पहुंचते ही बच्चे की फीस 500 रुपये से अधिक बढ़ जा रही है। इस तरह मौखिक शिकायतें लगातार मुख्य शिक्षाधिकारी के पास आ रही हैं। इनमें से सबसे ज्यादा शिकायतें लोहाघाट विकास खंड की हैं। इसको लेकर खंड शिक्षाधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

अभिभावकों की शिकायत है कि नई कक्षा के साथ उनके बच्चों की फीस भी बढ़ रही है। निजी स्कूल में अपने बच्चे को पढ़ा रही एक महिला अभिभावक ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि उनका बच्चा अभी एलकेजी से यूकेजी में पहुंचा है। एलकेजी में बच्चे की फीस 1250 रुपये थी जो अब 1750 रुपये हो गई है। अभिभावकों का कहना है कि वर्ष प्रति वर्ष बढ़ रही फीस से वह बेहद परेशान हैं। उनका कहना है कि निजी स्कूलों में फीस बढ़ोतरी से लेकर अन्य शुल्क भी लिए जा रहे हैं।

क्वेरालाघाटी के घुरचुम में चलाया जनजागरूकता अभियान

चंपावत, एजेंसी। जिले के क्वेरालाघाटी के घुरचुम गांव में वनों को आग से बचाने के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान आइए आग नहीं बाग लगाएं नाम से ग्रामीणों के बीच जन जागरूकता फैलाई गई। प्रकाश चंद्र जोशी शूल ने बताया कि उनकी ओर से वर्ष 2011 से जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान लालमणि जोशी, सुरेश कांडपाल, जगदीश पांडेय, पुष्कर दत्त, शेखर चंद्र, दीपक चंद्र, पानदेव, हेम, घनश्याम और प्रधान प्रतिनिधि हेम जोशी आदि ने शूल के प्रयासों की सराहना की।

नैनीताल में स्टेट हाईवे तक पहुंचीं जंगल की आग की लपटें, हड़कंप, बढ़ रहा मैदानों का पारा

गरमपानी, एजेंसी। उत्तराखंड में कई इलाकों से जंगल में आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इस आग से हजारों की वन सम्पदा का नुकसान हो रहा है।

ताजा मामला नैनीताल जिले के गरमपानी का है। जहां रानीखेत खैरना स्टेट हाईवे पर पातली क्षेत्र में आग धधकने से हड़कंप मच गया। पहाड़ी से पत्थर गिरने से दो वाहनों के शीशे चकनाचूर हो गए। कई वाहन बाल-बाल बचे। स्टेट हाईवे तक आग की लपटें पहुंचने से आवाजाही भी प्रभावित रही। हवा के तेज झोंकों से आग और विकराल हो गई।

शु क्रवार देर शाम रानीखेत खैरना स्टेट हाईवे पर पातली क्षेत्र से सटी पहाड़ी भीषण आग की चपेट में आ गई। देखते ही देखते आग की लपटों ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग के स्टेट हाईवे तक पहुंचने से हड़कंप मच गया। कई वाहन चालकों ने वाहन रोक लिए। जल्दी निकलने के फेर में दो वाहन चालकों ने खतरा उठा वाहन आगे बढ़ाया तो पहाड़ी से गिरे पत्थरों से वाहनों के शीशे चकनाचूर हो गए।

गनीमत रही की वाहन चालक बाल बाल बच गए और बड़ी घटना टल गई। आग की लपटों के तेज होने से काफी देर तक वाहनों के पहिए थमे रहे। पहाड़ी से लगातार पत्थरों के गिरने से दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है। काफी देर बाद आग की लपट कम होने के बाद खतरे के बीच वाहनों की आवाजाही शुरू हो सकी।

हल्द्वानी- गर्मी का दौर बढने के साथ जंगलों में आग के मामले भी बढ़ रहे हैं। शुक्रवार को फतेहपुर रेंज के तहत आने वाले काठगोदाम के जंगल में आग लग गई। वहीं, रेंजर केएल आर्य ने बताया कि वनकर्मी मौके पर भेजे गए थे। आग पर काबू पाने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा है

गर्मी का सीजन आते ही पर्वतीय क्षेत्रों में वनाग्नि की घटना देखने को मिल रही हैं। पहाड़ों में जंगलों के जलने का प्रभाव मैदानी इलाकों में दिखाई दे रहा है। हल्द्वानी सहित आसपास के क्षेत्रों में दिन के समय हल्की धुंध छा रही है। वहीं तापमान में भी वृद्धि हो रही है।

अप्रैल प्रारंभ से लगातार बढ़ रहा पारा 37 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच चुका है। मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार गुरुवार को हल्द्वानी क्षेत्र का तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। वहीं शुक्रवार को अधिकतम पारा 36.2 डिग्री रिकार्ड किया गया है। वहीं न्यूनतम तापमान 14.1 डिग्री रहा है।

दोपहर के समय गर्मी होने की वजह से लोगों ने दिन में बाजार आना कम कर दिया है। ऐसे में चहल-पहल भी कम दिख रही है। वहीं शाम के समय लोग खरीदारी के लिए निकल रहे हैं। हालांकि, शनिवार से मौसम के करवट लेने की संभावना है। आज पर्वतीय क्षेत्रों में वर्षा हो सकती है।

जबकि, रविवार और सोवमार को मैदानी क्षेत्रों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे में गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। साथ ही पर्वतीय क्षेत्रों में हो रही वनाग्नि की घटनाओं से भी थोड़ी राहत मिलेगी।

दहेज उत्पीड़न के अभियुक्त पति, सास व ससुर दोषमुक्त

ऋषिकेश, एजेंसी। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट भवदीप रावते की अदालत ने दहेज उत्पीड़न के अभियुक्त पति, सास व ससुर को दोष मुक्त करार दिया है। तीनों अभियुक्त जमानत पर रिहा थे।

ऋषिकेश निवासी टीआर शर्मा ने 16 नवंबर 2018 को कोतवाली ऋषिकेश में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में टीआर शर्मा ने बताया था कि उसकी बेटी श्वेता का विवाह मोहित शर्मा पुत्र एके शर्मा निवासी पश्चिमपुरी, शास्त्रीपुरम आगरा के साथ 18 फरवरी 2018 को हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग श्वेता को नकद 10 लाख व कार के लिए परेशान कर रहे थे। ससुराल पक्ष के लोगों ने कार व धनराशि न लाने पर उसके साथ अभद्रता, गाली-गलौज, मारपीट व जान से मारने की धमकी भी दी।

श्वेता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने पति मोहित शर्मा, ससुर एके शर्मा व सास मनोरमा शर्मा के खिलाफ दहेज उत्पीड़न के तहत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने 24 जून 2019 को मामले में न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किए थे।

हीट स्ट्रोक से निपटने के लिए अलर्ट मोड पर अस्पताल

हल्द्वानी, एजेंसी। बढ़ते तापमान और मौसम विशेषज्ञों की अप्रैल-मई माह में भीषण गर्मी की चेतावनी ने तराई और भाबर क्षेत्र में चिंता बढ़ा दी है। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने भी तैयारियां शुरू कर दी हैं। स्वास्थ्य विभाग के निदेशालय के निर्देश पर सीएमओ ने जिले के सभी अस्पतालों को उचित इंतजामों के साथ अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 20 अप्रैल के बाद तापमान में और ज्यादा इजाफा रहने की संभावना है। पंतनगर कृषि विवि के मौसम विशेषज्ञ डॉ. आरके सिंह के अनुसार अप्रैल-मई में लू चलने की आशंका है, जिसकी अवधि अन्य सालों की अपेक्षा 15 से 20 दिन तक रहेगी जो सामान्य से काफी ज्यादा है। क्योंकि, तराई भाबर में नमी ज्यादा रहती है। विशेषज्ञों के अनुसार दोपहर 12 से तीन बजे का समय काफी गर्मी वाला रहता है। ऐसे में लोगों को तेज सिर दर्द भी होता है। वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. नीलांबर भट्ट के अनुसार हीट स्ट्रोक अत्यधिक तापमान बढ़ने पर होता है। इसे सामान्य भाषा में लू कहते हैं। इसमें बीपी लो हो जाता है और उल्टी, चक्कर यहां तक की बेहोशी भी छा जाती है। तापमान में बढ़ोतरी मार्च के अंतिम सप्ताह से ही होने लगी थी। 30 मार्च को तापमान 35.8 और 31 मार्च को 36.3 डिग्री रहा। इसके बाद पांच और छह अप्रैल को 35 डिग्री, 6 अप्रैल को 34.4, आठ अप्रैल को 34.6 डिग्री सेल्सियस और 10 अप्रैल को एक बार फिर 35.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

कन्याओं के संरक्षण का संकल्प लेने का पर्व है नवरात्र

हरिद्वार, एजेंसी। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि देवी दुर्गा को समर्पित नवरात्र जीवन को नया संदेश देते हैं। निरंजनी अखाड़ा स्थित चरण पादुका मंदिर में नवरात्र पूजन के दौरान श्रद्धालु भक्तों को संबोधित करते हुए श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि नवरात्रों में नौ दिनो तक देवी भगवती की आराधना पूजन करने के साथ आत्मावलोकन भी करें। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति में नारी को देवी का प्रतिरूप माना गया है।

श्रीमहंत ने कहा कि आज महिलाएं जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। कोई ऐसा क्षेत्र ऐसा नहीं है, जिसमें महिलाएं अपनी उपस्थिति दर्ज ना करा रही हों। इसके बावजूद महिलाओं और बेटियों के लिए बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नवरात्रों में देवी स्वरूपा कन्याओं का पूजन किए जाने का विधान है। इसके साथ कन्याओं के संरक्षण संवर्द्धन के संकल्प की भी आवश्यकता है।

गरुड़ पहुंचे सीएम पुष्कर सिंह धामी, कार्यकर्ताओं ने फूल-माला पहनाकर किया भव्य स्वागत; जनसभा करेंगे

बागेश्वर, एजेंसी। शनिवार को गरुड़ के मेलाडूंगरी हैलीपैड पहुंचे सीएम पुष्कर सिंह धामी को कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। सीएम पुष्कर सिंह धामी शनिवार को गरुड़ के मेलाडूंगरी हैलीपैड पहुंचे। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। सीएम धामी मेलाडूंगरी हैलीपैड से कार में सवार होकर रामलीला मैदान के लिए निकल गए है। सीएम धामी रामलीला मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे।

नमाज पढ़ने जा रहे युवक के साथ मारपीट, छुरी से सिर पर किया वार, घायल अस्पताल में भर्ती ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। रुद्रपुर में प्रतिबंधित पशु काटने का विरोध करना एक युवक को भारी पड़ गया। आरोप है कि ईद की नमाज पढ़ने जा रहे युवक के साथ चार लोगों ने मारपीट की और छुरे से सिर पर वार कर दिया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के लंबाखेड़ा गांव में प्रतिबंधित पशु काटने का विरोध करना एक युवक को भारी पड़ गया। आरोप है कि ईद की नमाज पढ़ने जा रहे युवक के साथ चार लोगों ने मारपीट की और छुरे से सिर पर वार कर दिया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कोतवाली में दी तहरीर में लंबाखेड़ा निवासी सरफराज अहमद ने कहा है कि गांव के रहने वाले चार लोग खेतों से प्रतिबंधित पशु पकड़कर लाते हैं और उसको काटते हैं। बृहस्पतिवार की सुबह वह नमाज पढ़ने जा रहा था। इस दौरान उक्त लोग एक घर पर प्रतिबंधित पशु काट रहे थे। जब उसने मना किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की।

आचार संहिता हटने के बाद ही मिलेगी सड़क को गड्ढों से मुक्ति

चौखुटिया (अल्मोड़ा), एजेंसी। विकासखंड के 40 से अधिक गांवों को जोड़ने के लिए बनी बाखली-खीड़ा, गोदी-तड़गताल और चौखुटिया-मासी सड़कें बदहाल हैं। इन सड़कों पर डामर उखड़ने से गड्ढे बन गए हैं। बदहाल सड़कों को ठीक करने की मांग के बाद किसी तरह इनमें डामरीकरण को स्वीकृति तो मिली जो अब आचार संहिता के फेर में फंस गई है। जिम्मेदार अधिकारी भी आचार संहिता का हवाला देकर डामरीकरण शुरू न होने की बात कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रहे हैं।

कोट-आचार संहिता के चलते सड़कों का सुधारीकरण नहीं हुआ है। गोदी-तड़ागताल सड़क के सुधारीकरण के लिए स्वीकृति मिल चुकी है। आचार संहिता हटने के बाद टेंडर प्रक्रिया होगी।

वोट मांगने रुड़की पहुंची बसपा सुप्रीमो मायावती, कहा- इस बार केंद्र में नहीं आने वाली बीजेपी सरकार

मंगलौर, एजेंसी। मतदान की तारीख नजदीक आने के साथ ही राजनैतिक दलों ने भी ताकत झोंकना शुरू कर दिया है। शनिवार को मंगलौर में लिब्बरहेड़ी चीनी मिल के समीप बसपा सुप्रीमो मायावती भी पार्टी प्रत्याशी के लिए वोट मांगने पहुंचीं। बसपा सुप्रीमो मायावती मंच पर पहुंचीं तो करीब 10 मिनट तक स्टेज से मायावती जिंदाबाद के नारे लगाते रहे।

मायावती ने कहा कि लोकसभा चुनाव में उत्तराखंड से लड़ने वाले बसपा प्रत्याशियों के समर्थन के लिए आई हूं। किसी भी अन्य पार्टी के साथ मिलकर नहीं अकेले ही चुनाव मैदान में बसपा पार्टी उतरी है। अपने अकेले के बूते चुनाव लड़ रहे हैं।

बहुजन समाज पार्टी के उत्तराखंड से पांचों प्रत्याशियों को भारी मतों से जीताना है। कहा कि कार्यकर्ताओं का जोश देखकर भरोसा हो गया है कि इस चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार भारी मतों से विजयी होंगे।

भारतीय जनता पार्टी और उनके सहयोगी दल लंबे समय से केंद्र और अन्य राज्यों में काबिज हैं। इनकी कथनी और करनी में काफी अंतर होने की वजह से

ऐसा लगता है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी केंद्र में आने वाली नहीं है।

देश की जनता किसी हद तक इस बात को समझ चुकी है कि आज सभी का हित बहुजन समाज पार्टी में निहित है। भारतीय जनता पार्टी में हमेशा दलितों व अन्य पिछड़े वर्गों का शोषण किया है।

मोदी की गारंटी की जमीनी हकीकत पर कुछ सामने नहीं आ रहा है।

खकोड़ा में गहराया पेयजल संकट, ग्रामीण परेशान

लोहाघाट (चंपावत), एजेंसी। विकासखंड बाराकोट रेगड़ू के खकोड़ा ग्राम पंचायत में पानी का संकट गहरा गया है। जल जीवन मिशन के तहत गांव में बन रही हर घर जल हर घर नल योजना का काम अधूरा पड़ने होने पर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई है। ग्रामीणों ने योजना का काम जल्द पूरा करने की मांग की है।

खकोड़ा ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान राजेंद्र सिंह मेहता ने कहा कि गांव में पुरानी पेयजल योजना से पानी की आपूर्ति कम होने से पानी की किल्लत बनी हुई है। जल निगम को हर घर जल हर घर नल योजना का कार्य मार्च 2024 तक पूरा करना था, जो अब तक नहीं हो पाया है। उन्होंने बताया कि बंतोली के नीचे एक नदी है। इससे पेयजल योजना बननी थी, लेकिन गांव की समस्या को देखते हुए जल निगम इसमें देरी कर रहा है। ग्राम प्रधान ने बताया कि क्षेत्र में बारिश न होने से लोग नौले, धारों और पिकअप से पानी खरीदकर पेयजल आपूर्ति कर रहे हैं। ग्रामीणों ने जलनिगम से जल्द पेयजल योजना का कार्य पूर्ण

करने की मांग की है।

बारिश नहीं होने के कारण स्रोतों का पानी कम हो गया है। डीडीहाट को आपूर्ति करने वाले प्राकृतिक स्रोत का पानी पूरी तरह से सूख गया है। इस कारण थल रामगंगा नदी से आने वाले पानी से ही पूरे नगर व उसके आसपास पानी की सप्लाई दी जा रही है। इससे लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है।

डीडीहाट में थल रामगंगा नदी से पानी लिफ्ट करके आता है। इसके अलावा आठ प्राकृतिक स्रोत से भी पानी मिलने से जल संस्थान पूरे नगर में दो समय पानी की सप्लाई करता था, लेकिन इस बार जाड़ों में बारिश नहीं होने और जंगलों में आग लगने के कारण प्राकृतिक जल स्रोत सूखने लगे हैं। अब जल संस्थान पूरी तरह से थल रामगंगा से मिलने वाले पानी से ही पूरे नगर को पानी की सप्लाई कर रहा है। इस कारण लोगों को एक समय ही पानी मिल रहा है। जल संस्थान के ईई अवधेश कुमार ने बताया कि पानी की कमी होने से पानी की सप्लाई को एक समय किया गया है। अगर पानी की कमी होगी तो टैंकरों से भी पानी की सप्लाई नगर में की जाएगी।

गर्मियों में एक ओर जहां लोगों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है वहीं दूसरी ओर जिला मुख्यालय के तिलढुकरी वार्ड में लाइन लीकेज होने से पानी नाली में बर्बाद हो रहा है। इससे लोगों में रोष पनप रहा है।

जांच के एक हफ्ते बाद महिला कर्मियों को मिला कारण बताओ नोटिस

हल्द्वानी, एजेंसी। सुशीला तिवारी राजकीय मेडिकल कॉलेज में फरवरी में लाखों रुपये के वित्तीय गबन के मामले की जांच पूरी होने के करीब एक हफ्ते बाद मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने महिला कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

जांच में पंजीकरण विभाग में कार्यरत उपनल महिला कर्मी (डाटा एंट्री आपरेटर) मुख्य दोषी निकली थीं। उन्होंने पंजीकरण का प्रतिदिन का पैसा काम खत्म होने के बाद रिसेप्शन में जमा नहीं किया था। जिसमें 946 रसीदें और 7,57867 लाख रुपये जमा नहीं किए थे। इसके अलावा जांच अधिकारी ने पंजीकरण प्रभारी और सहायक महिला कर्मी को भी जांच अधिकारी ने दोषी माना था।

जांच के दौरान मेडिकल कालेज प्रशासन की ओर से उपनल महिला कर्मी को हटा दिया गया था और पंजीकरण प्रभारी और सहायिका को प्राचार्य कार्यालय में अटैच किया गया था।

कमरे में मृत मिली महिला, हत्या की आशंका

रुद्रपुर, एजेंसी। ट्रांजिट कैंप में किराये के मकान में रह रही महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह कमरे में मृत मिली। मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। मायके वालों ने पति पर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पति को हिरासत में ले लिया है।

मूल रूप ग्राम वकराबाद थाना मिलक जिला रामपुर निवासी उमेश कुमार पत्नी रीता (25) और पांच साल के बेटे के साथ ट्रांजिट कैंप स्थित मछली मार्केट में किराये के मकान पर रहकर सिडकुल की फैक्टरी में काम करता है। बृहस्पतिवार देर रात पड़ोसी महिला ने रीता का कमरा बाहर से बंद पाया। जब उसने खिड़की से अंदर देखा तो रीता बिस्तर पर अचेत पड़ी थी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। रीता को जिला अस्पताल ले जाया गया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। उसके गले पर रस्सी के निशान पड़े थे। तहसीलदार दिनेश कुटौता ने पंचनामे की कार्रवाई की। एसएचओ भारत सिंह ने बताया कि रीता का बेटा ससुराल में रहता था। गाजियाबाद से मोर्चरी पहुंची रीता की मां श्रीती और परिजनों ने दामाद पर हत्या करने और बेटे को अपने साथ लेकर फरार होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उमेश रीता को परेशान करता था।

जेल में मिले अधिकार छीनकर दिल्ली वालों के मुख्यमंत्री केजरीवाल को प्रताड़ित और अपमानित कर रहे मोदी: संजय सिंह

जेल के नियम 602 और 605 के तहत जेल प्रशासन को किसी की भी मुलाकात आमने-सामने से कराने का अधिकार होता है

- जेल प्रशासन ने सीएम केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और भगवंत मान को कांच की दीवार के आर-पार से मिलने की अनुमति दी है
- मोदी जी के इशारे पर प्रशासन जेल मैनुअल में मिले न्यूनतम अधिकार व सुविधाएं छीनकर सीएम केजरीवाल का मनोबल तोड़ना चाहता है

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, दिल्ली वालों के चहेते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भाजपा और मोदी सरकार ने जेल में प्रताड़ित करना शुरू कर दिया है। मोदी सरकार के इशारे पर जेल प्रशासन दो करोड़ दिल्लीवालों के वोट से निर्वाचित मुख्यमंत्री केजरीवाल को न्यूनतम अधिकारों से वंचित करने लगा है। केजरीवाल के साथ जेल में किए जा रहे अपमान जनक व्यवहार पर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जेल प्रशासन ने सीएम केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और भगवंत मान को कांच की दीवार के आर-पार से मिलने की अनुमति दी है। जबकि जेल प्रशासन के पास आमने-सामने बैठाकर मुलाकात कराने का अधिकार है। तिहाड़ में खूंखार अपराधियों की भी मुलाकात आमने-सामने कराई जाती है। जो काम तिहाड़ जेल के इतिहास में अब तक नहीं हुआ, वो अब मोदी जी की अगुआई में हो रहा है। मोदी जी जेल मैनुअल में मिले न्यूनतम अधिकार और सुविधाएं छीनकर अरविंद केजरीवाल का मनोबल तोड़ना चाहते हैं। अब वो अति कर रहे हैं। इसलिए इस बार देश की जनता उनके अत्याचार, तानाशाही, जुल्म और अहंकार का जवाब अपने वोट से देगी। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने सीएम अरविंद केजरीवाल को जेल में मिले अधिकारों मे कटौती करने को लेकर शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा कि जेल में तीन बार प्रचंड बहुमत से निर्वाचित और दिल्ली के दो करोड़ लोगों के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री मोदी के इशारे पर प्रताड़ना की कार्रवाई की जा रही है। उनका मनोबल तोड़ने की कार्रवाई की जा रही है। जेल में जो न्यूनतम अधिकार और सुविधा मिलती है, उसको भी खुलेआम छीनने का प्रयास किया जा रहा है। जो काम तिहाड़ जेल के इतिहास में कभी नहीं हुआ होगा। वह प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में हो रहा है। उन्होंने कहा कि जेल का नियम 602 और 605 यह कहता है कि किसी की भी मुलाकात आमने-सामने कराई जा सकती है और यह अधिकार जेल प्रशासन को होता है। जेल में बंद अरविंद केजरीवाल की पत्नी और परिवार चिंतित और परेशान हैं। उनके माता-पिता बीमार हैं। ऐसे में अरविंद केजरीवाल का हाल-चाल जानने के लिए जब सुनीता केजरीवाल आवेदन करती है तो उनको कहा जाता है कि आप आमने-सामने मुलाकात नहीं कर सकते हैं। आप किसी कमरे में बैठकर मुलाकात नहीं कर सकते हैं। आपको कांच की दीवार के आरपार बैठकर मुलाकात करनी होगी। तिहाड़ जेल का इतिहास उठाकर देख लीजिए कि लोगों की फेस टू फेस बैठकर मुलाकात कराई जाती है। लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री को अपमानित करने और उनका मनोबल को तोड़ने के उद्देश्य से कहा जाता है कि कांच के दीवार में मुलाकात होगी। जबकि, तिहाड़ जेल में खूंखार अपराधियों की भी मुलाकात बैरक में होती है। सांसद संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल से पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और मेरी मुलाकात के लिए हमारे वकील आवेदन करते हैं तो उनको टोकन नंबर 4152 दे दिया जाता है। लेकिन मुलाकात से एक रात पहले मेल आती है कि सुरक्षा कारणों से इतने शार्ट नोटिस पर मुलाकात नहीं कराई जा सकती है। यानी कि जब हम मुलाकात के लिए आवेदन कर रहे थे, तब जेल प्रशासन और भारत के प्रधानमंत्री मोदी को यह पता नहीं था कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान कौन हैं? लेकिन जब जेल के नियम 602 और 605 के तहत कहा गया कि आप दो राज्यों के निर्वाचित मुख्यमंत्रियों की मुलाकात कराइए तो कहा गया कि दोनों की मुलाकात भी कांच की दीवार में ही होगी। तिहाड़ जेल प्रशासन, भारत के प्रधानमंत्री और देश के गृह मंत्री से पूछना चाहता हूं कि जब से तिहाड़ जेल बनी है, तब से एक उदाहरण या एक नाम बताओ कि किसी निर्वाचित मुख्यमंत्रियों की मुलाकात ऐसे कराई हो। मैं जानता हूं कि तिहाड़ जेल में कई लोगों की मुलाकात फिजिकल तौर पर होती है। यहां तक की ऑफिस में बिठाकर कराई जाती है। आप बड़े से बड़े अपराधियों की मुलाकात तो आराम से बिठाकर कराते हैं। लेकिन तीन बार दिल्ली के मुख्यमंत्री और पंजाब के मुख्यमंत्री की मुलाकात कांच की दीवार में कराने की बात करते हो। तिहाड़ जेल प्रशासन ने मेरी मुलाकात तो कैंसिल कर दी। अब केवल सीएम भगवंत मान की मुलाकात करा रहे हैं, वह भी कांच की दीवार में। मैं दिल्ली सांसद हूं और दिल्ली की जेल में, दिल्ली के मुख्यमंत्री से मिलने की मुझे इजाजत नहीं है। आपने देश में तमाशा बना रखा है। देश के नियम, कानून और संविधान को रद्दी की टोकरी में डाल दिया है। इस अत्याचार, तानाशाही, जुल्म और अहंकार का जवाब जनता आपको देगी। उन्होंने कहा कि इसी जेल में जब सुब्रत रॉय सहारा की मुलाकात इंटरनेट, फोन, ऑफिस आदि सुविधाओं के साथ होती थी। इसी जेल में चंद्रा ब्रदर्स बकायदा मीटिंग करते थे और कई कागजातों पर साइन करते थे। वह जिनसे मिलना चाहते थे, उनको मिलने की इजाजत थी। लेकिन इसी तिहाड़ जेल में अरविंद केजरीवाल के मनोबल को तोड़ने के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है। उनको हर पल अपमानित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी आपके जुल्म, तानाशाही और अत्याचार का हिसाब दिल्ली की दो करोड़ जनता के साथ पूरे देश की जनता देगी। इसलिए हम कह रहे हैं, ह्रजेल का जवाब वोट सेह्न। संजय सिंह ने कहा कि अरविंद केजरीवाल उस शख्स का नाम है, जिसने आईआरएस की नौकरी को लात मारकर देश सेवा का संकल्प लिया था। जिसने सिद्धांतों की बात आई तो 49 दिन की सरकार में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का काम किया और जेल में उस इंसान के साथ इस तरह का सलूक हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी जी और अमित शाह आप दोनों संवैधानिक, लोकतांत्रिक, कानूनी और जेल के नियमों के तहत अधिकारों को छीनने का काम मत कीजिए और अपना नाम हिटलर शाही के रूप में दर्ज करने की कोशिश मत कीजिए। क्योंकि दुनिया में जितने भी हिटलर हुए, पूरी दुनिया जानती है कि उनका अंत भी बुरा हुआ है।

स्कंदमाता माता पूजन के साथ बैसाखी मनाई

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, आतंकवाद रूपी राक्षस के नाश की कामना हेतु स्कंदमाता पूजन स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज के सानिध्य में आयोजित 120वां नवरात्रि महोत्सव एवम शक्ति अनुष्ठान में पांचवे दिन शाहदरा गोरख पार्क स्थित श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर में देवी स्कंदमाता की पूजा अर्चना विधि पूर्वक की गई। संस्थान के सहप्रबंधक राम वोहरा ने बताया कि ह्रस्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज के सानिध्य में चल रहे 120वां नवरात्रि महोत्सव में पांचवे दिन देवी ॐ सर्व मंगल मंगलये के मंत्रोचारण के साथ स्कंदमाता की पूजा अर्चना की गई। देवी पुत्र स्कंदकुमार देवासुर संग्राम में देवताओं के सेनापति बने और इन्होंने ही आसुरी शक्तियों का नाश किया। वर्तमान में भी जिस प्रकार से आतंकवाद रूपी राक्षसी प्रवृति के लोग विश्व में अस्थिरता अशांति पैदा करके तोड़फोड़ भय का माहौल बनाकर अपने मंसूबे पूरे करना चाहते हैं तो ऐसे हालात में आवश्यकता है ऐसे ही किसी स्कंदकुमार के अवतरण की जोकि इन आसुरी शक्तियों का विध्वंस करके विश्व में शांति की स्थापना करे। यह राक्षसी प्रवृत्ति के आतंकवादी किसी के भले के लिए नहीं बल्कि अशांति पैदा करके ही इन्हें प्रसन्नता मिलती है जोकि सीधे सीधे राक्षसी विचारधारा का उदाहरण है। बैसाखी के पावन अवसर पर संस्थान की परम्परा के अनुसार शिशुओं को अमृत रूपी जल चखाते हुए बैसाखी की शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर भक्तजन पित वस्त्रों में अलग ही छटा बिखर रहे थे। आज मंदिर परिसर में भजन गायक सुनील फकीर ने अपने पुत्र राहुल कक्कड़ के साथ मातृ गुणगान प्रस्तुत किया।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल वि. अभि. / क. वि., डी. आर. एम. ऑफिस, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य हेतु खुली निविदायें आमंत्रित करते हैं ।

1.	कार्य का नाम व स्थान	भाग–बी: ''गैर–विद्युतीकृत साइडिंग / डीजल शेडों के विद्युतीकरण के संबंध में डीएलआई, एनडीएलएस, डीएसजे और डीईई स्टेशनों पर गैर– विद्युतीकृत साइडिंग / डीजल शेडों के विद्युतीकरण के लिए 25 केवी एसी ओएचई का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग। डीएलआई डिवीजन पहले से ही अनुभागों को विद्युतीकृत कर रहा है'' ।
2.	अनुमानित लागत	Rs. 2,49,78,450.71/-
3.	बयाना राशि	Rs. 2,74,900/-
4.	ई–निविदा ऑनलाइन जमा करने की अवधि	26.04.2024 (00.00 बजे) से 10.05.2024 (15.00 बजे तक)
5.	ई–निविदा समापन की अंतिम तथा ई– निविदा खुलने की तारीख और समय	10.05.2024 (15.00 बजे)
6.	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in

निविदा संख्या: 10–क.वि.–नई दिल्ली–2023–24 दिनांक: 10.04.2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1096/24

गठबंधन जीतेगा और करेगा सभी वादे पूरे : अमित मिश्रा

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, ललिता पार्क ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित मिश्रा का कहना है आगामी लोकसभा चुनावों में इण्डिया गठबंधन दिल्ली की सभी सातों सीटों पर चुनाव जीतेगा। अमित मिश्रा कहते हैं कांग्रेस नें अपने चुनावी घोषणा पत्र में जो वादे किये हैं जीत के बाद उन्हें हमेशा की तरह पूरा करेगी। अमित मिश्रा कहते हैं आगामी लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस पार्टी ने अपना घोषणा पत्र कुछ दिन पूर्व जारी कर दिया है। कांग्रेस पार्टी नें अपने घोषणा पत्र में सभी वर्गों का ध्यान रखा है और केवल वही वादे किये है जिन्हें पार्टी पूरा करना चाहती है। अमित मिश्रा कहते हैं आज महंगाई और बेरोजगारी देश की बड़ी समस्याएं है और कांग्रेस नें दोनों पर फोकस करते हुए समाधान का वादा किया है। किसानो का मसला हो या पूर्व सैनिकों का अथवा सरकारी कर्मियों का सभी का ध्यान कांग्रेस नें अपने घोषणा पत्र में किया है। अमित मिश्रा कहते हंक कि कांग्रेस पार्टी ने अपना घोषणा पत्र देश हित को देखकर बनाया गया है जिसको देखकर जनता लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को जीत दिलवाएगी इसमें दूरदर्शिता है यह देश हित में सभी वर्गों, सभी समुदायों को देखते हुए बनाया गया है। इसमें युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों के लिए बहुत सारे योजनाएं और नए विकल्प है। अमित कहते है भाजपा नें जिस अग्निवीर योजना को जोरशोर से शुरू किया था उसे बंद करने की बात कही गई है। घोषणापत्र में कांग्रेस न्याय पथ में जाति जनगणना एमएसपी को कानून बनाने, गरीब महिलाओं को सालाना एक लाख रुपए देने का वादा जिससे कि हमारे देश में काफी तरक्की और उन्नति होगी। पार्टी के घोषणा पत्र में न्यूनतम मजदूरी 400 रुपए करने, गरीब परिवार की महिला को साल में 1 लाख रुपए देने, एमएसपी को कानून बनाने और जाति जनगणना कराने का वादा किया गया है।

बरसों पुराने दोस्तह्र गर्लफ्रेंड के चक्कर में जानी दुश्मन

प्रात : किरण संवाददाता

द्वारका सेक्टर 23 थाना इलाके में हुई हत्या के सनसनीखेज मामले का खुलासा द्वारका एएटीएस की टीम ने कर लिया है। इस मामले में आरोपी सुरेश गंगवार को गिरफ्तार किया गया है। वारदात में इस्तेमाल चाकू के अलावा मोबाइल और कपड़े को भी पुलिस ने जप्त किया है। पता चला की हत्या की यह वारदात गर्लफ्रेंड के चक्कर में एक दोस्त ने दूसरे दोस्त की कर दी है। जबकि मृतक आशीष और गिरफ्तार आरोपी सुरेश बरसों पुराने गहरे दोस्त थे। पहले असम, उसके बाद राजस्थान और अब दिल्ली में साथ में काम करते थे। लेकिन सुरेश की गर्ल फ्रेंड उसके दोस्त आशीष से बात करने लगी और आशीष से धीरे धीरे दूरियां बढ़ाने लगी, जिससे सुरेश काफी खफा हो गया था। डीसीपी द्वारका अंकित सिंह ने बताया कि 9 अप्रैल को सेक्टर 21 मेट्रो स्टेशन के पीछे जंगल में एक शख्स की डेड बॉडी मिली थी। उसके चेहरे को बुरी तरह कुचल दिया गया था, जिससे की पहचान ना हो सके। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने उसकी पहचान आशीष कुमार के रूप में की जो उत्तर प्रदेश के रायबरेली का रहने वाला निकला। इस मामले को सुलझाने के लिए एसीपी राम अवतार की देखरेख में इंस्पेक्टर कमलेश कुमार, एसआई जयवीर, हेड कांस्टेबल जगत की टीम को लगाया गया था। पुलिस टीम ने वारदात वाली जगह से लेकर आसपास के काफी संख्या में सीसीटीवी फुटेज को खंगाला और उसके साथ-साथ टेक्निकल सर्विलांस की भी मदद ली गई। उसके बाद आरोपी सुरेश गंगवार तक पहुंचने में कामयाब हुई। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि आशीष उसका गहरा दोस्त था और वह लोग एक ही कंपनी में पहले असम में काम करते थे। आशीष उसकी गर्लफ्रेंड से मोबाइल पर बात करने लगा था। जिसकी जानकारी उसे बाद में मिल गई थी। उसके बाद में यह लोग राजस्थान की यह कंपनी में काम अजमेर में आ गए। लेकिन वहां कुछ विवाद होने के कारण यह लोग जब छोड़कर दिल्ली में काम करने लगे। आरोपी सुरेश की जो गर्लफ्रेंड थी वह धीरे-धीरे उससे दूरियां बनाने लगी थी। जिससे सुरेश को बर्दाश्त नहीं हो रहा था। इसी बीच आशीष को सुरेश और उसकी गर्लफ्रेंड की कुछ अंतरंग फोटो मिल गई, जो उसने सुरेश को बताकर उसकी गर्ल फ्रेंड को ब्लैकमेल करने की कोशिश की। सुरेश ने उस पिक्चर को डिलीट करने के लिए बोला, लेकिन आशीष नहीं माना। इसके बाद सुरेश ने आशीष की हत्या करने की प्लानिंग की। उसने बहाना बनाकर बताया कि एक काम मिला है, जिससे काफी पैसे कमा सकते हैं। इस प्लान के तहत आशीष को सेक्टर 21 मेट्रो स्टेशन के पास बुलाया। सुरेश चाकू लेकर पहले से आया था। दोनों की मुलाकात पैसिफिक मॉल पर हुई, वहां से फिर यह लोग मेट्रो स्टेशन पीछे जंगल में जाकर बैठकर बात करने लगे। आशीष को यह नहीं पता था कि उसका दोस्त आज उसकी हत्या करने वाला है। बात करते-करते लोग जंगल के अंदर पहुंच गए तो इस दौरान सुरेश ने आशीष पर हमला कर दिया। पहले पत्थर से सिर पर कई बार वार कर दिया और उसके बाद चाकू से गला काटकर उसकी जान ले ली।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना

ई–निविदा (ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य कार्यशाला प्रबंधक कार्यालय, रेल कोच नवीनीकरण कारखाना, सोनीपत, उत्तर रेलवे, निम्नलिखित कार्य के लिए ई–निविदा करते है।

निविदा संख्या	234545
कार्य का नाम और कार्य स्थान	''18 प्लेटफार्म ट्रकों के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) का प्रावधान दो वर्ष की अवधि के लिए आरसीएनके / एसएनपी''
अनुमानित लागत	रुपये Rs. 3411079.50 / – जीएसटी @18% सहित
बयाना राशि	रु. 68200.00 / –
निविदा फार्म का मूल्य	शून्य
कार्य अवधि	अवधि कार्य आरंभ होने से चौबीस महीने
निविदा प्रपत्र जमा करने की तथा खुलने की तिथि व समय	दिनांक: 02.05.2024 खुलने का समय 15:00 बजे।
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए इंटरनेट साइट	उपरोक्त निविदा IREPS साइट पर उपलब्ध है जो कि है www.ireps.gov.in

पत्र स. 234545 Dated: 11.04.2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1094/24

दलितों के उत्थान के लिए लंबी लड़ाई डॉ.अम्बेडकर नें : लवली

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली ने संविधान निमार्ता, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 133वीं जयंती पर आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में उनकी तस्वीर पर फूल चढ़ाकर पुष्पाजंलि अर्पित की गई। डॉ. अम्बेडर ने जीवन भर दलितों और पिछड़ों के उत्थान तथा न्याय और समानता के अधिकारों के लिए जो लम्बी लड़ाई लड़ी थी, जिसके कारण भारत जैसे विभिन्न संस्कृतियों और वर्गों वाले देश में सभी लोगों को सामाजिक समानता का अधिकार एक समान प्राप्त है। प्रदेश अध्यक्ष अरविन्दर सिंह लवली के अलावा डॉ. अम्बेडकर को श्रद्धांजलि देने वालों में पूर्व सांसद रमेश कुमार और डॉ. उदित राज, पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, सुरेन्द्र कुमार, अमरीश गौतम, मालाराम गंगवाल, भीष्म शर्मा, दिल्ली नगर निगम में सदन के पूर्व नेता जितेन्द्र कुमार कोचर, गुरचरण सिंह राजू, निगम पार्षद हाजी जरीफ, पूर्व जिला अध्यक्ष हरी किशन जिंदल, अनुज आत्रेय, कमल गौड़, दीपक वशिष्ठ, नरेश शर्मा नीटू, सहित महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, सेवादल व एनएसयूआई के कार्यकर्ता भी शामिल थे। इस अवसर पर अरविन्दर सिंह लवली ने कहा कि डॉ. अम्बेडर ने करोड़ो देशवासियों के अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए जो संविधान बनाया था, भाजपा के तानाशाही शासन में संविधान खतरे में है। उन्होंने कहा कि जो लोग संविधान को बदलना चाहते है जनता अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का इस्तेमाल करके उन्हें बदलकर बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धाजंलि देगी। उन्होंने कहा कि मुक्त एवं निष्पक्ष चुनाव कराना सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है जिसको किसी दबाव के कारण निभाया नही जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी संवैधानिक अधिकारों की लड़ाई को संसद से सड़क तक लड़ रही है और देशवासियों के हितों और अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए लड़ाई जारी रहेगी। अरविन्दर सिंह लवली ने कहा कि आजादी के बाद से ही कांग्रेस पार्टी ने डॉ. अम्बेडकर द्वारा दलितों के उत्थान के लिए उनके विचारों को ध्यान में रखते हुए निम्न वर्ग, दलित वर्ग, पिछडे वर्ग के लोगों का समाज में बराबरी का स्थान दिलाने के अनेकों आर्थिक और कल्याणकारी योजनाओं को अम्बेडकर जी के आदर्शों को ध्यान में रखते हुए प्रबलता के साथ लागू किया। कांग्रेस के शासन में कभी भी दलितों के अधिकारों की अनदेखी नही हुई। डॉ. अम्बेडकर ने संविधान में महिला सशक्तिकरण महत्वपूर्ण काम किए जिसके कारण महिलाओं को संविधान में विशेष स्थान मिला।

झूठ की राजनीति करने वालों का यही हश्र होता है : विनीत जैन

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी के नेताओं को निचली अदालत से ले सुप्रीम कोर्ट तक से राहत नहीं मिल रही। ऐसा इसलिए हो रहा है झूठ और भ्रष्टाचार की राजनीति ज्यादा दिन नहीं चला करती। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी शाहदरा जिला मीडिया विभाग के संयोजक विनीत जैन का।

विनीत जैन कहते हैं जनता के साथ धोखा करने का, सच के नाम पर झूठ की राजनीति करने का, दूसरों को भ्रष्टाचारी बताते बताते खुद सबसे बड़ा भ्रष्टाचार करना, जनहित नीतियों के नाम पर करोड़ों रुपयों के घोटाले करने का यही अंजाम होना चाहिए। विनीत जैन कहते हैं अरविंद केजरीवाल ने अपने कार्यकाल में भ्रष्टाचार की सभी हदें पार कर दी, न सिर्फ अरविंद केजरीवाल ने बल्कि इनके अन्य मंत्री भीभ्रष्टाचार के ही मामलों में जेल में बंद है। जो झूठ अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता से बोला है, जो धोखा अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को दिया है उसके आगे जो ईडी ने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की। अरविंद केजरीवाल ने राजनीति का इस्तेमाल अपनी और अपने मंत्रियों की जेबें भरने के लिए किया जिसकी कोई माफी नहीं हो सकती। दिल्ली की जनता ने अरविंद केजरीवाल को एक बार नहीं दो दो बार बहुमत देकर सरकार बनाने का मौका दिया। जिस दिल्ली की जनता ने एक मामूली से इंसान अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के मुख्यमंत्री के पद पर बैठाया उसी दिल्ली की जनता के साथ अरविंद केजरीवाल ने अपने मंत्रियों के साथ मिलकर इतना बड़ा धोखा किया, दिल्ली की जनता सेइतना बड़ा झूठ बोला।

JOTINDRA INFRASTRUCTURE LIMITED
(FORMERLY KNOWN AS JOTINDRA STEEL & TUBES LIMITED)
Regd. Office & Works: 14/3, Mathura Road, Faridabad- 121 003 (Haryana) India
Phone : +95-129-2477800,2477806, Fax : +95-129-. CIN: L27104HR1970PLC005240
E-mail : jotindra@jotindra.com;Web-site:www.jstltd.com

NOTICE OF POSTAL BALLOT/E-VOTING

NOTICE is hereby given that pursuant to the provisions of Section 108, 110 of the Companies Act, 2013 (**"the Act"**), and other applicable provisions of the Act read with Rule 20 and 22 of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014 (**"the Rules"**), Regulation 44 of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 (**"Listing Regulations"**), Secretarial Standard on General Meetings (**"SS-2"**) issued by the Institute of Company Secretaries of India and other applicable laws, rules and regulations (including any statutory modification or re-enactment thereof for the time being in force and as amended from time to time), guidelines prescribed by the Ministry of Corporate affairs (**"MCA"**), Government of India, for holding general meeting / conducting postal ballot process through electronic voting (**remote e-voting**) vide General Circular Nos. 14/2020 dated 08.04.2020 and 17/2020 dated 13.04.2020 read with other relevant circulars, including General Circular No.20/2021 dated 08.12.2021, issued by the MCA (**"MCA Circulars"**), the following items of special business are proposed to be passed by the Members of Jotindra Steel and Tubes Limited (**"the Company"**) by means of Postal Ballot through remote e-voting (**"e-voting"**).

The remote e-voting period commences from 09.00 a.m. (IST) on Sunday, 14.04.2024 and ends at 05.00 p.m. (IST) on Monday, 13.05.2024. Members are requested to peruse the proposed resolution along with the explanatory statement, carefully read the instructions in the Notes to this Notice and cast their vote electronically by indicating Assent (For) or Dissent (Against) for the said Resolution not later than 05:00 p.m. (IST) on Monday, 13.05.2024 (the last day to cast vote electronically).

The resolution, if passed by the requisite majority, shall be deemed to have been passed on Monday, 13.05.2024 i.e. the last date specified for e-voting.

SPECIAL BUSINESS

Appointment of Mrs. TANVI DUBEY (DIN: 10491035) as an Independent Director of the Company for a term of 5 (five) years

Notes:

1. The Explanatory Statement pursuant to Section 102 read with Section 110 of the Act setting out material facts pertaining to the resolution, is annexed hereto for your consideration and forms part of this Notice.
2. The relevant details, pursuant to the provisions of SEBI LODR and SS-2, in respect of Director seeking appointment are also annexed hereto.
3. The Notice is being sent to all the members, whose names appear on the Register of Members/ List of Beneficial Owners as on Friday, April 05, 2024. In compliance with MCA Circulars, the Notice is being sent to members only in electronic form to the e-mail addresses registered with their Depository Participants (in case of electronic shareholding)/the Company's Registrar and Transfer Agent (in case of physical shareholding). Physical copies of the Notice are not being sent to the members for this Postal Ballot. Therefore, those members who have not yet registered their e-mail addresses are requested to get their e-mail addresses registered by following the procedure given below in e- voting instructions.
4. The Notice is also available on the website of the Company at https://www.jstltd.com/, on the website of stock exchange i.e. Metropolitan Stock Exchange https://www.msei.in/ respectively and on the website of the NSDL i.e. www.evoting.nsdl.com.
5. In compliance with the provisions of Sections 108 and 110 of the Act, read with the Management Rules and Regulation 44 of SEBI LODR, the Company is offering e-voting facility to all the members of the Company to enable them to cast their votes electronically. The Company has engaged the services of NSDL to provide e-voting facility to its members. The instructions for e-voting are annexed to this Notice.
6. The voting rights of the members shall be in proportion to their holding of Equity Shares with the paid-up equity share capital of the Company as on Friday, April 05, 2024 ("Cut-Off date"). Only those members whose names are recorded in the Register of Members of the Company or in the Register of Beneficial Owners maintained by the Depositories as on the Cut-Off date will be entitled to cast their votes by e-voting. A person who is not a member as on the Cut-Off date should treat this Notice for information purposes only.
7. Facility to exercise vote by Postal Ballot by voting through electronic means will be available during the following period:
   - Commencement of voting: Sunday, 14.04.2024 at 09:00 am (IST) End of voting: Monday, 13.05.2024 at 05:00 pm (IST) (both days inclusive).
   - The facility for voting through electronic means will be disabled for voting by NSDL upon expiry of the aforesaid voting period.
8. All the relevant documents referred to in this Notice and explanatory statement shall be available for inspection by the members through electronic mode up to the last date specified for e-voting. The members may write to the Company at jotindrasteelandtubes@gmail.com in this regard.
9. A member cannot exercise his/her vote through proxy on postal ballot. However, corporate and institutional members shall be entitled to vote through their authorized representatives. Corporate and institutional members are requested to provide a proof of authorization (board resolution/authority letter/power attorney, etc.) in favour of their authorised representatives to the scrutinizer through e-mail to csjyotiarya@gmail.com with a copy marked to evoting@nsdl.co.in.
10. Further, SEBI vide notification dated January 24, 2022 has amended Regulation 40 of SEBI LODR and has mandated that all requests for transfer of securities including transmission and transposition requests shall be processed only in dematerialized form. In view of the same and to eliminate all risks associated with physical shares and avail various benefits of dematerialization, members are therefore advised to dematerialize the shares held by them in physical form.

By order of the Board of Directors
For JOTINDRA INFRASTRUCTURE LIMITED.
(FORMERLY KNOWN AS JOTINDRA STEEL & TUBES LIMITED)
Sd/-
AKHIL KUMAR SUREKA
(MANAGING DIRECTOR)
DIN: - 00060206

पंजाब और दिल्ली में रेड 14 लग्जरी गाड़ियां हुई बरामद, चंद सेकंड में चुराता लाखों की हाई सिक्योर लग्जरी गाड़ी

- पंजाब का बी. टेक इंजीनियर दोस्त के साथ करता वारदात
- आधी रात के बाद दिल्ली की सड़क से चुराता था गाड़िया
- पंजाब से बरामद की गई 2 करोड़ की 13 गाड़ियां

प्रात : किरण संवाददाता

क्राइम ब्रांच की टीम ने राजधानी दिल्ली से लाखों कीमत की हाई सिक्योरिटी वाली लग्जरी गाड़ियों को चंद सेकंड में हाईटेक टेकनिक से चुराकर पंजाब और दूसरे राज्यों में बेचने वाले एक बड़े गैंग का पदार्फाश किया है। इस मामले में 2 करोड़ से ज्यादा कीमत की 14 गाड़ियां बरामद की गई है। जो हुंडई क्रेटा और किया सेल्टोस आदि शामिल हैं। इस मामले में पुलिस ने गैंग के मास्टरमाइंड सहित पांच आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। जिनमें तीन रिसीवर और दो ऑटो लिफ्टर हैं। गैंग का मास्टरमाइंड हरप्रीत पंजाब के पटियाला का रहने वाला है, यह बी.टेक पास इंजीनियर है। जबकि इसके साथ गाड़ी चोरी करने वाला आरोपी उत्तराखंड के हरिद्वार का रहने वाला है। गिरफ्तार तीन रिसीवर सुखदेव, मंदीप और अमनदीप पंजाब के अमृतसर और तरणतारण के रहने वाले हैं। 14 लग्जरी गाड़ी और हाई टेकनिक टूल्स बरामद डीसीपी संजय सेन ने बताया कि एसीपी सुशील कुमार की देखरेख में इंस्पेक्टर दिलीप कुमार, एसआई अशोक, विजय, वीर सिंह और विजय कुमार की टीम ने 14 लग्जरी गाड़ियों के अलावा हाई टेकनिक टूल्स, फेक आरसी, 60 से ज्यादा ब्लैक चाभियां, गाड़ी खोलने के इस्तेमाल में किए जाने वाला ड्रिल मशीन, स्क्रू ड्राइवर, अंधेरे में इस्तेमाल के लिए टॉर्च, मैकेनिकल चाभी, टैबलेट इत्यादि भी बरामद किया है। मास्टरमाइंड पर अकेले 40 मामले पहले से हैं दर्ज पूछताछ में पता चला कि हरप्रीत पर अकेले 40 मामले पहले से दर्ज हैं और यह तीन मामलों में कोर्ट के द्वारा भगोड़ा भी घोषित था।

यह गैंग चार महीने के अंदर 50 से 60 गाड़ियां दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से चोरी करके पंजाब के अलावा मेरठ में भी भेज चुका है। जो गाड़ियां बरामद की गई है, वह दिल्ली के राजेंद्र नगर, राजौरी गार्डन, नारायना, मॉडल टाउन, शालीमार बाग, पश्चिम विहार वेस्ट, जनकपुरी, मुखर्जी नगर और प्रशांत विहार थाना इलाकों से चुराई गई थी। पुलिस टीम इस मामले में और आगे की कार्रवाई अभी कर रही है। लोग गहरी नींद में होते, पेट्रोलिंग कर थक जाती पुलिस पुलिस को इस सभी आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि यह लोग गाड़ी चोरी की वारदात आधी रात के बाद करते थे। जब लोग गहरी नींद में सो रहे होते और पुलिस भी पेट्रोलिंग करके थक चुकी होती। उसी का फायदा उठाकर यह लोग टारगेट की तलाश करके सिर्फ हुंडई की क्रेटा और किया सेल्टोज को ही टारगेट करने की कोशिश करते थे। क्योंकि इन गाड़ियों की कीमत कम से कम 11 लाख से लेकर 24 लाख तक की होती है। इसकी कीमत पंजाब और दूसरी जगह पर ज्यादा अच्छी मिल जाती है।

14 अप्रैल को बाबा साहब की जयंती पर देशवासी लेंगे संविधान बचाओ - तानाशाही हटाओ की शपथ

प्रात : किरण संवाददाता

- सीएम केजरीवाल के आह्वान पर आम आदमी पार्टी देश के 24 राज्यों की राजधानी में संविधान बचाओ-तानाशाही हटाओ दिवस मनाएगी : गोपाल राय
- सीएम केजरीवाल ने जेल से भेजे संदेश में कहा था, संविधान-लोकतंत्र को बचाने के लिए मैं मोदी जी के हर अत्याचार को बर्दाश्त कर लूंगा
- मोदी जी गैर भाजपा शासित राज्यों में जनादेश की बोली लगा रहे हैं या एजेंसियों का डर दिखाकर विधायकों को तोड़ रहे हैं

नई दिल्ली, बाबा साहब डॉ. अंबेडकर की जयंती पर 14 अप्रैल से भारत के संविधान और लोकतंत्र को बचाने की मुहिम और तेज होगी, जब पूरे देश में लोग संविधान बचाओ-तानाशाही हटाओ की शपथ लेंगे। आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने जेल से संदेश भेज कर बाबा साहब की जयंती को संविधान बचाओ-तानाशाही हटाओ दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया है। लिहाजा, आम आदमी पार्टी ने इस आयोजन को एतिहासिक सफल बनाने की तैयारियां पूरी कर ली है। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने बताया कि देश के 24 राज्यों की राजधानी में यह आयोजन किया जाएगा। दिल्ली में पार्टी मुख्यालय पर सुबह 11 बजे सभी मंत्री, विधायक समेत पदाधिकारी एकत्र होंगे और बाबा साहब के संविधान की मूल भावना प्रस्तावना को एक साथ पढ़कर शपथ लेंगे। उन्होंने कहा कि जेल से सीएम केजरीवाल ने भेजे अपने संदेश में कहा था कि संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिए मैं मोदी जी के हर अत्याचार को बर्दाश्त कर लूंगा। इसलिए अब वो वक्त आ गया है, जब देशभर के लोग एक होकर संवैधानिक मूल्यों पर हमला कर रही मोदी सरकार को सत्ता से बेदखल कर दें। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय पर प्रेस वार्ता में कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के संदेश के मुताबित पार्टी ने ये निर्णय लिया था कि 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जन्मदिन के अवसर पर पूरी पार्टी देशभर में संविधान बचाओ-तानाशाही हटाओ दिवस मनाएगी। अरविंद केजरीवाल ने ये संदेश भेजा था कि मोदी सरकार हमारे और हमारी पार्टी के ऊपर जितनी भी ज्यादतियां और अत्याचार कर रही है, वो हम सब बर्दाश्त करेंगे। इस समय पूरा देश लोकसभा चुनाव के दौर से गुजर रहा है। ये बहुत ही संवेदनशील समय है। जिस तरह से मोदी सरकार इस देश के अंदर संविधान के मूल्यों पर हमला कर रही है। ऐसे में अगर संविधान को बचाना है तो आज पूरे देश के लोगों को एकजुट होकर खड़े होना पड़ेगा और ये संकल्प लेना पड़ेगा कि हमें किसी भी कीमत पर संविधान के ऊपर हमला करने वाले लोगों को इस लोकसभा चुनाव से विदा करना है। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी ने निर्णय लिया है कि 14 अप्रैल को देशभर में सभी राज्यों की राजधानियों में संविधान बचाओ, तानाशाही हटाओ का शपथ समारोह आयोजित किया जाएगा। दिल्ली में ये शपथ समारोह सुबह 11 बजे आम आदमी पार्टी के मुख्यालय में आयोजित होगा, जहां पार्टी के सभी पदाधिकारी, मंत्री और विधायक संविधान की मूल आत्मा प्रस्तावना को पढ़ेंगे और शपथ लेंगे कि इसे बचाने के लिए हम काम करेंगे। इसी तरह से देशभर में 24 राज्यों की राजधानियों में बाबा साहब की जयंती को संविधान बचाओ तानाशाही हटाओ दिवस के रूप में मनाएंगे और शपथ समारोह का कार्यक्रम करेंगे। उन्होंने कहा कि जबसे संविधान और लोकतंत्र पर इस तानाशाही हमले के खिलाफ रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन ने संयुक्त रूप से महारैली की थी। तबसे जगह-जगह प्रधानमंत्री मोदी बयान दे रहे हैं।

शुक्रवार को भी पीएम मोदी ने एक चुनावी सभा में कहा कि अगर डॉ भीमराव अंबेडकर भी आ जाएं, तो वो भी इस संविधान को खत्म नहीं कर सकते है। गोपाल राय ने पीएम पर तंज कसते हुए कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर ने तो संविधान बनाया है, वो क्यो इसे खत्म करने की बात सोचेंगे, वो संविधान क्यों बदलेंगे, इसे खत्म क्यों करेंगे? वो तो इस संविधान के निमार्ता हैं। इसे खत्म करने पर तो मोजी जी तुले हुए हैं। मोदी जी संविधान की मूल आत्मा को खत्म कर रहे हैं। संविधान की मूल आत्मा लोकतंत्र है। भारते के लोकतंत्र के प्रमुख पहलू सबसे पहले संसद है। मोदी सरकार ने संसद नई बनाई। संसद का मूल आधार सत्ता पक्ष और विपक्ष होता है। सत्ता पक्ष और विपक्ष को मिलाकर भारतीय लोकतंत्र की आत्मा पैदा होती है। लेकिन मोदी जी ने नए संसद में एक साथ 150 से ज्यादा सांसदों को निलंबित करके नया इतिहास भी बना दिया इसके बाद भी कहते हैं कि लोकतंत्र जिंदाबाद है? अगर सारा विपक्ष संसद से बाहर रहेगा, अगर आप उसे सस्पेंड कर देंगे और उसके बाद जो मर्जी वो कानून पास करेंगे। यह संविधान के मूल्यों और लोकतंत्र पर हमला नहीं तो और क्या है? गोपाल राय ने कहा कि आज देश में जिन भी राज्यों में बीजेपी की सरकार नहीं है, वहां आप या तो जनता के जनादेश को खरीद रहे हैं, उसकी बोली लगा रहे हैं या फिर एजेंसियों का डर दिखाकर विधायकों को तोड़ रहे हैं। महाराष्ट्र में जिस तरह से तोड़फोड़ करके सरकार को बदला गया, वो लोकतंत्र और संविधान पर हमला नहीं तो और क्या है? कर्नाटक, गोवा और मध्यप्रदेश में भी यही किया गया। अभी झारखंड में आपने मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लिया और वहां आपने तोड़फोड़ करने की कोशिश की। दिल्ली और पंजाब में भी आप लगातार यही करने की कोशिश कर रहे हैं। अगर आप इस देश को विपक्ष विहीन बनाना चाहते हैं।

दिल्लीवासियों को उमस भरी गर्मी से राहत, आईजीआई एयरपोर्ट से 17 फ्लाइट डायवर्ट

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, राजधानी दिल्ली में शनिवार को हुई हल्की बारिश से मौसम का मिजाज बदल गया है। मौसम के सुहावने होने से लोगों को कई दिनों की गर्मी और उमस से राहत मिली है। वीकेंड पर अचानक मौसम में बदलाव से राजधानी के अधिकतर इलाकों में धूल भरी आंधी चलने लगी। इस आंधी के बाद हुई बरसात का असर फ्लाइट्स पर भी देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार आईजीआई एयरपोर्ट से अब तक 20 फ्लाइट का रूट डायवर्ट किया गया। दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से लोग गर्मी से परेशान थे, तापमान 40 डिग्री के पास पहुंच चुका था। शनिवार दोपहर अचानक आसमान में बादल छाए और राजधानी के कई इलाकों में झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश के पानी में बच्चे नहाते हुए नजर आए। लोगों का कहना है कि दिल्ली में गर्मी कुछ दिनों से लगातार बढ़ रही थी। गर्मी की वजह से बच्चे-बुजुर्ग सभी लोग परेशान थे। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक रविवार और सोमवार दोनों दिन बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने मौसम में आए इस बदलाव को लेकर दिल्ली के कई इलाकों में येलो अलर्ट जारी किया था। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 से 48 घंटे इसी तरह का मौसम राजधानी में रह सकता है। ऐसे में अभी और फ्लाइट्स के डायवर्ट होने की संभावना है। बहरहाल, अचानक हुई बारिश से लोगों को गर्मी से निजात मिली है। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस दौरान अधिकतम 33 और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। बता दें, दिल्ली में दो दिनों की बरसात के बाद लोगों को और भी तेज गर्मी का सामना करना पड़ेगा। आने वाले समय में दिल्ली का पारा 40 डिग्री के पार पहुंचेगा, क्योंकि अभी अप्रैल की शुरूआत हुई है। मई और जून में भीषण गर्मी पड़ती है। गौरतलब है कि बीते साल अप्रैल में लोगों ओला वृष्टि का भी सामना करना पड़ा था। जिससे किसानों का काफी नुकसान हुआ था।

सीलमपुर हत्या मामले में एक नाबालिग को किया गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, राजधानी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में गोली मारे जाने से घायल शाहनवाज की एलएनजेपी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने हत्या की धारा में केस दर्ज कर मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। डीसीपी डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि हत्या में शामिल आरोपियों की पहचान कर ली गई है। शाहनवाज को गोली मारने में पुलिस ने एक नाबालिग को हिरासत में लिया है। पुलिस उसके साथियों की तलाश कर रही है। डीसीपी ने कहा कि हत्या में फैजान, रेहान और शोएब नाम का युवक शामिल है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस बीच हत्या का एक और सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें पैदल जा रहे शाहनवाज को पीछे से गोली मारने का सीसीटीवी फूटेज सामने आया है। बता दें, सीलमपुर इलाके में रहने वाले शाहनवाज को शुक्रवार को बदमाशों ने गोली मार दी थी। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि उन लोगों ने क्षेत्र के एक पार्क में ईद को लेकर झूला लगाया था।

दक्षिण भारत-विशाखापत्तनम में भव्य सम्मेलन और बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

विश्व हिंदी परिषद द्वारा आज दक्षिण भारत के प्रमुख शहर विशाखापत्तनम में एक भव्य सम्मेलन और बैठक का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में हिंदी भाषा के प्रति दक्षिण भारत-विशाखापत्तनम के लोगों ने आदर और सम्मान प्रदर्शित किया। समारोह का शुभारंभ आंध्र विश्वविद्यालय में एक प्रेस कांफ्रेंस के साथ हुआ। इस प्रेस कांफ्रेंस में, विश्व हिंदी परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद पद्म भूषण आचार्य वाई लक्ष्मी प्रसाद जी ने हिंदी भाषा के महत्व और इसके विकास में योगदान देने वाले लोगों के बारे में बात की। उन्होंने यह भी बताया कि विश्व हिंदी परिषद द्वारा हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। प्रेस कांफ्रेंस के बाद, एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए विभिन्न रणनीतियों पर चर्चा की गई। बैठक में शिक्षाविदों, लेखकों, सामाजिक कार्यकताओं और छात्रों ने भाग लिया। इस सफल और सार्थक कार्यक्रम के लिए, विश्व हिंदी परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद पद्म भूषण आचार्य वाई लक्ष्मी प्रसाद जी को हार्दिक धन्यवाद और आभार प्रकट करते हुए महासचिव डॉक्टर विपिन कुमार ने कहा कि परिषद के अध्यक्ष पद्म भूषण आचार्य लक्ष्मी प्रसाद जी के नेतृत्व में विश्व हिंदी परिषद न केवल दक्षिण भारत में अपितु देश विदेश में हिंदी में भारतीय संस्कृति के प्रचार प्रसार में अपना महत्वपूर्ण योगदान देगी।विश्व हिंदी परिषद का मुख्य उद्देश्य है क्षेत्रीय भाषाओं को आगे बढ़ते हुए राष्ट्र स्तर पर राष्ट्र भाषा के रूप में हिंदी को स्थापित करना। विश्व हिंदी परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद पद्म भूषण आचार्य वाई लक्ष्मी प्रसाद जी ने कहा कि भारत की संस्कृति बहुत महान है, आज पूरा विश्व भारत के संस्कृति को जानना चाहता है, संस्कृति को जानने के लिए हिंदी भाषा को सीखना चाहता है। ऐसे समय में हम सभी भारतीयों का दायित्व है कि हिंदी भाषा का ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार करें , ताकि हिंदी भाषा विश्व भाषा के रूप में जल्द से जल्द स्थापित हो सके और भारत विश्व गुरु के रूप में पूरी दुनिया का मार्गदर्शन कर सके। दक्षिण भारत-विशाखापत्तनम में हिंदी भाषा के प्रति लोगों का उत्साह देखकर यह स्पष्ट हो गया कि यह भविष्य में जल्द ही राष्ट्रभाषा के साथ ही विश्व भाषा का स्थान लेगी।

जीबी पंत अस्पताल में मनाई गई बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, जीबी पंत अस्पताल के एससी एसटी ओबीसी एवम माइनोरिटी वेल्फेयर एसोसिएशन के कार्यालय में भारतीय संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 134 वीं जयंती का सम्मान समारोह कार्यक्रम किया गया। समारोह का आयोजन अस्पताल प्रशासन एवं एससी एसटी ओबीसी एवम माइनोरिटी वेल्फेयर एसोसिएशन द्वारा मिलकर किया गया। बाबा साहेब की जयंती समारोह पर बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण श्री डीएन सिंह पूर्व प्रशासनिक अधिकारी दिल्ली सरकार एवम दीप्ति जी समाज सेविका, नर्सिंग सुपरिटेंडेंट विमला वर्मा, डॉक्टर गुलाब रब्बानी महासचिव दिल्ली स्टेट कॉन्ट्रैक्ट एम्प्लॉय एसोसिएशन, एवम सदस्य दिल्ली एडवाइजरी कॉन्ट्रैक्ट लेबर बोर्ड दिल्ली सरकार के कर कमलो द्वारा हुआ जिसमें लोकनायक कर्मचारी यूनियन के प्रधान संजय कुमार व महासचिव सुधीर कुमार, लोकनायक एससी एसटी यूनियन के प्रधान भगत व महासचिव संजीव कुमार मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज के प्रधान राकेश व महासचिव राघवेंद्र निक्की, गुरु नानक से प्रधान नफे सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में आए सभी अतिथिगणों का प्रधान संदीप, महासचिव जितेंद्र सक्सेना, अतिरिक्त महासचिव विजेंद्र चंदेलिया, नरेश मरोठिया पूर्व प्रधान, नितिन चौधरी पूर्व महासचिव द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर धन्यवाद किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी मेहमानों जिनमे अलग-अलग कर्मचारी संगठनों से आए पदाधिकारी, अस्पताल प्रशासन पदाधिकारी एससी एसटी ओबीसी एण्ड माइनोरिटी वेल्फेयर एसोसिएशन के संस्थापक श्री भगवान सक्सेना एवं पूर्व पदाधिकारियों जिनमे कर्मचारी यूनियन के चेयरमैन किशोर राणा, महासचिव रविंदर, पूर्व प्रधान सुरेंद्र चंदेलिया, पूर्व प्रधान भगत सिंह का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाए में सभी कर्मचारियों ने मुख्य भूमिका निभाई जिनमे संजय वाल्मीकि, राजेंद्र, संजय दुग्गल का विशेष योगदान रहा।

तथाकथित शराब घोटाले में नहीं मिला सबूत तो फर्जी खबरें प्लांट कर रहीं भाजपा की एजेंसियां

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी ने मीडिया में फर्जी खबरें छपवाने को लेकर भाजपा और उसकी जांच एजेंसियों को आड़े हाथ लिया। ह्यह्यआपह्लह्ल की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि दो साल की जांच के बाद भी तथाकथित शराब घोटाले में ईडी-सीबीआई को एक चवन्नी का सबूत नहीं मिला है। इसलिए अब ये एजेंसियां फर्जी खबरें प्लांट कर रहीं हैं। उन्होंने मीडिया में प्रकाशित एक खबर को फर्जी बताते हुए कहा कि सीबीआई ने कुछ अखबरों में फर्जी खबर छपवाई है कि के. कविता ने आम आदमी पार्टी को 25 करोड़ रुपए देने के लिए सरथ रेड्डी को मजबूर किया था। सबको पता है कि सरथ रेड्डी ने कुल 12 बयान दिए थे और किसी में भी उसने के. कविता का कभी नाम नहीं लिया है। यह साफ दिख रहा है कि भाजपा की जांच एजेंसियां फर्जी न्यूज प्लांट करके केवल केजरीवाल के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश कर रही हैं। आम आदमी पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि पिछले दो साल से बीजेपी की सारी एजेंसियां एक तथाकथित शराब घोटाले की जांच कर रही हैं। दो साल की जांच के बाद भी कहीं से भी एक चवन्नी की रिकवरी नहीं हुई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का किसी एफआईआर और चार्जशीट में नाम तक नहीं है। किसी कोर्ट ने उनको दोषी करार नहीं दिया है। फिर भी दो बयानो के आधार पर उनको हिरासत में रखा हुआ है। प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि दो बयानों में से एक बयान मंगुटा रेड्डी का है, जो आंध्र प्रदेश से एनडीए का लोकसभा प्रत्याशी है। जबकि, दूसरा बयान सरथ रेड्डी का है, जिसने अपनी गिरफ्तारी के बाद इलेक्टोरल बॉन्ड के माध्यम से भाजपा को करीब 60 करोड़ रुपये दिए। सरथ रेड्डी सरकारी गवाह बन गया है और उसकी जमानत हो गई। 60 करोड़ रुपये लेने के बाद बीजेपी की ईडी सरथ चंद्र रेड्डी की जमानत के समय विरोध करने के बजाय चुप रहती है। उन्होंने कहा कि शनिवार को एक और चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। कुछ अखबारों में खबर छपी है कि सरथ रेड्डी ने कोर्ट के सामने के. कविता के मामले में एक बयान दिया है। सरथ ने अपने बयान में कहा है कि के. कविता ने उनको धमकी दी और आम आदमी पार्टी को 25 करोड़ रुपये देने को कहा था।

बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर को आज उनकी 133 जयंती की पूर्व संध्या पर श्रद्धासुमन अर्पित किए

प्रात : किरण संवाददाता

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया आठवले के 2019 में पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से सांसद प्रत्याशी रहे शिक्षाविद् दयानंद वत्स भारतीय ने आज बरवाला में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर की 133वीं जयंती की पूर्व संध्या पर कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। वत्स ने कहा कि बाबा साहब का संविधान विश्व का सर्वश्रेष्ठ संविधान हैं। कुछ निहित स्वार्थों लोगों, वर्ग विशेष तथा कई राजनीतिक दलों द्वारा उनके चित्र का दुरुपयोग हो रहा है। वे हर समय अपने फायदे के लिए एक ही राग अलापते रहते हैं कि संविधान खतरे में है, लोकतंत्र खतरे में है। जबकि 140करोड देशवासियों को पता है कि बाबा साहेब का संविधान और भारत का लोकतंत्र दोनों ही पूरी तरह सुरक्षित हैं। वत्स ने कहा कि बाबा साहेब समतामूलक समाज चाहते थे। लेकिन कुछ परिवारवादी, अराजक, राजनीतिक पार्टियों अपने वोट बटोरने के चक्कर में समाज को उसकी मुख्य धारा से बांटने के कुत्सित प्रयास कर रही हैं। लेकिन बाबा साहेब के चाहने वाले उनके मंसूबे पूरे नहीं होने देंगे। बाबा साहब अत्यंत बुद्धिमान और दूरदर्शी थे। उनका सपना था जाति विहीन समाज की स्थापना जिसमें सभी लोग समानता के साथ आदर और सम्मान से अपना जीवन यापन कर सकें। उनका कहना था कि शोषित,दलित, वंचित और कमजोर वर्ग के लोग शिक्षित बनें, संगठित रहें और संघर्ष करें। तभी देश में समता मूलक समाज का निर्माण होगा। लेकिन यह देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि कुछ समाज विरोधी तत्वों को बाबा साहब की बात समझ नहीं आ रही है और वह अपने स्वार्थों के कारण देश की आजादी के 77 सालों बाद भी देश में जाति, धर्म और भाषा के नाम पर विद्वेष फैला रहे हैं। वत्स ने कहा कि भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर और उनका लिखा संविधान भारत के 140करोड भारतवासियों की आन, बान और शान हैं।

भाजपा पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में सुभासपाईयों ने किया प्रतिभाग

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। भारतीय जनता पार्टी का पिछड़ा वर्ग सम्मेलन शनिवार को घनश्याम दास टंडन सरस्वती इंटर कॉलेज कैलसा बॉर्डर में संपन्न हुआ।जिसके मुख्य अतिथि जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष ऋषिपाल नागर ने की।कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के सैकड़ो कार्यकताओं ने अपना झंडा, टोपी पहनकर सहभागिता की। अबकी बार 400 पार के नारे को साकार करने के लिए पूरी मेहनत से चौधरी कंवर सिंह तंवर को लोकसभा चुनाव जीतकर अमरोहा से भेजने का संकल्प लिया।इस दौरान जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर, आदेश अमरोही, मोहम्मद यूनुस प्रधान, डॉ0 जगत सिंह गुर्जर, पंडित राम अवतार शर्मा, बाबूराम पाल, सुहैल साबरी, मोहम्मद नाजिम, रामगोपाल जाटव, विवेक तोमर, अरुण सैनी, कामिल खान, युसूफ सैफी, मोहम्मद असलम, आकाश कश्यप, सुनील कश्यप, विपुल शर्मा, समीर सिद्दीकी, इस्लामुद्दीन, रघुवीर सिंह, फाजिल कामुदीन, कयूम, सद्दिक, महिपाल सिंह गुर्जर, मोहम्मद अली, नीरज कुमार, भोला सिंह, कल्लू आसिफ इब्राहीम, शकील अहमद, फैज अहमद, हसन अली आदि मौजूद रहे।

सी विजिल ऐप पर अब तक 78 शिकायतें, 100 मिनट में किया जा रहा समाधान

प्रात : किरण संवाददाता

नोएडा। लोकसभा चुनाव को लेकर एनसीआर की हाई प्रोफाइल सीट गौतमबुद्ध नगर में लोगों की समस्याओं के निस्तारण के लिए चुनाव आयोग के सी विजिल ऐप के जरिए समस्याओं को 100 मिनट में सुलझाने की प्रक्रिया जारी है। 16 मार्च से अब तक इस ऐप पर 78 शिकायतें मिल चुकी हैं, जिनका निस्तारण भी किया जा चुका है। इससे साथ ही सोशल मीडिया और प्रचार के अन्य साधनों पर भी नजर रखी जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष वर्मा ने कंट्रोल रूम, एमसीएमसी/ सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल में चल रहे कार्यों का शुक्रवार को जायजा भी लिया। मनीष वर्मा ने बताया कि कोई भी इस व्यक्ति इस ऐप पर शिकायत कर सकता है। इस ऐप को मोबाइल से प्ले स्टोर या ऐप स्टोर से डाउनलोड कर आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत, फोटो या लाइव वीडियो अपलोड कर शिकायत की जा सकती है। ऐप में अपने मोबाइल नंबर से लॉगिन कर लोगों की शिकायत की निगरानी भी कर सकते हैं। शिकायत दर्ज होने पर रिटर्निंग ऑफिसर की ओर से नजदीक के उड़नदस्ता टीम को शिकायत स्थल पर भेजा जाता है। उन्होंने बताया कि आमतौर पर इस ऐप पर धनराशि वितरण, गिफ्ट कूपन बांटने, शराब बांटने, बिना अनुमति के पोस्टर बैनर लगाने, बिना अनुमति बैठक व धार्मिक या उन्मादी भाषण देने संबंधित शिकायत की जा सकती हैं। मनीष कुमार वर्मा ने निर्वाचन कार्य के लिए बनाए गए कंट्रोल रूम, एमसीएमसी एवं सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल में शुक्रवार को पहुंचकर किए जा रहे कार्यों का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचन कार्य हेतु बनाए गए कंट्रोल रूम का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा कंट्रोल रूम में शिकायतों के निस्तारण प्रक्रिया की पूरी जानकारी प्राप्त की। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिया कि सी विजिल ऐप पर आने वाली शिकायतों का 100 मिनट की समयावधि के भीतर निस्तारण सुनिश्चित की जाए।

बिजली हाफ पानी माफ लोकसभा चुनाव में भी बना मुद्दा

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, अरविन्द केजरीवाल का ब्रह्मास्त्र बिजली हाफ पानी माफ का नारा लोकसभा चुनावों में भी जनता का मुद्दा बनता दिख रहा है और यह मुद्दा जनता के बीच चर्चा का विषय भी बना हुआ है। खासतौर से अरविन्द केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद यह मुद्दा बड़ी तेजी के साथ लोगो की जिरह का विषय अपने आप ही बनता दिख रहा है। और दिखे भी क्यों ना, आखिर इसी नारे नें तो एक दो बार नहीं बल्कि तीन बार दिल्ली की सियासत में भूचाल जो ला दिया था। और यही नारा अरविन्द केजरीवाल के पास पंजाब की सरकार भी खींच लाया था। बस फर्क इतना है उस वक्त गलियों में यह नारा अरविन्द केजरीवाल और उनकी टीम लगाती था आज यह नारा जनता खुद लगा रही है। समझ गए ना आप जनता क्यों लगा रही है यह नारा, दरअसल अरविन्द केजरीवाल के जेल में जाने के बाद लोगो को यह भय सता रहा रहा है केजरीवाल तो जेल चले गए भाजपा केजरीवाल सरकार को भंग कर राष्ट्रपति शासन लगा देगी तो उनके बिजली और पानी के बिल फिर से आने लगेगें। बिजली हाफ और पानी माफ कोई छोटी योजना नहीं है इस योजना से आधी से ज्यादा दिल्ली के बिजली और पानी के बिल नहीं आते और यदि आते भी हैं तो नाममात्र को लिहाजा जेल केजरीवाल को छोड़े या नहीं छोड़े लेकिन दिल्ली की जनता केजरीवाल को नहीं छोड़ने वाली। आखिर आधी से ज्यादा आबादी को हर महीने हजारों रुपए का फायदा इस महंगाई के दौर में जो हो रहा है। अशोक नगर निवासी अशोक चोपड़ा कहते हैं हम गली गली घूमकर लोगो को बता रहे हैं बिजली हाफ और पानी माफ करने वाले केजरीवाल को जेल में बंद किया हुआ है। लोग छूटते ही पूछते है हमारे बिजली और पानी के बिलों का अब क्या होगा। और देखते ही देखते यह चर्चा पूरी गली में बहस का विषय बन जाती है। कुछ इसी तरह बुजुर्ग महिला अंगूरी देवी कहती हैं मुझे तो ढाई हजार ही पेंशन मिलती है बिल कैसे भर पावुंगी फिर हम कहते हैं लोकसभा चुनाव में केजरीवाल की पार्टी को वोट करना सब ठीक हो जाएगा। समझ गए ना आप किस तरह से केजरीवाल की सेना कर रही है जनता के बीच प्रचार और बना रही है सहानुभूति का माहौल तथा अपने नारे को जनता के बीच बुलंद कर रही है। अशोक चोपड़ा कहते हैं अरविन्द केजरीवाल नें जो वादा चुनाव में किया था उसे पूरा करके दिखाया लिहाजा लोगो को उनपर भरोसा है। भले ही केजरीवाल जेल में है लेकिन उनके विचार और उनके जनता से किये पूरे वादे जनता के सामने हैं और हमारे कार्यकर्ता हारने वाले नहीं हैं। आप कार्यकर्ता लोगो के बीच अच्छे स्कूल, मुफ्त बस यात्रा, मुफ्त तीर्थ यात्रा, मौहल्ला क्लीनिकों की बात भी लोगो को याद दिला रहे है। कुल मिलाकर भाजपा के लिए अरविन्द सेना से निपटना कोई आसान काम नहीं है और खासतौर से जब कांग्रेस की टीम भी उनके साथ है।

बुराड़ी में विश्वासघात कर लोगों को लगाया करोड़ों का चुना, जांच में जुटी पुलिस

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, राजधानी दिल्ली के बुराड़ी इलाके में करोड़ों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, इलाके में सालों से रह रहे सुभाष भाटिया नाम के एक व्यक्ति और उसकी पत्नी ने सैकड़ों लोगों को अपनी ठगी का शिकार बनाया और करोड़ों रुपए लेकर रातों-रात घर बेचकर परिवार सहित फरार हो गया। जिन लोगों से सुभाष भाटिया ने पैसे लिए थे, जब वह पैसे लेने उनके घर पहुंचे तो पूरे मामले का खुलासा हुआ। हर कोई सुभाष भाटिया और उसके परिवार को ढूंढने में लगा है। वजीराबाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। सुभाष भाटिया जो कि अपने पूरे परिवार के साथ पिछले कई सालों से बुराड़ी के हरदेव नगर कॉलोनी में रह रहा था। शुरूआत में आरोपी ने कमेटी डालनी शुरू की और ब्याज पर पैसे भी लिए। कई सालों तक लोगों के पैसे वापस किए और उन्हें ब्याज भी दिया। कमेटी देकर लोगों का विश्वास जीता और अब पिछले कुछ सालों से आसपास के कई लोग और अन्य जानकार भी सुभाष भाटिया और उसके परिवार को ब्याज पर पैसे देते थे। यह उम्मीद लगाकर की यह पैसे उन्हें अच्छे ब्याज पर वापस मिलेंगे। हरदेव नगर कॉलोनी में कई लोग तो ऐसे भी हैं, जिन्होंने अपने जीवन भर की गाढ़ी कमाई इस परिवार को दे रखा था। किसी ने बेटी की शादी तो किसी ने घर बनवाने के लिए और कुछ लोगों ने बच्चों की पढ़ाई के लिए पैसे जमा किए थे।

दो जिलों से दो शराब तस्कर गिरफ्तार, 1050 शराब की बोतल बरामद

नई दिल्ली, अपराधी गतिविधियों से जुड़ा शराब तस्करी का मामला दो जिले के दो अलग-अलग थाने सामने आया है। इसमें दो शराब तस्करों को बड़ी मात्रा में अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। एकतरफ वेस्ट जिले के राजौरी गार्डन इलाके में एक शराब तस्कर गिरफ्तार किया गया, जिससे 1000 से अधिक बोतल अवैध शराब की बरामद की गई। वहीं, आउटर जिले के निहाल विहार पुलिस ने भी एक शराब तस्कर को गिरफ्तार कर 1050 शराब की बोतल बरामद की है। डीसीपी विचित्र वीर से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए शराब तस्कर का नाम अमन है जो महज 23 साल का है और यह कार के माध्यम से अवैध शराब की तस्करी किया करता था।

राष्ट्रीय दैनिक प्रात:किरण
नई दिल्ली, रविवार, 14 अप्रैल, 2024

संक्षिप्त खबरें

सड़क दुर्घटना में पति और पत्नी दोनों हुए घायल, रेफर

चौसा (मधेपुरा)। भटगामा-उदाकिशुनगंज मुख्य मार्ग एसएच-58 पर शुक्रवार की देर रात्रि में अज्ञात वाहन से धक्का लगाने से पति पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रैफर कर दिया। घटना के संदर्भ में बताया गया की चौसा थाना क्षेत्र के लौआलगान पश्चिमी निवासी संजय मंडल (45वर्ष) एवं उनकी पत्नी भुलिया देवी (40 वर्ष) अरजपुर पश्चिमी पंचायत के मधुरापुर गांव स्थित अपने बेटी के घर से वापस अपने घर लौआलगान वापस आ रहे थे इसी दौरान पंचायत सरकार भवन लौआलगान पूर्वी के समीप अज्ञात वाहन ने धक्का मार दिया जिस कारण दोनों पति पत्नी वही पर घायल होकर गिर पड़े। वही चौसा पुलिस ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चौसा में भर्ती कराया जहां से स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भागलपुर रेफर कर दिया।

मुरलीगंज में आयोजित होने वाले अखिल राष्ट्रीय संतमत सत्संग का तिथि बढ़ी

मुरलीगंज (मधेपुरा)। कोल्हायपट्टी डुमरिया पंचायत के डुमरिया गांव स्थित संतमत आश्रम परिसर में 20-21 अप्रैल को होने वाली अखिल राष्ट्रीय संतमत सत्संग का प्रखंड स्तरीय दो दिवसीय अधिवेशन अगले 4 व 5 जून को आयोजित होगी। उक्त जानकारी देते हुए स्वामी दयानंद बाबा ने बताया की कोल्हायपट्टी डुमरिया में दो दिवसीय अखिल राष्ट्रीय संतमत सत्संग प्रखंड मुरलीगंज का बारहवां वार्षिक अधिवेशन 20 व 21 अप्रैल से होना था। लेकिन आदर्श आचार संहिता के कारण अनुमंडल से आयोजन के लिए आदेश नहीं मिल पाया है। जिस कारण आयोजन की तिथि अगले 4 व 5 जून को निर्धारित किया गया है। जिसमें आचार्य महर्षि योगानंद परमहंस जी महाराज समेत अन्य वरिष्ठ संतो का आगमन होगा।

दहेज की मांग पूरी नहीं करने पर बहु को मार कर लाश को किया गायब

राजापाकर। बराटी थाना के अंधरवारा गांव में दहेज लोभियों ने एक बहू की हत्या कर लाश को गायब कर दिया है। इस संबंध में शुक्रवार की देर शाम बराटी थाना में मृतका के पिता ने आवेदन देकर प्राथमिक की दर्ज कराई है।। इस संबंध में लड़की के पिता ने थाने में आवेदन देकर छह लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया है। मृतक अंशु कुमारी के पिता पुलिस राय ग्राम खजूरहटा, थाना दरियापुर, जिला सारण ने आवेदन में कहा है कि बीते वर्ष 2021 मे हिंदू रीति रिवाज के अनुसार अपनी पुत्री अंशु कुमारी की शादी अंधरवारा ग्राम निवासी बालेश्वर राय के पुत्र जयशंकर राय से किया था। शादी के बाद एक दो वर्ष का लड़का भी है। लेकिन शादी के कुछ दिन बाद से ही मेरी पुत्री अंशु कुमारी से मोटरसाइकिल एवं सोने की सिकरी की मांग लड़का पक्ष के लोग करने लगे। मैंने समझाया कि गेहूं काटकर बेचकर गाड़ी एवं सीकरी खरीद कर दे दूंगा। इसी बीच 11 अप्रैल को सुबह अंशु की मौसी उमा देवी के द्वारा फोन पर सुबह 7 बजे बताया गया कि अंशु को मार कर उसके पति एवं घर वाले लाश को गायब कर दिया है। सूचना पाकर मृतक के पिता अंशु के ससुराल आए तो गांव वालों ने बताया की आपकी बेटी को मार कर रातों-रात लाश को लापता कर दिया गया है। दहेज के कारण मेरी पुत्री को जयशंकर राय उर्फ भोला राय, बालेश्वर राय, लारिया देवी, कुशेश्वर राय, सुनीता देवी, पूजा कुमारी सभी अंधरवारा निवासी थाना बाराटी ने हत्या कर साक्ष्य मिटाने के लिए लाश को लापता कर दिया है। आवेदन में जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है। वहीं इस घटना के बाद लड़का के परिजन सभी घर छोड़कर फरार है।

जलियांवाला बाग कांड का 105 वीं दिवस मनाया, शहीदों को दिया श्रद्धांजलि

खगड़िया। देश बचाओ अभियान फरकिया मिशन के तत्वाधान में 105 वीं जलियांवाला बाग दिवस पर रेलवे जंक्शन चौक अवस्थित शहीद चंद्रशेखर आजाद के प्रतिमा पर माल्यार्पण पुष्पांजलि समर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई तथा कोटि-कोटि नमन किया गया, तथा शहीदों तेरे अरमानों को मंजिल तक पहुंचाएंगे, शहीद क्रांतिकारी अमर रहे, नारों को बुलंद किया गया। देश बचाओ अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने कहा कि 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर के जलियांवाला बाग में अंग्रेज हुकूमत द्वारा रॉलेक्ट एक्ट कानून के विरोध में आयोजित सभा पर जनरल ओ डायर ने अंधाधुंध गोलियां चलवा कर हजारों लोगों को शहीद कर दिया, इसका बदला उधम सिंह भगत सिंह चंद्रशेखर आजाद ने मिलकर लंदन में जनरल ओ डायर को गोली मारकर लिया। श्री यादव ने कहा कि आज भी रॉलेक्ट एक्ट के तरह जनविरोधी तीन कृषि बिल, न्यू बिजली बिल, न्यू लेबर एक्ट, न्यू लैंड एक्ट, न्यू वाहन एक्ट, सीएएफ, एन आर सी जैसे काला कानून लाकर दिल्ली के बॉर्डर पर जलियांवाला बाग कांड के तरह ड्रोन से हमला कर 755 किसानों की हत्या की गई।

प्रभारी प्रधानाध्यापिका के बदले उसके पति करते हैं विद्यालय का संचालन

प्रात: किरण संवाददाता

पुरैनी (मधेपुरा)। प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित उच्च माध्यमिक प्लस टू विद्यालय दुगार्पुर का संचालन विभागीय मिलीभगत से प्रभारी प्रधानाध्यापिका के बजाय उसी विद्यालय से वर्षो पूर्व सेवानिवृत हुए उसके पति द्वारा बेरोकटोक करते की बात सामने आ रही है। लिहाजा विद्यालय में पदस्थापित शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित अभिभावकों के बीच काफी आक्रोश व्याप्त है। वहीं जानकारी अनुसार विभागीय पदाधिकारी सब कुछ जानकर भी चुप्पी साध रखी है। मालूम हो कि उक्त विद्यालय में पदस्थापित प्रभारी प्रधानाध्यापिका मंजू कुमारी विद्यालय संचालन मामले में सिर्फ नाम की बनकर रह गई है। वहीं ये बात भी सामने आ रही है कि विद्यालय के विभिन्न गतिविधियों सहित मध्याह्न भोजन से लेकर छात्र-छात्राओं की बढ़ा-चढ़ाकर फर्जी उपस्थिति दर्ज करने, शिक्षक-शिक्षिकाओं पर नियंत्रण करने आदि के अलावे समय-समय पर विभाग में फर्जी कागजी घोड़ा दौड़ाने की सारी जवाबदेही इसी विद्यालय से सेवानिवृत हुए उनके पति ने उठा रखी है। स्थानीय होने के कारण विद्यालय में पदस्थापित अन्य सभी शिक्षकों पर रौब डालना इनके आदतों में शुमार है। वहीं जानकारी अनुसार प्रधान शिक्षिका के स्थानीय होने एवं विद्यालय के हर कार्यो में उनके पति द्वारा दखलंदाजी देने के अलावे उनके सगे पंचायत जनप्रतिनिधि द्वारा खुलकर साथ दिए जाने का विद्यालय में पदस्थापित शिक्षक-शिक्षिकाएं इसका खुलकर विरोध नहीं कर पा रहे हैं। लेकिन मन ही मन सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं काफी आक्रोशित हैं। वहीं अभिभावक भी विभागीय पदाधिकारी की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं। विद्यालय में पदस्थापित कई शिक्षक शिक्षिकाओं ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि विद्यालय की विधि व्यवस्था का आलम यह है कि प्रभारी प्रधानाध्यापिका विद्यालय में उपस्थित रहे या ना रहे लेकिन विद्यालय संचालन के समय से पूर्व एवं समय के बाद तक उनके सेवानिवृत पति विद्यालय में रोजाना अड़े रहते हैं। साथ हीं विद्यालय के हर गतिविधि में शामिल होकर अपनी वर्चस्वता का दंभ भरते हैं। विद्यालय में वर्ग संचालन से लेकर हर गतिविधियों में प्रभारी प्रधानाध्यापिका के बजाय उनके पति का ही निर्देश सर्वोपरि माना जाता है। इस बाबत प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शशिकांत कुमार अलबेला से पूछे जाने पर वे इस मामले में उचित निर्णय लेने की बजाय प्रधान शिक्षिका के हमेशा बीमार रहने का हवाला देकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। साथ ही वे कहते हैं कि इस मामले में किसी भी शिक्षक-शिक्षिका या अभिभावकों के द्वारा लिखित आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन मिलने पर विभागीय स्तर से समुचित कार्रवाई की जाएगी। अब सवाल उठता है कि प्रधान शिक्षिका के बीमार रहने की स्थिति में क्या उसके सगे संबंधियों द्वारा रोजाना इस प्रकार विद्यालय के संचालन में दखलंदाजी देना कहां तक उचित है। क्या विभागीय स्तर से इस तरह के मामले में कोई वैकल्पिक व्यवस्था का प्रावधान नही है। खैर बात जो भी हो यह जांच का विषय है।

कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ डीएम ने की समीक्षा बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

हाजीपुर। आज मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से लोकसभा आम निर्वाचन 2024 की तैयारी से संबंधित समीक्षा बैठक के तुरत बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी श्री यशपाल मीणा और पुलिस अधीक्षक श्री हर किशोर राय ने चुनाव के लिए गठित सभी कोषांगों के नोडल पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए निर्देश दिया कि सारे कार्य समय सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने जिला निर्वाचन कार्यालय के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बेहतर समन्वय के साथ कार्य करें। चुनाव कार्य में लेटलतीफी बर्दाश्त नहीं किए जायेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रामनवमी के अवसर पर विशेष सतर्कता बरतें। डीजे पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। धार्मिक जुलूस में कोई राजनीतिक गतिविधि न हो, ये सुनिश्चित करें। बैठक में एडीएम, सभी एसडीएम, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, अवर निर्वाचन पदाधिकारी, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी सहित विभिन्न कोषांगों के नोडल पदाधिकारी एवं वरीय पदाधिकारी सम्मिलित हुए।

कस्तूरबा गांधी जयंती समारोह का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

हाजीपुर। कस्तूरबा दिवस पर गुर्मिया पंचायत लालगंज स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में धूमधाम से कस्तूरबा गांधी जयंती समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राओं ने मनभावन सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति कर मंत्र मुक्त कर दिया। इसके अलावे आठवीं पास 16 छात्राओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुखिया रामबाबू पासवान, समिति अध्यक्ष जयनंदन शाह, वार्ड सदस्य कपिल पटेल, वार्डन सीमा कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिक्षिका बबली कुमारी ने कस्तूरबा गांधी के व्यक्तित्व व कृतित्व की विस्तार से चर्चा की अतिथियों ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के टाइप 4 में वर्ग 9 में नामांकन के लिए छात्राओं को उत्प्रेरित किया।

इस दौरान छात्राओं के बीच रंगोली, नृत्य गीत प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में वार्डन सीमा कुमारी, शिक्षिका बबली कुमारी, लेखपाल सीमा गुप्ता, विनय कुमार, नागेंद्र शर्मा, अर्चना आई, सुमन देवी ने सक्रिय भूमिका निभाई। अंत में कस्तूरबा गांधी के विचारों को जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया गया।

डॉ. सी वी रमण विश्वविद्यालय के एनएसएस इकाई द्वारा 14 विद्यालयों में किया गया पुस्तक वितरण

प्रात: किरण संवाददाता

हाजीपुर। भगवानपुर स्थित डॉ० सी० वी० रमण विश्वविद्यालय के 37 छात्रों ने एनसीसी द्वारा आयोजित बी एवं सी सर्टिफिकेट परीक्षा में सफलता प्राप्त कियो बी सर्टिफिकेट परीक्षा में कुल आठ अल्फा एवं 11 ब्रावो ग्रेड से पास हुए वहीं सी सर्टिफिकेट परीक्षा में कुल चार छात्रों ने ब्रावो रैंक प्रदान किया। वहीं दूसरी ओर विश्वविद्यालय के एनएसएस इकाई द्वारा विद्यालय के छात्र-छात्राओं के सम्पूर्ण विकाश एवं विद्यार्थियों में पुस्तकों के प्रति रुचि विकसित हो उसके लिए कुल 14 विद्यालय एवं एक सार्वजनिक पुस्तकालय को पुस्तक भेंट स्वरूप प्रदान किए गऐ जिसमें सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, भगवानपुर, प्रतापटांड़, आर्यन चिल्ड्रन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, लालगंज, द बेटर वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, ज्ञान सरोवर पब्लिक स्कूल, सराय उच्च विद्यालय, शंभूपुर कोआरी उच्च विद्यालय इत्यादि शामिल हैं सभी विद्यालयों द्वारा अपनी प्रसन्नता जाहिर करते हुए विश्वविद्यालय को धन्यवाद ज्ञापन सौपा गयो विश्वविद्यालय द्वारा यह सुनिश्चित भी किया गया कि भविष्य में विद्यालयों को ऐसे ही हम मदद करते रहेंगे। इस अवसर पर डॉ० सी० वी० रमण विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ० ब्रिजेश सिंह द्वारा एनसीसी अधिकारी प्रोफेसर रिशु कुमार, शोएब अख्तर एवं एनएसएस अधिकारी प्रोफेसर सौरभ कुमार को बधाई दिया गयो उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य सिर्फ विश्वविद्यालय के अंतर्गत ज्ञान का प्रसार ही नहीं अपितु आसपास के क्षेत्र में भी ज्ञान का संचार करना और पूरे समाज का सर्वांगीण विकास करना है इसी क्रम में आसपास के विद्यालयों में लगभग पंद्रह हजार से भी अधिक साहित्य एवं विज्ञान के पुस्तकों को वितरित किया गया है।

क्राप कटिंग कराकर अधिकारियों ने ली गेहूं उत्पादन की जानकारी

प्रात: किरण संवाददाता

मधेपुरा। कृषि विभाग और सांख्यकी विभाग के अधिकारियों के समक्ष सिंहेश्वर प्रखंड क्षेत्र के रामपुर व मानपुर पंचायत के कन्हुआ गोढ़ियारी मौजा में गेहूं की फसल क्राप कटिंग की गई। वर्ष 2024 में गेहूं के उत्पादन को लेकर अधिकारी काफी संतुष्ट दिखे। इस बार प्रति हेक्टेयर करीब 40 क्विंटल गेहूं का उत्पादन किसान द्वारा किया गया। इस दौरान संयुक्त निदेशक ने कहा कि सरकार वर्तमान समय में किसान के लिए सबसे आधुनिक व्यवस्था के तहत खेती में बढ़ावा दे रही है। ताकि किसान अधिक से अधिक पैदावार कर सकें। साथ ही उन्हें बाजार में अच्छी रकम भी मिल सके। निरीक्षण के दौरान कोसी प्रक्षेत्र के उप निदेशक शशि प्रकाश, जिला संख्यिकी पदाधिकारी मु.आसिफ जावेद, जिला कृषि पदाधिकारी पूनम कुमारी, सिंहेश्वर प्रखंड संख्यिकी पदाधिकारी गोपाल कुमार, मनोज कुमार, विकास कुमार, रजनीश सिंह आदि मौजूद थे।

बच्चों के बीच समारोह आयोजित कर वितरण की गई पुस्तकें

प्रात: किरण संवाददाता

गिद्धौर। शनिवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय पथलघट्टा में प्रभारी प्रधानाध्यापक रासबिहारी ताँती की अध्यक्षता में एवं शिक्षिका प्रीति कुमारी की देखरेख में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए पुस्तक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान वर्ग प्रथम से वर्ग अष्टम तक के छात्र-छात्राओं के बीच पुस्तक वितरण किया गया। विद्यालय में नामांकित कुल 144 बच्चों के बीच पुस्तक वितरण किया गया। पुस्तक वितरण समारोह के दौरान पुस्तक मिलने के बाद छात्र-छात्राओं में काफी खुशी देखी गई। इस दौरान बताया गया कि पहली बार छात्र-छात्राओं के बीच अप्रैल माह में पुस्तक वितरण किया गया है। इसकी पूर्व महीनों विलंब से पुस्तक आती थी और वितरण की जाती थी। पुस्तक वितरण के दौरान कुल आठ विषयों की पुस्तक इन बच्चों के बीच वितरित की गई। इस मौके पर शिक्षिका प्रीति कुमारी, राजेश कुमार, शेखर कुमार, दिलीप रविदास सहित सैकड़ो छात्र-छात्राओं मौजूद थे।

बच्चों के माध्यम से अभिभावकों में जागृति फैलाने का हो रहा प्रयास

प्रात: किरण संवाददाता

गिद्धौर। अगामी 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव स्वीप गतिविधि के तहत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के क्रम में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में शनिवार को रंगोली व चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रखंड के सत्य साई पब्लिक स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता का बीडीओ अजय कुमार ने स्वयं जायजा लिया। वही, प्रतियोगिता मे अव्वल आने वाले छात्र संध्या कुमारी, सोनम कुमारी, कोमल कुमारी, अपर्णा राज, मनीष कुमार, शौर्य सुमेध को उनके द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बच्चों के माध्यम से उनके अभिभावकों में मतदान को लेकर जनजागृति फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने मतदान को लोकतंत्र का महापर्व बताते हुए सभी बच्चों से अपने अभिभावकों से 19 अप्रैल को होने वाले मतदान में आवश्यक रूप से शामिल होने हेतु अपील की। कहा कि सभी की सहभागिता से लोकतंत्र को मजबूती मिलती है। उन्होंने 18 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले सभी लोगों से अपना मतदान करने की अपील की। इस दौरान विद्यालय कोडिनेटर पूनम सरकार ने अभिभावकों से मतदान केन्द्र जा कर मतदान करने की अपील की। इस मौके पर सत्य साई पब्लिक स्कूल के निर्देशक संतोष केशरी, राजेश साह, शिक्षिका नीलम केशरी, पंकज मालवीय, प्रीति सिंह, राजेन्द्र यादव, बबीता कुमारी, निशा कुमारी, नीतू कुमारी, रूबी कुमारी मौजूद थी।

शिक्षा विभाग की भवन पर है एनजीओ का कब्ज

महनार। शिक्षा विभाग की भवन पर एक एनजीओ का कार्यालय चल रहा है और शिक्षा विभाग इससे बे खबर बना है। जानकारी के अनुसार महनार के बालक मध्य विद्यालय परिसर में जनक स्मारक भवन अवस्थित है तथा इस भवन में दस वर्ष पूर्व तक प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं शिक्षा प्रसार पदाधिकारी का कार्यालय था। बाद में शिक्षा प्रसार पदाधिकारी का पद सरकार ने विलोपित कर दिया एवं प्रखंड संसाधन केंद्र का भवन निर्माण होने के बाद प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी का कार्यालय उसमें शिफ्ट कर गया। इस प्रकार यह जनक स्मारक भवन लावारिश बन गया। दो वर्ष पूर्व महनार नगर में सफाई करने वाले एनजीओ ने रहस्मय ढंग से इसके भवन पर कब्जा कर लिया है। इसमे सफाई कर्मियों की हाजरी होती है तथा इसमे अपने उपस्कर रख कर इसको एनजीओ ने अपना कार्यालय बना लिया है। एनजीओ को बाजार में कहीं किराया का भवन ले कर अपना कार्यालय खोलना था किंतु शिक्षा विभाग के लावारिश पड़े इस भवन पर ही अनाधिकृत रूप से कब्जा कर अपना कार्यालय खोल लिया गया है।

उप मुखिया चुनाव में महेश यादव निर्विरोध निर्वाचित

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई। जिले के लक्ष्मीपुर प्रखंड अंतर्गत नजारी पंचायत में निर्धारित समय शनिवार 13 अप्रैल को नजारी पंचायत भवन में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में उप मुखिया चुनाव सम्पन्न हुआ। इस उप चुनाव में दुष्यंत कुमार भू - अर्जन पदाधिकारी जमुई प्रवेक्षक, प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निवार्ची पदाधिकारी डॉ० प्रभात रंजन एवम नजारि पंचायत के पंचायत सचिव नारायण कुमार ससमय पंचायत भवन पहुंच गए। वहीं 14 सदस्य वाली वार्ड सदस्यों में 11 सदस्य ही निर्धारित समय पर पंचायत भवन पहुंच कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

तय समय सीमा के अन्दर 13 नम्बर के वार्ड सदस्य महेश यादव ने उप मुखिया चुनाव में उपस्थित पदाधिकारी के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया। महेश यादव के नामांकन पत्र में मदन मरांडी प्रस्तावक एवं समर्थक के रूप में महेश दास ने समर्थन किया। वहीं उपस्थित 11 वार्ड सदस्यों में एक ही नामांकन पत्र दाखिल होने से मजिस्ट्रेट दुष्यन्त कुमार, निवार्ची पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ० प्रभात रंजन ने महेश यादव को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया। तत्पश्चात निर्विरोध निर्वाचित महेश यादव को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस निर्वाचन प्रक्रिया में नजारी पंचायत के वार्ड नंबर 05 के पूर्व उप मुखिया सदस्य एवम वार्ड नंबर 04 और वार्ड नंबर 07 के सदस्य अनुपस्थित रहे।

विवाह के लिए कन्याओं को मां कात्यायनी की उपासना करना चाहिए

पटना। चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि के रूप में नवरात्रि वर्ष में दो बार मनाई जाती है। भक्त अपनी इच्छानुसार मां दुर्गा का 9 दिन का व्रत रखते हैं। नवरात्रि पर मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की अलग-अलग दिन पूजा होती हैं। मां दुर्गा शक्ति स्वरूपा है और इस व्रत को करने वाले को भी शक्ति की प्राप्ति होती है। नवरात्रि का पांच पूजा में मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कुष्मांडा और मां स्कंदमाता की आराधना हो चुकी है। अब छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा - आराधना होगी।

मां कात्यायनी की उत्पत्ति या प्राकट्य के बारे में वामन और स्कंद पुराण में अलग-अलग बातें बताई गई है। मां कात्यायनी देवी दुर्गा का ही छठा रूप है। स्कंद पुराण में कहा गया है कि मां कात्यायनी की उत्पत्ति परमेश्वर के नैसर्गिक क्रोध से हुई थी। वहीं वामन पुराण के अनुसार सभी देवताओं ने अपनी ऊर्जा को बाहर निकालकर कात्यायन ऋषि के आश्रम में इकट्ठा किया और कात्यायन ऋषि ने उस शक्तिपुंज को एक देवी का रूप दिया जो देवी पार्वती द्वारा दिए गए सिंह (शेर) पर विराजमान थी। चूकि कात्यायन ऋषि ने देवी का रूप दिया था इसलिए देवी मां कात्यायनी कहलाई और मां कात्यायनी ने ही महिषासुर का वध की। कालिका पुराण जैसे ग्रंथों में अन्यत्र, यह उल्लेख किया गया है कि ऋषि कात्यायन ने सबसे पहले उनकी पूजा की थी, इसलिए उन्हें कात्यायनी के नाम से जाना जाने लगा। किसी भी स्थिति में, वह दुर्गा का एक प्रदर्शन या स्वरूप है और उसकी पूजा नवरात्रि के छठे दिन की जाती है।

संस्कृत में देवी महात्म्य, शक्तिवाद का केंद्रीय पाठ, दिनांक 11 ई.पू. वामन पुराण में उनकी रचना की, कथा का विस्तार से उल्लेख किया गया है: "जब देवताओं ने अपने संकट में विष्णु की खोज की, तो उन्होंने और उनके आदेश पर शिव, ब्रह्मा और अन्य देवताओं ने अपनी आंखों और चेहरे से ऐसी ज्वालाएं निकाली कि चमक का एक पहाड़ बन गया। जिससे मां कात्यायिनी प्रकट

हुई, हजारों सूर्यों के समान देदीप्यमान, तीन आंखें, काले बाल और अठारह भुजाएं। शिव ने उन्हें अपना त्रिशूल, विष्णु ने सुदर्शन चक्र या चक्र, वरुण ने एक शंख, अग्नि ने एक तीर, वायु एक धनुष, सूर्य एक तीरों से भरा तरकश, इंद्र एक वज्र, कुवेर एक गदा, ब्रह्मा एक माला और जल-पात्र, कला एक ढाल और तलवार, विश्वकर्मा एक युद्ध-कुल्हाड़ी और अन्य हथियार। इस प्रकार देवताओं द्वारा सशस्त्र और सम्मानित किया गया।

मां कात्यायनी मैसूर की पहाड़ियों की ओर बढ़ीं। वहां, असुरों ने उन्हें देखा और उनकी सुंदरता से मोहित हो गए, उन्होंने अपने राजा महिषासुर से उनका इतना वर्णन किया कि वह उन्हें पाने के लिए उत्सुक हो गए। कात्यायनी ने उनसे हाथ मांगा, तो उन्होंने कहा कि उन्हें जीतना ही होगा। लड़ाई में। उसने महिष, बैल का रूप धारण किया और युद्ध किया। अंत में मां दुर्गा अपने सिंह से उतरी और महिष की पीठ पर चढ़ गई, जो एक बैल के रूप में था और अपने कोमल पैरों से उसके सिर पर इतनी भयानक ताकत से प्रहार किया कि वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा। फिर उसने अपनी तलवार से उसका सिर काट दिया और तब से उसे महिषासुर का वध करने वाली महिषासुरमर्दिनी कहा जाने लगा। इस कथा का उल्लेख वराह पुराण और शक्तिवाद के शास्त्रीय पाठ, देवी-भागवत पुराण में भी मिलता है।

स्कंद पुराण का एक अन्य संस्करण है, जहां कात्यायनी दो भुजाओं वाली देवी के रूप में प्रकट होती हैं और बाद में 12 भुजाओं वाली देवी के रूप में विस्तारित होती हैं। कार्तिकेय के तेज के कारण ही इनका यह नाम पड़ा। इस संस्करण में पार्वती अपना शेर उपहार में देती हैं। कात्यायनी द्वारा महिष को क्षमा करने का यह अनूठा संस्करण है

अमरकोष में पार्वती को ही कात्यायनी कहा गया है, संस्कृत शब्दकोश में उमा, कात्यायनी, गौरी, काली, हेमवती एवम ईश्वरी कहा गया है। शक्तिवाद में उन्हें शक्ति या दुर्गा, जिसमे भद्रकाली और चंडिका भी शामिल है, में भी प्रचलित हैं। स्कन्द पुराण में उल्लेख है कि मां कात्यायनी परमेश्वर के नैसर्गिक क्रोध से उत्पन्न हुई थीं, जिन्होंने देवी पार्वती द्वारा दी गई सिंह पर आरूढ़ होकर महिषासुर का वध किया। मां कात्यायनी शक्ति की आदि रूपा है, जिसका उल्लेख पाणिनि पर पतञ्जलि के महाभाष्य में किया गया है, जो दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में रचित है। उनका वर्णन देवी भागवत पुराण, और मार्कंडेय ऋषि द्वारा रचित मार्कंडेय पुराण के देवी महात्म्य में किया गया है, जिसे 400 से 500 ईसा में लिपिबद्ध किया गया था।

बौद्ध और जैन ग्रंथों और कई तांत्रिक ग्रंथों, विशेष रूप से कालिका पुराण (10वीं शताब्दी) में उनका उल्लेख है।

विधानसभा का ईवीएम किसी दूसरे विधानसभा के स्ट्रांग रूम में नहीं जमा हो इसे सुनिश्चित करवाये : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

प्रात: किरण संवाददाता

गया। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को स्वतंत्र, शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने को लेकर महाबोधि संस्कृति केंद्र बोधगया में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम द्वारा ईवीएम विवीपैट संग्रहण में लगे सभी पदाधिकारियों एव सभी कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया हू।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी डॉ0 त्यागराजन एसएम ने ईवीएम विविपैट संग्रहण में लगे सभी पदाधिकारियों एव सभी कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी पदाधिकारी एवं कर्मी को ईवीएम विविपैट रिसीविंग का कार्य सौपा गया है, जो काफी महत्वपूर्ण कार्य है। ईवीएम विविपैट काफी सेंसिटिव चीज होती है। इसे पूरी सतर्कता से कम करें। हर हाल में सभी ईवीएम मशीन का सील एवं एड्रेस टैग आदि को जांच करते हुए अलग-अलग विधानसभा वार ईवीएम विविपैट को स्ट्रांग रूम में जमा करना है।

किसी भी कीमत पर किसी विधानसभा का ईवीएम विविपैट, किसी दूसरे विधानसभा के स्ट्रांग रूम में नहीं जमा हो इसे सुनिश्चित करवाये। इसकी पूरी निगरानी के लिए प्रत्येक विधानसभा बार पदाधिकारी को अलग से प्रतिनियुक्ति करें। इस कार्य में लगे सभी पदाधिकारी से पूछा कि यदि किसी को अभी भी डाउट है तो उसका समाधान करवाया जाएगा जो भी दिक्कतें महसूस हो रही है उसे आप स्पष्ट रूप से अवगत करावे तुरंत समाधान करवाने का कार्य किया जाएगा। मतदान केंद्र पर सभी आवश्यक कागजातों को भरना जरूरी है। सभी पीठासीन पदाधिकारी की डायरी पूरी अच्छी तरीके से भरना होगा। कोई भी ईवीएम में यदि एक भी वोट पड़ा है तो इस संबंधित ईवीएम मशीन को भी स्ट्रांग रूम में सीधे जमा कराया जाएगा। ईवीएम विविपैट रिसीविंग के दौरान कोई समस्या नहीं हो, इसके लिए ट्रैफिक व्यवस्था को भी पूरा दुरुस्त रखा जाए। इसके लिए अभी से ही प्लान तैयार कर लें।

उप निर्वाचन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी स्ट्रांग रूम में ईवीएम विविपैट जमा करने के लिए पर्याप्त संख्या में लेबर की व्यवस्था उपलब्ध रखें। सभी विधानसभा वार ईवीएम विविपैट रिसीविंग के दौरान अलग-अलग रंग का ड्रेस कोड रखें। उन्होंने कहा कि ईवीएम विविपैट रिसीविंग में लगे सभी मजदूर एवं अन्य पदाधिकारी कर्मियों को नाश्ता पानी चाय लस्सी इत्यादि समय-समय पर मिले, इसकी पूरी व्यवस्था कर ले।

स्ट्रांग रूम में ईवीएम विविपैट पूरी सुगमता के साथ तेजी से रिसीविंग करने के लिए सात टेबल से बढ़कर 9 टेबल किया गया है ताकि कम समय में सभी ईवीएम विविपैट को जमा करवाया जा सके। ईवीएम विविपैट के संग्रहण के प्रशिक्षण कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त, अपर समहर्तागण, अनुमंडल पदाधिकारी शेरघाटी, सभी सहायक निवार्ची पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी सहित कर्मिगण उपस्थित थे।

बोधि वृक्ष के नीचे एक विशेष प्रार्थना सभा समारोह का आयोजन

गया। रॉयल थाई मंदिर, बुद्धगया ने महाबोधि मंदिर के परिसर में पवित्र बोधि वृक्ष के नीचे एक विशेष प्रार्थना सभा और जल अर्पण समारोह का आयोजन किया। यह आयोजन थाई पारंपरिक नववर्ष के दिन सोंगक्रान उत्सव के अवसर पर किया गया। रॉयल थाई मंदिर के मठाधीश फ्राधमबोधिवोंग के नेतृत्व में रॉयल थाई मठ बुद्धगया के मुख्य मठाधीश थेरवाद और बुद्धगया के विभिन्न मंदिरों और मठों से लामाओं को आमंत्रित किया गया। बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से सचिव डॉ. महाश्वेता महारथी और सदस्य श्री किरण लामा भी शामिल हुए।

बाद में सुबह 9:30 बजे सोंगक्रान उत्सव मनाने के लिए, पुराने साल के अंत को चिह्नित करने के लिए रॉयल थाई मंदिर, बुद्धगया में आयोजन किया गया। सोंगक्रान को 'जल महोत्सव' भी कहा जाता है। मंत्रोच्चार और संघ दान के संक्षिप्त समारोह के बाद, भिक्षुओं, लामाओं, डॉ. महाश्वेता महारथी, श्री किरण लामा, राजदूत डॉ. परविंदर सिंह, विश्व शांति संस्थान संयुक्त राष्ट्र ने बुद्धगया के रॉयल थाई मंदिर के परिसर में बुद्ध की मूर्तियों, स्तूपों और बोधि वृक्ष को सुगंधित जल अर्पित करने में भाग लिया। इसका नेतृत्व फ्राधमबोधिवोंग, रॉयल थाई मठ के मुख्य मठाधीश, फ्रामहा निपोन प्रसादी, मठाधीश के सचिव बुद्धगया मठाधीश ने किया।

सम्पादकीय

खटाखट कैसे मिटेगी गरीबी

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने ह्यगरीबी मिटाओह्न का एक फॉमूर्ला दिया है। उनके मुताबिक, यदि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनी, तो प्रत्येक गरीब परिवार की एक महिला के बैंक खाते में एक लाख रुपए सालाना जमा कराए जाएंगे। वह गरीब परिवार किसान, मजदूर या किसी का भी हो सकता है, उस परिवार की महिला को 8500 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे। यह आर्थिक मदद तब तक जारी रहेगी, जब तक वह परिवार गरीबी-रेखा से बाहर नहीं आ जाता। क्या कांग्रेस ने ऐसी योजना के अर्थशास्त्र का अध्ययन किया है? सबसे अहम सवाल तो गरीबों की संख्या का है। दरअसल ऐसे गरीबों की देश में कितनी संख्या है, यह न तो कांग्रेस को पता है और न ही सरकार यह डाटा साझा करना चाहती है। गरीबी-रेखा की परिभाषा तक निश्चित नहीं है। देश में गरीबी की स्थिति क्या है, उसे लेकर भी विरोधाभास हैं। राहुल गांधी ने एक बार फिर आर्थिक असमानता के यथार्थ को दोहराया है। देश के 22 सबसे अमीर भारतीयों के पास इतना धन है, जितना 70 करोड़ लोगों के पास है। राहुल गांधी के अनुसार, मोदी सरकार ने अरबपतियों के 16 लाख करोड़ रुपए माफ किए हैं। यह देश के महज 25-30 धन्नासेठों की इतनी राशि है, जितनी 24 साल तक मनरेगा के जरिए मजदूरों को दी सकती थी। राहुल यह चुनाव देश के गरीबों और 22-25 अरबपतियों के बीच की लड़ाई मानते हैं। यह वामपंथी सोच का विश्लेषण है। यदि अरबपतियों के पास बेइंतहा आर्थिक संसाधन हैं, तो उनकी कंपनियां लाखों लोगों को रोजगार भी देती हैं और करोड़ों रुपए के कर भी अदा करती हैं। बहरहाल राहुल गांधी का दावा है कि कांग्रेस देश से खटाखट गरीबी को मिटा देना चाहती है। हमारी जो गारंटी है, उसके जरिए हम एक ही झटके में गरीबी समाप्त कर देना चाहते हैं। राहुल गांधी की दादी एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी 1971 में ह्यगरीबी हटाओह्न का नारा दिया था और प्रचंड बहुमत के साथ चुनाव जीता था। उसके बाद की कांग्रेस सरकारों में भी ह्यगरीबीह्न एक बुनियादी एजेंडा रहा, लेकिन एक समय आया था, जब ह्ययोजना आयोगह्न (अब नीति आयोग) भी मानता था कि करीब 30 करोड़ भारतीय गरीबी-रेखा के नीचे जीने को अभिशप्त हैं। समितियां बनाई गईं, फॉमूर्ले तय किए गए, लेकिन सही डाटा देश के सामने पेश नहीं किया जा सका। चूंकि अब प्रधानमंत्री मोदी सार्वजनिक मंचों पर बार-बार दोहरा रहे हैं कि उनकी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को ह्यगरीबीह्न से बाहर निकाला है। यानी प्रधानमंत्री भी स्वीकार करते हैं कि देश में 25 करोड़ गरीब रहे हैं, जिन्हें उस रेखा से उबारा गया है। प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान ही देश के सामने है, अलबत्ता कोई बिंदुवार और क्षेत्रवार आंकड़े देश के सामने नहीं रखे गए हैं। इसी दौर में आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले ने एक आर्थिक आकलन सार्वजनिक किया था। उसके मुताबिक, देश में 23 करोड़ से अधिक भारतीय ऐसे हैं, जो 375 रुपए रोजाना की कमाई करने में भी असमर्थ हैं। वे भी गरीबी-रेखा के नीचे की आबादी हैं। सवाल है कि देश में कितने लोग गरीब हैं, जिन्हें आर्थिक मदद देकर उबारने की जरूरत है? प्रधानमंत्री मोदी देश में 81 करोड़ से अधिक लोगों को ह्यमुफ्त अनाजह्न बांट रहे हैं। जिन्हें हर माह 5 किलो अनाज की दरकार है और अभी यह योजना 5 और साल चलेगी, तो ऐसे लोग गरीब नहीं हैं, तो उन्हें किस वर्ग में रखा जाएगा? मुफ्तखोरी की कई योजनाएं हैं और नकदी भी बांटी जा रही है। ऐसा लगता है मानो 90 फीसदी भारत गरीब है। सिर्फ धन्नासेठ और उनके सम्पन्न सलाहकार ही ह्यअमीरह्न हैं। मोदी को ही सरकार के संबद्ध विभाग को आदेश देने चाहिए कि वह गरीबी की परिभाषा स्पष्ट करे, यह अहम मानवीय सरोकार है।

एक बड़े राजनीतिक पतन को दशार्ते हैं चुनावी बॉन्ड्स

भारत का उदारीकरण निजी क्षेत्र को लाइसेंस-नियंत्रण-राज से मुक्त करने, जॉन मेनार्ड कीन्स के शब्दों में आर्थिक संकट या आर्थिक अनिश्चितता के समय आने वाली ह्यएनिमल स्पिरिट्सह्न को बढ़ाने और आर्थिक पलायन के वेग से बचने के लिए था ताकि हम तथाकथित हिंदू विकास दर (आजादी के समय देश में ढांचागत विकास और सुविधाओं का अभाव था। देश के अधिकांश लोग आजीविका के लिए खेती पर ही निर्भर थे। इस वजह से 1970-80 के दशक तक भारत की आर्थिक गति सुस्त थी और जीडीपी ग्रोथ 3.5 फीसदी हुआ करती थी। किसी भी समझदार व्यक्ति के सामने यह बात तय और स्पष्ट है कि चुनावी बॉन्ड्स की योजना एक जबरन वसूली रैकेट थी। भले ही इसे जारी करते समय इसका वह (इसे बनाने वालों के चैरिटेबल होने का कलंक लगाने का) इरादा नहीं था जिस इरादे के साथ इसे तैयार किया गया था। इस योजना से जो वैध दिखाई देने वाला भ्रष्टाचार फैलाया गया, उसका लंबे समय तक अध्ययन और विश्लेषण किया जाएगा। यह घोटालों के इतिहास में एक मील के पत्थर के रूप में दर्ज किया जाएगा जिसने अपने पीछे असाधारण और ऑडिट किए गए दस्तावेजों को देखते हुए कल्पना के लिए कुछ भी नहीं छोड़ा है। इसकी विभीषिका यह है कि लेन-देन की बारीकियों में विशेष रूप से जब यह सामने आता है-(अ) फार्मा कंपनियों की दवाओं की गुणवत्ता की जांच का मुद्दा और उनके दान, (ब) विभिन्न प्रकार की शुरू हुई जांच जो ह्यदानह्न के बाद बंद हो गई, इनमें से एक प्रकार अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रक्रिया की ओर अग्रसर है, (स) भुगतान के बाद व्यापारिक घरानों के पक्ष में लंबे समय से लंबित मंजूरी और अन्य सुविधाएं प्रदान करना; और (द) विदेशी धन के लिए दान के रूप में आने वाला एक स्पष्ट रास्ता सिर्फ शीर्ष चिंताएं हैं। ये न केवल चुनावी बॉन्ड्स योजना के राष्ट्र-विरोधी चरित्र की ओर इशारा करती हैं बल्कि भ्रष्टाचार को निमंत्रण देने के रूप में भी सामने आती हैं-एक खुली नीति जो भारतीय लोकतांत्रिक प्रणाली के साथ छेड़छाड़ करने का स्पष्ट रास्ता बताती है। कीमत का पता हो तो एक कारोबारी नेता या निहित स्वार्थ क्या नहीं कर सकता, खास तौर पर जब कानूनी कवर की गारंटी हो, कानून में गोपनीयता लिखी गई हो और भारत के प्रधानमंत्री की पार्टी लूट की प्राप्तकर्ता हो? यह भ्रष्टाचार की ह्यरेट-कार्डह्न पद्धति को वैध बनाता है जो लगान वसूली की मांग को एक कुशल, पूर्वानुमानित और मात्रात्मक उद्यम बनाता है, केवल यह कि सत्ता के उच्चतम सोपानों पर काम करता है। यह वैध है और वह आपका कोई भी काम हो, उसे पूरा करता है। एक आधुनिक लोकतांत्रिक देश के रूप में यह भारत के पतन और ह्यबनाना रिपब्लिकह्न बनने की दिशा में निश्चित प्रवेश का प्रतीक है जिसमें शांति की दिखावटी भावना उस आंतरिक व्यवहार को मुश्किल से छुपाती है जहां गंदे काम किए जाते हैं। यह भारत की विकास गाथा की आंतरिक सड़ांध है, बढ़ती जीडीपी की बात तो छोड़िए, यह एक ऐसे देश का खुद का थोपा गया उपनिवेशीकरण है जिसने अपनी प्रतिष्ठा खो दी है। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री रह चुके एआर अंतुले को चुनावी बॉन्ड्स योजना के शुरूआती संस्करण के रूप में वर्णित किया जा सकता है। फर्क सिर्फ इतना था कि उनका धन संग्रह गरीबों के लिए था, न कि चुनाव लड़ने के लिए। जब उनके द्वारा नियंत्रित ट्रस्टों को ह्यदानह्न के बारे में पता चला तो 1982 में दबाव डालकर अंतुले को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया था। यह सार्वभौमिक रूप से एक महत्वपूर्ण और बड़ा घोटाला माना जाता था। यह भाजपा ही थी जिसने अंतुले के खिलाफ मामला दर्ज किया था जिन्होंने शार्टेज के समय बिल्डरों को आंशिक रूप से सीमेंट आवंटन के बदले में ट्रस्ट फंड में 50 करोड़ रुपये एकत्र किए थे। जैसे ही यह घोटाला राष्ट्रीय सुर्खियों में आया तो भ्रष्टाचार के मुद्दों को उठाने में भाजपा सबसे आगे थी। लालकृष्ण आडवाणी ने इस घोटाले को उजागर करने के प्रयासों का नेतृत्व किया। आज वही पार्टी एक ऐसे चरण में पहुंच गई है जहां उसका नेतृत्व संग्रह के यथानुपात औचित्य की बात करता है। जैसा कि अमित शाह द्वारा धन प्राप्त के औचित्य के लिए पेश किए प्रयास से पता चलता है, जिसमें उन्होंने कहा कि इतने सारे सांसदों के कारण हमें इतना मिला और विपक्ष को कम सांसद होने के कारण इतना धन मिला। फिर भी, चुनावी बॉन्ड्स से राष्ट्र को हुए गहरे नुकसान में उपरोक्त सभी को शामिल नहीं किया गया है। बड़ा झटका तो यह है कि भारत को स्वीकारोक्ति के इस अहसास के साथ आना होगा कि उदारीकरण और निजीकरण के युग में 1991 की उसकी दिशा विफल हो गई है। भारत का उदारीकरण निजी क्षेत्र को लाइसेंस-नियंत्रण-राज से मुक्त करने, जॉन मेनार्ड कीन्स के शब्दों में आर्थिक संकट या आर्थिक अनिश्चितता के समय आने वाली ह्यएनिमल स्पिरिट्सह्न को बढ़ाने और आर्थिक पलायन के वेग से बचने के लिए था ताकि हम तथाकथित हिंदू विकास दर (आजादी के समय देश में ढांचागत विकास और सुविधाओं का अभाव था। देश के अधिकांश लोग आजीविका के लिए खेती पर ही निर्भर थे। इस वजह से 1970-80 के दशक तक भारत की आर्थिक गति सुस्त थी और जीडीपी ग्रोथ 3.5 फीसदी हुआ करती थी। अर्थशास्त्री राजकृष्णा ने 1950 से 1970 के दशक में देश की धीमी आर्थिक गति को ही ह्यहिन्दू रेट ऑफ ग्रोथह्न कहा था, उससे ऊपर उठ सकें। सुधारों से पहले व्यवसायियों ने व्यापार-सरकार संपर्क की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए नई दिल्ली में संपर्क कार्यालय रखे। बहुत समय पहले 1970 के दशक के ह्यवैश्विक तेल संकटह्न के मद्देनजर मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए उठाये गये एक कदम के रूप में साबुन पर लगाए गए मूल्य नियंत्रण को समाप्त करने के लिए भारत में यूनिलीवर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी से मिलने के लिए कहा गया था। प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 24 जुलाई, 1991 को औद्योगिक लाइसेंसिंग को समाप्त कर दिया जिसके बाद इस लाइसेंस-नियंत्रण-राज की जरूरत ही नहीं रही। मनमोहन सिंह ने घोषणा की थी-ह्यसमग्र रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था अधिक प्रतिस्पर्धी, अधिक कुशल और आधुनिक बनने से लाभान्वित होगी और औद्योगिक प्रगति की दुनिया में अपना सही स्थान लेगी।

शिक्षित, सशक्त व समतामूलक राष्ट्र के हिमायती थे बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर

इसके पीछे बड़ी दूरदर्शिता झलकती है। इसे संविधान की पुस्तक का स्वरूप दिया गया है। इस प्रकार यह इमारत अपने स्वरूप से ही बहुत कुछ कहती दिखाई देती है। अपने किस्म की यह भारत की पहली इमारत है। इसमें आधुनिक संग्रहालय बनाया गया है। यह निर्माण तो डॉ. आंबेडकर के निधन के बाद ही होना चाहिए था। इस स्मारक की पहल भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बनी भाजपा की पहली सरकार ने की थी, इसे अंजाम तक भाजपा की दूसरी सरकार ने पहुंचाया। नरेंद्र मोदी की सरकार ने डॉ. आंबेडकर से जुड़े पंचतीर्थों का भी भव्य निर्माण कराया। इसमें महू स्थित उनके जन्मस्थान, नागपुर की दीक्षा भूमि, लंदन के स्मारक निवास, अलीपुर महानिर्वाण स्थली और मुम्बई की चयत्यभूमि शामिल है।

माधुरी जायसवाल
लेखिका समाजसेविका

आज देश में समतामूलक समाज का उदघोष करने वाले और विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत को संविधान देने वाले भारत रत्न बाबासाहेब भीमराव अम्बेदकर की जयंती है। पूरा देश डॉ. भीम राव अम्बेदकर के विचारों पर चर्चा कर रहा है। इस चर्चा के बीच उन तमाम वैचारिक पहलुओं पर गौर करना जरुरी है, जो बाबा साहब अम्बेडकर की विचारधारा के मूल में है। बाबा साहेब समतामूलक समाज, शिक्षित एवं सशक्त राष्ट्र के समर्थक थे। लेकिन, यह विडंबना रही कि कुछ दल अंबेदकर के नाम पर वोट लेकर सत्ता तो हासिल करती रही, लेकिन न तो बाबासाहेब के सपनों को साकार किया और न ही उन्हें समुचित सम्मान ही दिया। भारत को संविधान देने वाले बाबा साहेब का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के महू में हुआ था। 1907 में उन्होंने अपनी मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की और अगले वर्ष एल्फिंस्टन कॉलेज में प्रवेश किया। इस स्तर पर शिक्षा प्राप्त करने वाले अपने समुदाय से वे पहले व्यक्ति थे। 1912 तक बॉम्बे विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र और राजनीतिक विज्ञान में बीए पास की और बड़ौदा राज्य सरकार के साथ काम करने लगे। जून 1915 में उन्होंने कला स्नातकोत्तर परीक्षा पास की,जिसमें अर्थशास्त्र प्रमुख विषय और समाजशास्त्र, इतिहास, दर्शनशास्त्र और मानव विज्ञान यह अन्य विषय थे। उन्होंने स्नातकोत्तर के लिए प्राचीन भारतीय वाणिज्य विषय पर शोध कार्य प्रस्तुत किया। 1916 में उन्हें अपना दूसरा शोध कार्य के लिए दूसरी कला स्नातकोत्तर प्रदान की गई और अन्ततः उन्होंने लंदन की राह ली। 1916 में अपने तीसरे शोध कार्य के लिए अर्थशास्त्र में पीएचडी प्राप्त की। अपने शोध कार्य को प्रकाशित करने के बाद 1927 में अधिकृत रुप से पीएचडी प्रदान की गई। डॉ. आम्बेडकर स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री थे। एक नवंबर 1951 को केन्द्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने के बाद वे 26 अलीपुर रोड, दिल्ली में सिरोही के महाराजा के घर में रहने लगे, जहां उन्होंने 6 दिसम्बर 1956 को आखिरी सांस ली और महापरिनिर्वाण प्राप्त किया। नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा भव्य डॉ. आंबेडकर राष्ट्रीय स्मारक का निर्माण पूरा किया है, वह किसी महापुरुष के प्रति बड़ा सम्मान है। इसके पीछे बड़ी दूरदर्शिता झलकती है। इसे संविधान की पुस्तक का स्वरूप दिया गया है। इस प्रकार यह इमारत अपने स्वरूप से ही बहुत कुछ कहती दिखाई देती है। अपने किस्म की यह भारत की पहली इमारत है। इसमें आधुनिक संग्रहालय बनाया गया है। यह निर्माण तो डॉ. आंबेडकर के निधन के बाद ही होना चाहिए था। इस स्मारक की पहल भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बनी भाजपा की पहली सरकार ने की थी, इसे अंजाम तक भाजपा की दूसरी सरकार ने पहुंचाया। नरेंद्र मोदी की सरकार ने डॉ. आंबेडकर से जुड़े पंचतीर्थों का भी भव्य निर्माण कराया। इसमें महू स्थित उनके जन्मस्थान, नागपुर की दीक्षा भूमि, लंदन के स्मारक निवास, अलीपुर महानिर्वाण स्थली और मुम्बई की चयत्यभूमि शामिल है। यह स्मारक भारत के संविधान निमार्ता डॉ. आम्बेडकर के जीवन और उनके योगदान को समर्पित है। डॉ.आम्बेडकर की स्मृति में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 2003 को महापरिनिर्वाण स्थल राष्ट्र को समर्पित किया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के शासनकाल में इस इमारत को संविधान निमार्ता बाबा साहब के स्मारक के रूप में निर्मित किया गया है, इमारत को पुस्तक का आकार दिया गया है। इसमें एक प्रदर्शनी स्थल, स्मारक, बुद्ध की प्रतिमा के साथ ध्यान केन्द्र, डॉ. आम्बेडकर की बारह फुट की कांस्य प्रतिमा है। प्रवेश द्वार पर ग्यारह मीटर ऊंचा अशोक स्तम्भ और पीछे की तरफ ध्यान केन्द्र बनाया गया है। धर्मनिरपेक्ष शब्द की जरुरत संविधान में बाबा साहब को भी नहीं महसूस हुई थी, जबकि उस दौरान देश एक मजहबी बंटवारे से गुजर रहा था, लेकिन कांग्रेस ने इंदिरा गांधी के शासनकाल में यह शब्द संविधान में जोड़ दिया। वैसे तो बाबा साहब सबके हैं, लेकिन जो लोग बाबा साहब को अपना मानते हैं, उन्हें यह स्पष्ट तो करना ही होगा कि बाबा साहब के इन विचारों को लेकर उनका उल्टा रुख क्यों है? आज भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ह्वसबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वासह्न के साथ समाज के सभी वर्गों तक विकास की रौशनी पहुंचा रही है। आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत मिशन, उज्ज्वला, उजाला एवं सौभाग्य योजना के माध्यम से जिस प्रकार समाज के अंतिम व्यक्ति को बुनियादी सुविधा दी जा रही है, उसे साफ है कि भाजपा सरकार ने ही बाबा साहेब के सपने को साकार किया है। सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। जयंती पर महामानव भारतरत्न डॉ. भीमराव अम्बेदकर को सादर श्रद्धांजलि।

डॉ. बी.आर. आम्बेडकर की जयंती पर विशेष : बाबा साहब को ही नहीं की भी मानें

वे रामजी मालोजी सकपाल और भीमा बाई की 14 वीं व अंतिम संतान थे। आम्बेडकर के दादा का नाम मालोजी सकपाल था। उनका परिवार कबीर पंथ को मानने वाला मराठी मूल का था और वो वर्तमान महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में आंबडवे गाँव के निवासी थे। वे दलित महार जाति से संबंध रखते थे, जो तब अछूत कही जाती थी। भीमराव आम्बेडकर के पूर्वज लंबे समय से ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में कार्यरत रहे थे और उनके पिता रामजी सकपाल, भारतीय सेना की महू छावनी में सेवारत थे। यहां काम करते हुए वे सूबेदार के पद तक पहुँचे थे। उन्होंने मराठी और अंग्रेजी में औपचारिक शिक्षा प्राप्त की थी। 1896 में आम्बेडकर जब पाँच वर्ष के थे

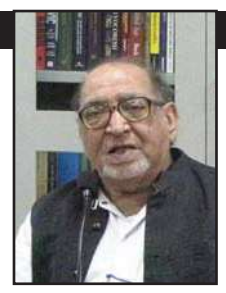

मुस्ताअली बोहरा
लेखक

भारत रत्न, महान मर्मज्ञ, अर्थशास्त्री, संविधान शिल्पी, आधुनिक भारत की नींव रखने वाले, इतिहास के ज्ञाता, तत्वज्ञानी, मानव शास्त्र के ज्ञाता, कानूनविद, मानवाधिकार के संरक्षक, पाली साहित्य के अध्ययनकर्ता, महान लेखक, समाज सुधारक, राजनीतिज्ञ, संपादक, बौद्ध साहित्य के अध्ययनकर्ता, मजदूरों के मसीहा, इतिहासविद, प्रोफेसर, शिक्षाविद्, आजाद भारत के पहले कानून मंत्री डॉ. भीमराव आंबेडकर जिन्हें पूरी दुनिया प्यार और सम्मान के साथ बाबा साहब के नाम से पुकारती है। वह अपने युग के सबसे ज्यादा पढ़े लिखे राजनेता और एवं विचारक थे। 1990 में उन्हें मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया है। उनका मूल नाम भीमराव है। यूं तो इतिहास में कई महापुरूष हुए लेकिन बाबा साहब जैसा शायद ही कोई हुआ हो। बाबा साहेब ने अपने विचार और काम, दोनों के जरिए समाज को जो दिया वैसा योगदान किसी और का नहीं है। सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, संवैधानिक, शैक्षणिक सहित शायद ही ऐसा कोई क्षेत्र हो जिसमें बाबा साहब का योगदान ना हो। बाबा साहब चाहते थे कि दलितों को जो अधिकार मिलने चाहिए, वे उन्हें हासिल हों, देश-समाज में उनका सम्मान बढ़े, दलितों का स्तर ऊँचा उठे और उन्हें बराबरी का दर्जा हासिल हो। बाबा साहब ने कहा कि उनका जीवन तीन गुरुओं और तीन उपास्यों से कामयाब बना है। उन्होंने जिन तीन महान व्यक्तियों को अपना गुरु माना, उसमे उनके पहले गुरु थे तथागत गौतम बुद्ध, दूसरे थे संत कबीर और तीसरे गुरु थे

महात्मा ज्योतिराव फुले थे। उनके तीन उपास्य थे ज्ञान, स्वाभिमान और शील। आज भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के और भी कई देशों में आम्बेडकरवाद का प्रचार और प्रसार हो रहा है। स्वतंत्रता, समानता, भाईचारा, बौद्ध धर्म, विज्ञानवाद, मानवतावाद, सत्य, अहिंसा ही आम्बेडकरवाद के सिद्धान्त हैं। छुआछूत को खत्म करना, दलितों में सामाजिक सुधार, भारतीय संविधान में निहीत अधिकारों तथा मौलिक हकों की रक्षा करना, जातिमुक्त समाज की रचना ही इसका मकसद है। आम्बेडकरवाद सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक विचारधारा है। बता दें कि वह कुल 64 विषयों में मास्टर थे, 32 डिग्रियों के साथ 9 भाषाओं के जानकार थे, इसके साथ ही उन्होंने विश्व के सभी धर्मों के बारे में पढ़ाई की थी। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में मात्र 2 साल 3 महीने में 8 साल की पढ़ाई पूरी की थी। वह लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से ह्यडॉक्टर ऑल साइंसह्न नामक एक दुर्लभ डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त करने वाले भारत के ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के पहले और एकमात्र व्यक्ति हैं।

बाबा साहेब का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू नगर में हुआ था। उनके पिता का नाम रामजी मालोजी सकपाल और उनकी माता का नाम भीमाबाई सकपाल है। डॉ. बाबा साहेब का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। उन्होंने बचपन से ही जाति भेदभाव और असमानता का सामना किया। वे जिंदगी भर समाज में अधिकार, समानता और न्याय के लिए संघर्ष करते रहे। उन्हें बचपन से ही पढ़ने का शौक था।

उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की और अंततः लंदन के अंग्रेजी विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने के बाद भारत लौटे। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स दोनों ही विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्राप्त कीं तथा विधि, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में शोध कार्य भी किये थे। भारत लौटने के बाद उन्होंने अपना जीवन सामाजिक सुधार कार्यों में लगा दिया। वे अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे एवं वकालत भी की। इसके बाद का जीवन राजनीतिक गतिविधियों में अधिक बीता। डॉ. आम्बेडकर ने आजादी में भी अहम योगदान दिया। साथ ही पत्रिकाओं को प्रकाशित करने, राजनीतिक अधिकारों की वकालत करने के साथ ही दलितों के लिए सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत की। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर जी व उनका का परिवार संत कबीर की विचारधारा से खासा प्रभावित था और संत कबीर के ज्ञान को आधार बनाकर जीवन जीता था। हिंदू पंथ में व्याप्त कुरूतियों और छुआछूत की प्रथा से तंग आकार सन 1951 में बाबा साहब ने बौद्ध धर्म अपना लिया था। 14 अप्रैल को उनका जन्म दिवस आम्बेडकर जयंती के तौर पर भारत समेत दुनिया भर में मनाया जाता है। बाबा साहब का महापरिनिर्वाण 6 दिसंबर 1956 को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में हुआ, इस दिन को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है। आंबडवे गांव का रहने वाला था परिवार बाबा साहेब का पूरा नाम भीमराव रामजी आंबेडकर हैं। आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को ब्रिटिश भारत के मध्य भारत प्रांत (अब मध्य प्रदेश) में स्थित महू नगर सैन्य छावनी में हुआ था।

14 अप्रैल जयन्ती पर विशेष : महिला सशक्तिकरण के हिमायती थे डा.आम्बेडकर

हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव आम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेगें। ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लघंन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये।

बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के मऊ में एक गरीब परिवार मे हुआ था। वो भीमराव रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं सन्तान थे। उनका परिवार मराठी था जो महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे स्थित अम्बावडे नगर से सम्बंधित था। उनके बचपन का नाम रामजी सकपाल था। वे हिंदू महार जाति के थे जो अछूत कहे जाते थे। उनकी जाति के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। एक अस्पृश्य परिवार में जन्म लेने के कारण उनको बचपन कष्टों में बिताना पड़ा था। बाबा साहब का मानना था कि वर्गहीन समाज गढने से पहले समाज को जाति विहीन करना होगा। आज महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए हमारे पास जो भी संवैधानिक सुरक्षाकवच, कानूनी प्रावधान और संस्थागत उपाय मौजूद हैं। इसका श्रेय किसी एक मनुष्य को जाता है वे हैं डॉ. भीमराव आम्बेडकर। भारतीय संदर्भ में जब भी समाज में व्याप्त जाति, वर्ग और लिंग के स्तर पर व्याप्त असमानताओं और उनमें सुधार के मुद्दों पर चिंतन हो तो डॉ. आंबेडकर के विचारों और दृष्टिकोण को शामिल किए बिना बात पूरी नहीं हो सकती। भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव आम्बेडकर का सपना था कि भारत जाति-मुक्त हो, औद्योगिक राष्ट्र बने, सदैव लोकतांत्रिक बना रहे। लोग आम्बेडकर को एक दलित नेता के रूप में जानते है। जबकि उन्होने बचपन से ही जाति प्रथा का खुलकर विरोध किया था। उन्होने जातिवाद से मुक्त आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ भारत का सपना देखा था। मगर देश की गन्दी राजनीति ने उन्हे सर्वसमाज के नेता के बजाय दलित समाज का नेता के रूप में स्थापित कर दिया। डा.आम्बेडकर का एक और सपना भी था कि दलित धनवान बनें। वे हमेशा नौकरी मांगने वाले ही न बने रहें अपितु नौकरी देने वाले भी बनें। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो आम्बेडकर संभवतः पहले अध्येता रहे हैं। जिन्होंने जातीय संरचना में महिलाओं की स्थिति को समझने की कोशिश की थी। उनके संपूर्ण विचार मंथन के दृष्टिकोण में सबसे महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा महिला सशक्तिकरण था। आम्बेडकर यह बात समझते थे कि स्त्रियों की स्थिति सिर्फ ऊपर से उपदेश देकर नहीं सुधरने वाली, उसके लिए कानूनी व्यवस्था करनी होगी। हिंदू कोड बिल महिला सशक्तिकरण का असली आविष्कार है। इसी कारण आंबेडकर हिंदू कोड बिल लेकर आये थे। हिंदू कोड बिल भारतीय महिलाओं के लिए सभी मर्ज की दवा थी। पर अफसोस यह बिल संसद में पारित नहीं हो पाया और इसी कारण आम्बेडकर ने कानून मंत्री पद का इस्तीफा दे दिया था। स्त्री सरोकारों के प्रति डॉ. भीमराव आम्बेडकर का समर्पण किसी जुनून से कम नहीं था। डा.भीमराव आम्बेडकर का मानना था कि भारतीय महिलाओ के पिछड़ेपन की मूल वजह भेदभावपूर्ण समाज व्यवस्था और शिक्षा का अभाव है। शिक्षा में समानता के संदर्भ में आंबेडकर के विचार स्पष्ट थे। उनका मानना था कि यदि हम लडकों के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने लग जाए तो प्रगति कर सकते है। शिक्षा पर किसी एक ही वर्ग का अधिकार नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा का समान अधिकार है। नारी शिक्षा पुरुष शिक्षा से भी अधिक महत्वपूर्ण है। चूंकि पूरी पारिवारिक व्यवस्था की धुरी नारी है उसे नकारा नहीं जा सकता है। आम्बेडकर के प्रसिद्ध मूलमंत्र की शुरूआत ही ह्यशिक्षित करोह्न से होती है। इस मूलमंत्र की पालना से आज कितनी ही महिलाएं शिक्षित होकर आत्मनिर्भर बन रही है।

संक्षिप्त खबरें

इसुआपुर में स्कूल गाड़ी पलटी आधा दर्जन बच्चे घायल

इसुआपुर।इसुआपुर बाजार के पास चल रहे एक निजी स्कूल निराला सेंट्रल स्कूल की ई-रिक्शा स्कूल गाड़ी शामपुर सियदीयरी गांव के नहर मोड़ पर पलट गई।जिसमें सवार लगभग आधा दर्जन बच्चे घायल हो गए।वहीं ई रिक्शा चालक का पैर टूट गया। घायलों का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। मालूम हो कि शनिवार को छुट्टी के बाद ई रिक्शा बच्चों को छोड़ने उनके घर जा रहा था कि इसी क्रम में गाड़ी पलट गई। आए दिन स्कूल गाड़ी पलने से गाड़ी से स्कूल जाने वाले बच्चों के अभिभावक अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। मालूम हो कि कुछ ही दिनों पूर्व संस्कारदीप स्कूल की बस पलट गई थी। जिसमें कई बच्चे घायल हो गए थे। वहीं बस के खलासी का पैर टूट गया था।

शराब बरामद

एकमा । स्थानीय थाना पुलिस ने अभियान चला कर शराब धंधे बाजों के ठिकानों पर छापेमारी कर शोभन छपरा गांव निवासी स्वर्गीय झंगरू राम के पुत्र गौतम राम के घर पर छापामारी कर 30 लीटर देशी शराब के साथ आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए आरोपी को जेल भेज दिया।

देशी पिस्टल से हर्ष फायरिंग करने पर पुलिस ने किया गिरफ्तार

छपरा सिटी।जिला के गौरा थानान्तर्गत एक युवक को देशी पिस्टल से हर्ष फायरिंग करना महंगा पर गया। पुलिस ने उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करते हुये युवक को गिरफ्तार कर लिया और देशी पिस्टल को भी जब्त कर लिया। बताते चले कि गौरा थाना क्षेत्र के खोर्रमपुर का नौशाद आलम पिता अब्दुल गफ्फार का देशी पिस्टल से लोगों के बीच हर्ष फायरिंग करते हुये वीडियो वायरल हुआ था। जिसपर पुलिस ने तुरंत कारवाई करते हुये उसे गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तारी के समय उसके पास से पुलिस ने उस देशी पिस्टल जिसमें एक गोली भी थी उसे भी जब्त करने में सफलता पाई है। पुलिस ने बताया कि नौशाद उस पिस्टल से आस पड़ोस के लोगों को डराता और धमकाता भी थी। पुलिस ने नौशाद के खिलाफ आर्म्स एक्ट का प्राथमिकी दर्ज किया है।

दिघवारा में 20 वर्षीय युवक की गला दबाकर हत्या

दिघवारा नगर। अवतारनगर थाना क्षेत्र के मधुपुर गांव में एक 20 वर्षीय युवक की गला दबाकर हत्या कर देने का मामला प्रकाश में आया है।बाद में अज्ञात हत्यारों ने युवक के शव को उसके घर से कुछ दूरी पर स्थित खेत में फेंक दिया जिसे बाद में पुलिस द्वारा बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेज दिया गया।मृतक की पहचान अवतारनगर थाना क्षेत्र के देवलक्षण पंडित के पुत्र पंकज कुमार पंडित के रूप में हुई है।हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है।घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि पंकज शुक्रवार की संध्या पांच बजे अपने घर से गांव में घूमने के लिए निकला था।देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनों ने जब उसका पता लगाया तो उसका मोबाइल ऑफ बताया जिससे परिजनों का अंदेशा बढ़ गया।परिजनों ने तभी से उसकी खोजबीन की मगर उसका कुछ अता पता नहीं चल सका।बाद में शनिवार की अहले सुबह गांव के मजदूर खेत में राहर काटने गए तो मृत युवक का शव देखकर वे लोग सन्न रह गए और इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी।बाद में परिजनों तथा ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में ले लिया।उधर घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की मां समेत परिवार के सभी लोगों को रो रो कर बुरा हाल था।मृतक तीन भाईयों में दूसरे नंबर पर था।जवान बेटे की मौत से पूरा परिवार आहत दिखा वहीं ग्रामीण परिजनों को सांत्वना देने में जुटे थे।

कॉलेज में सम्पन्न हुआ एक दिवसीय सेमिनार व सम्मान समारोह

प्रात : किरण संवाददाता

दाउदपुर। नंदलाल सिंह कालेज जैतपुर के सभागार में बाबा साहब डॉ अंबेडकर की जयंती पर एनएलएस कालेज एवं समभाव साहित्यिक संस्था बेतिया के संयुक्त तत्वावधान में ह्वराष्ट्र के निर्माण में डॉ अंबेडकर के योगदानह्व विषय पर एक सेमिनार सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान साहित्यिक संस्था के अध्यक्ष डॉ चन्द्रभान राम एवं सचिव डॉ राजेश कुमार चंदेल द्वारा कालेज के प्राचार्य डॉ के पी श्रीवास्तव एवं समाजसेवी जितेंद्र कुमार सिंह समाजसेवी को चादर मोमेंटो एवं अभिनन्दन - पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं प्राचार्य ने डॉ राजेश कुमार चंदेल को सम्मानित किया। समारोह के शुभारंभ में छात्रा अनुराधा कुमारी, रागिनी कुमारी, अंजली कुमारी, खुशबू कुमारी, रीतु कुमारी व शिल्पी कुमारी के द्वारा संयुक्त रूप से स्वागत गीत प्रस्तुत किया। सेमिनार के शुभारंभ में प्राचार्य डॉ के पी श्रीवास्तव ने डॉ अम्बेडकर की जयंती की सार्थकता पर गंभीरता से प्रकाश डाला। वहीं मुख्य वक्ता डॉ राजेश कुमार चंदेल ने कहा कि डॉ अम्बेडकर किसी खास वर्ग के नहीं बल्कि मानवता के पक्षधर थे। उन्होंने हमेशा सभी समाज के उत्थान की बात की। उन्होंने बेहतर व खुशहाल समाज के लिए

महिलाओं के अधिकार पर प्रकाश डाला। वहीं समाजसेवी जितेंद्र कुमार सिंह ने भी अपने विचार को साझा किया। डॉ चंद्रभान राम ने मंच संचालन करते हुए डॉ आंबेडकर के मिशन शिक्षित बनो, संगठित बनो और संघर्ष करो को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज और देश के उत्थान के लिए शिक्षा का अलख जगाना होगा। डॉ प्रवीण पंकज व डॉ शेखर कुमार ने कहा कि संविधान निमार्ता डॉ अम्बेडकर समरस समाज का निर्माण करना चाहते थे। डॉ उपेन्द्र कुमार व स्वर्गदीप शर्मा ने भीमराव के मिशन को आगे बढ़ाने में युवाओं के योगदान की सराहना की। रोशनी कुमारी एवं साहिबा कुमारी ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में डॉ श्रीभगवान ठाकुर, डॉ राकेश कुमार, डॉ जी ममडी राठौर, डॉ संजय कुमार, डॉ इन्दु कुमारी, डॉ धनन्जय कुमार सिंह, डॉ राकेश रंजन, डॉ आशीष प्रताप सिंह, संजय कुमार सिंह, आलोक कुमार सिंह, दुर्योधन कुमार,शम राजकुमार आदि मौजूद रहे।

पीजी शिक्षक संघ की कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। जयप्रकाश विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर शिक्षक संघ के पदधिकारियों एवं कार्यकारिणी के सदस्यों की बैठक भौतिक विज्ञान विभाग में सम्पन्न हुई। बैठक में भौतिक विज्ञान विभाग के अध्यक्ष-सह-सचिव शिक्षक संघ द्वारा इस बात पर उजागर किया गया कि उनके विभाग में कार्यरत एकमात्र शिक्षकेतर कर्मी को बिना कुछ बताए अचानक हटा दिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन के इस निर्णय से विभाग के गैर-शैक्षणिक कार्यों के सम्पादन में बाधा उत्पन्न हो गई है। संघ के सचिव प्रो. महेन्द्र सिंह ने यह बताया कि उक्त पत्र कुलपति महोदय के आदेश के बिना निकला है इसलिए यह विधिसम्मत नहीं है। उन्होंने बताया भौतिक विज्ञान किसी भी विश्वविद्यालय के बुनियादी और केन्द्रीय अनुशासनों में से एक है। अतएव इस विभाग को डिस्टर्ब करना ठीक नहीं है। बैठक में आमंत्रित विशेष सदस्य डॉ. लक्ष्मण सिंह एवं डॉ. अच्युतानंद सिंह थे। इन लोगों ने भी इस प्रसंग को लेकर गहरी चिंता जाहिर की। अतैव स्नातकोतर शिक्षक संघ सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित करता है कि विश्वविद्यालय प्रशासन तत्क्षण विधिसम्मत निर्णय लेते हुए स्थापनाकाल से ही कार्यरत उक्त शिक्षकेतर कर्मी को विभाग में ही रहने दे। इस बैठक में अध्यक्ष प्रो. सिद्धार्थ शंकर, प्रो. राणा विक्रम सिंह, प्रो अजीत तिवारी,प्रो दिब्याशु कुमार, डॉ विकास चौहान और डॉ अभय कुमार सिंह उपस्थित थे।

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर जिला परिषद शिक्षक के विरुद्ध दर्ज हुई प्राथमिकी

प्रात : किरण संवाददाताह

छपरा कार्यालय। जिलाधिकारी द्वारा सभी सरकारी विद्यालयों में दीक्षांत समारोह -सह- अभिभावक गोष्ठी का आयोजन विगत 8 अप्रैल को करने का आदेश दिया गया था। इस समारोह का आयोजन प्रभावी आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का अक्षरशः अनुपालन करते हुये करने का स्पष्ट रूप से निदेश दिया गया था। सभी सरकारी विद्यालयों में 8 अप्रैल को दीक्षांत समारोह सह अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। के०एस० उच्च विद्यालय, इसुआपुर में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर मंच पर आसीन किया गया। इस मामले की जाँच कराई गई। जाँच में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक (जिला परिषद शिक्षक) श्री विनोद कुमार साह को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन हेतु दोषी पाया गया। उक्त आलोक में श्री साह के विरुद्ध आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर इसुआपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

जो बोले सो निहाल से गुलजार हुआ गुरुद्वारा परिसर..

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। छपरा शहर के श्रीनंदन पथ स्थित गुरुद्वारा में आज 325वां खालसा पंथ दिवस सह वैशाखी कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, इस अवसर पर दलजीत सिंह ग्रंथि द्वारा गुरुवाणी कीर्तन व अरदास भजन किये गए. इस अवसर पर गुरुद्वारा के सचिव सरदार राजू सिंह ने बताया की आज के ही दिन 325 वर्ष पूर्व सिख पंथ की स्थापना की गयी थी, जिसका विश्व भर में स्थापित सम्पूर्ण सिख समाज आदरपूर्वक हर्षोल्लास के साथ मनाता आ रहा है. इस अवसर पर छपरा शहर सहित विभिन्न जगहों से आकर लोगों ने गुरूद्वारे परिसर में माथा टेका. गुरूद्वारे में समाज हित में बेहतर कार्य करने सामाजिक संस्था के प्रमुख लोगों को सम्मानित भी किया गया. ाम्मानित होने वालों में से छपरा विद्यायक एवं चिकित्सक डॉ सी एन गुप्ता, अमनौर के पूर्व विधायक शत्रुघ्न तिवारी ऊर्फ चोकर बाबा, उप महापौर रागिनी गुप्ता, अधिवक्ता विधि मंडल के अध्यक्ष गंगोत्री प्रसाद, विभिन्न सामाजिक संस्थाओ के प्रमुख आदित्य अग्रवाल, हिन्दू धर्म प्रचारक अरुण पुरोहित, सारण आई टी आई से बिनोद सिंह आशीष माहेश्वरी, अमित गोल्ड, दीनदयाल प्रसाद अधिवक्ता, राजेश डाबर, पुनीत गुप्ता,मोहन जी, गुरुचरण कौर, प्रियंका कुमारी, किरण सिंह, नूतन गुप्ता, प्रीती कौर सहित भारी संख्या में श्रद्धालू उपस्थित हुए..

हनुमान प्राण प्रतिष्ठा को ले निकली कलश यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

परसा। प्रखंड के बहरमांड़र पंचायत स्थित बनकेरवा गांव मे नवनिर्मित हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को ले ग्रामीणों के द्वारा 24 घण्टे का अखण्ड अष्टयाम का आयोजन किया गया।आचार्य अशोक मिश्रा,विश्वकेश्वरी सिंह व सुभाषचंद्र सिंह के नेतृत्व में भव्य कलश यात्रा निकाली गई।कलश यात्रा पवित्र यज्ञ स्थल से बनकेरवा,परसौना,जोड़ा मन्दिर परिभ्रमण करते गंडक नदी पहुची जहा आचार्य अशोक मिश्रा द्वारा वैदिकमंत्रोचारण के बीच कलश में जलभरी कराइ गई।पुनः कलश यात्रा परसौना, परसादी ,बनकेरवा होते हुए पवित्र यज्ञ स्थल पहुची।समाजसेवी सुभाषचंद्र सिंह ने बताया कि हनुमान

मंदिर प्राणप्रतिष्ठा को लेकर हनुमान मूर्ति को 14 अप्रेल को नगर परिभ्रमण कराया जायगा और 15 अप्रैल को प्राणप्रतिष्ठा के उपरांत अखंड अष्टयाम प्रारंभ किया जायेगा।कलशयात्रा में मुखिया सुनील कुमार राम,पैक्स अध्यक्ष सजंय कुमार सिंह, अजय सिंह,सरपंच जनार्दन राम,आचार्य अशोक मिश्रा,विश्वकेश्वरी सिंह, सुभाषचंद्र सिंह,विश्वबंधु सिंह,दीनबन्धु सिंह, जशवंत, बलवंत,पिंटू,निर्मला देवी,रीना कुमारी,ज्योति कुमारी सहित सैकड़ों महिला पुरूष व युवतियां लाल पीले वस्त्र में शामिल थे।

शहीद सिपाही अभय सिंह का मना शहादत दिवस

प्रात : किरण संवाददाता

इसुआपुर। इसुआपुर थाना क्षेत्र के शामपुर गांव निवासी स्वर्गीय ब्रिज किशोर सिंह के प्रथम पुत्र सीआरपीएफ में कार्यरत शहीद सिपाही अभय सिंह का शहादत दिवस शनिवार को उनके पैतृक आवास पर मनाया गया। वे असम के कोकराझार जिले के ग्वालपारा मे कार्यरत थे। जहां आतंकवादी मुठभेड़ में शहीद हो गए थे। शहादत दिवस के मौके पर सीआरपीएफ मुजफ्फरपुर ग्रुप सेंटर के सहायक कमांडेंट अमित कुमार सिंह, एएसआई मृत्युंजय कुमार सिंह, कांस्टेबल चंदन कुमार सिंह, विजय कुमार राय, लालबाबू चौहान, सुमन सौरभ, जयप्रकाश सिंह ने पहुंच कर अपने प्रिय जांबाज साथी के तैल चित्र पर पुष्प गुच्छा अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही उपस्थित लोगों से शहीद सिपाही अभय कुमार सिंह की वीरता और बहादुरी का बखान किया। वहीं सामाजिक कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों जिला पार्षद छविनाथ सिंह,पूर्व मुखिया राज किशोर सिंह, ओमप्रकाश सिंह,नवनीत सिंह, शहीद सिपाही पुत्र अभीष्ट कुमार सिंह, प्रशांत कुमार सिंह, डॉक्टर प्रदीप कुमार लाला, शुभ नारायण सिंह सहित सैकड़ो लोगों ने भी शहीद सैनिक के तैल चित्र पर फूलमाला चढ़ा कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

चैती छठ को लेकर रसूलपुर के युवकों ने सुखे तालाब को भर घाट चमकाये

प्रात : किरण संवाददाता

रसूलपुर। स्थानीय चट्टी सहित विभिन्न गांवों में चैती छठ को ले कर उत्साह है।शनिवार को बाबा दुर्गेश्वरनाथ पंच मंदिर अवस्थित सुखे पोखरे को पानी चला युवकों द्वारा भरा गया।छठ घाट की सीढ़ियों व छठ प्रतिमा का रंग रोगन किया गया।सामुहिक सहयोग करने वालों में उप मुखिया मनोज प्रसाद,रंजन तिवारी,फिरोज मियां,सन्नी तिवारी,उपेंद्र,सुशील पांडेय,पवन कुमार,संतोष प्रसाद छोटू शर्मा आदि प्रमुख थे।मुखिया प्रतिनिधि मिथिलेश प्रसाद ने बताया कि चैती छठ में भी बढ़ रहे व्रतियों को देखते हुए सुविधा उपलब्ध गांव के युवक करा रहे हैं।

डीडीसी ने किया प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। उप विकास आयुक्त प्रियंका रानी, सारण द्वारा शनिवार को 19-महाराजगंज लोक सभा आम निर्वाचन - 2024 एवं 20- सारण लोक सभा आम निर्वाचन 2024 के निमित एल एन बी हाई स्कूल, छपरा में आयोजित मतदान कर्मियों का यथा- ढड, ढ1,ढ2,ढ3, टड के प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में मतदान कर्मियों को निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़ी विभिन्न आशंकाओं का समाधान किया गया। साथ ही निदेशित किया गया कि सभी कर्मी समुचित ढंग से प्रशिक्षण प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे ताकि मतदान की तिथि को निर्वाचन संबंधी कार्यो एवं दायित्वों के सम्यक निर्वहन में कोई कठिनाई उत्पन्न न हो और सुगमता पूर्वक मतदान की प्रक्रिया संपन्न की जा सके।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने दिया तत्तपरता से दिया कार्य का निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। लोक सभा आम चुनाव के निमित्त आज शनिवार को इवीएम का विखण्डन कार्य शुरू किया गया। इसके लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- जिला पदाधिकारी अमन समीर ने राजनीतिक दलों की उपस्थिति में सदर प्रखंड के निकट अवस्थित इवीएम वेयरहाउस का सील खुलवाया। उन्होंने बताया कि इवीएम की पारदर्शिता को बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग के स्तर पर फूलप्रूफ व्यवस्था की गयी है। अभी तक जिला को उपलब्ध सभी मशीनें डीईओ के लॉगइन में हैं। अर्थात इनका कस्टोडियन मैं हूँ। जैसे ही यह मशीनें विधान सभा वार विखण्डित होकर चुनाव आयोग के विशेष ऐप ईएमएस पर स्कैन होंगी उक्त मशीनें उस विधान सभा में प्रदर्शित होने लगेंगी।इसके साथ ही उन मशीनों के कस्टोडियन संबंधित एआरओ हो जाएंगे। इस प्रक्रिया के संपन्न होने के बाद मशीनों को संबंधित विधान सभा के डिस्पैच सेंटर को भिजवा दिए जाएंगे। डीएम श्री समीर ने बताया कि एक बॉक्स में 10 मशीन रखे गए हैं। परंतु कौन सी मशीन कहां गयी इसको सॉफ्ट वेयर रैंडमाइजेशन के द्वारा तय करता है।उसमें कोई भी काम मैनुअल नहीं होता। न ही इसमें कोई बदलाव किया जा सकता है। इसी प्रकार किस बूथ पर किन मशीनों का सेट जाएगा इसे भी द्वितीय रैंडमाइजेशन में ऐप ही सुनिश्चत करता है। उन्होंने शुक्रवार को रैंडमाइज्ड सूची से कौन सी मशीन किस विधान सभा को अलॉट की गयी है, इसे खोज कर दिखाया।उन्होंने कहा कि प्रत्येक ईवीएम मशीन की मशीन यूनिक आईडी पूरे देश में इकलौती है। इसे चुनाव आयोग ईएमएस ऐप द्वारा ट्रैक कर सकता है कि कौन सी विशिष्ट मशीन किस राज्य, जिला, विधान सभा और बूथ पर है। उन्होंने कहा कि यह सब इवीएम के प्रयोग में पारदर्शिता लाने के लिए किया गया है। उन्होंने कार्य में लगाए गए अधिकारियों और कर्मियों को सूक्ष्मता और संयम के साथ त्रुटि रहित कार्य करने का निदेश दिया। इस अवसर पर नगर आयुक्त सुमित कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी जावेद एकबाल, डीएमडब्लूओ रवि प्रकाश, डीसीओ हरिशंकर प्रसाद, राजद के उपेंद्र यादव, एलजेपीआर के दीपक कुमार सिंह, भाजपा के सत्या सिंह आदि उपस्थित थे।

पुलिस ने थाना क्षेत्र के ड्यूमाइगढ घाट के समीप से अंग्रेजी शराब लदी एक नौका किया जब्त

प्रात : किरण संवाददाता

माँझी। शुक्रवार की रात माँझी थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के ड्यूमाइगढ घाट के समीप से अंग्रेजी शराब लदी एक नौका जब्त किया है। माँझी थाने के एएसआई अनिल कुमार के नेतृत्व में गई पुलिस टीम को देखते है तस्कर अंधेरे का लाभ उठाकर भाग निकले। पुलिस सूत्रों ने बताया कि तस्कर सरयु के रास्ते नाव से शराब की खेप ला रहे थे। सूचना पाकर पहुँची पुलिस ने नौका से लगभग 144 लीटर अंग्रेजी शराब समेत नौका को जब्त कर लिया है। पूछे जाने पर थानाध्यक्ष अमित कुमार राम ने बताया कि तस्करों की पहचान कर शीघ्र ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से शराब तस्करों में हड़कम्प ब्याप्त है।

अंतर्राष्ट्रीय रंगोत्सव प्रतियोगिता में बीकेकेजी के छात्राओं का परचम

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। ब्रजकिशोर किंडरगार्टन में शुक्रवार को अंत-र राष्ट्रीय रंगोत्सव प्रतियोगिता(हाथ से लिखना, रंग भरना, स्केच बनाना, उंगली और अंगूठे से पेंटिंग करना, कोलाज बनाना। कार्टून मेकिंग, ग्रीटिंग कार्ड मेकिंग) में 41 बच्चों ने अपना परचम लहराते हुए मेडल प्राप्त कर विद्यालय का नाम रौशन किया) विजयी बच्चों में छात्रा सिद्धी रानी (IXB) ने दूसरा पुरस्कार (एलेक्सा + एमएफ हुसैन मेमेंटो) प्राप्त कर अपनी बेहतरीन प्रतिभा का परिचय दिया । 17 बच्चों ने इन्टरनेशनल मेडल, 14 बच्चों ने इन्टरनेशनल आर्ट ऑफ मेरिट अवॉर्ड एवं 8 बच्चों ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। से पेंटिंग करना, कोलाज बनाना। कार्टून मेकिंग, ग्रीटिंग कार्ड मेकिंग) सिद्धि रानी (क्ह) ने दूसरा पुरस्कार (एलेक्सा + एमएफ हुसैन मेमेंटो) प्राप्त कर अपनी बेहतरीन प्रतिभा का परिचय दिया । 17 बच्चों ने इन्टरनेशनल मेडल, 14 बच्चों ने इन्टरनेशनल आर्ट ऑफ मेरिट अवॉर्ड एवं 8 बच्चों ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

नगरा में मजार पर की गई चादरपोसी

नगरा। प्रखंड क्षेत्र के नगरा में हजरत मखदूम सूफी शाह अली अहमद साहब हनफी नक्शबंदी के 17 वां सालाना उर्स मुबारक के मौके पर शनिवार को हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मखदूम सूफी के मजार पर चादरपोसी की गई.साथ ही शीरनी फातेहा की गई. वहीं इस मौके पर सैकड़ों अकीदतमंदों ने मजार शरीफ पर चादरपोशी और पुष्प अर्पित करके दुआएँ मांगी. वहीं इस मौके पर सूफी रुस्तम अली ने बताया की यहां हर वर्ष चादर पोसी की जाती है,इस वर्ष भी चादर पोसी की गई है.इस मौके पर सूफी रुस्तम अली अंसारी, हाजी मो. कासीम, रहमत अली कादरी, नगरा मस्जिद के इमाम मो. कलामुद्दीन, खैरा पंचायत के पूर्व मुखिया खैरा इरशाद अहमद, शाजिद आलम सोनू, मो. शाहबुद्दीन ,संजय पांडेय , बबलू कुमार ,राजू कुमार, मिथिलेश राय, संजीत कुमार, डॉ.अजमत हुसैन, शमीम खान, शेख बदरूजामा, शाहनाज सिद्दीकी, पूर्व उप सरपंच साहेब अली,मो.ग्यासुद्दीन सहित अन्य अकीदतमंद मौजूद थे.

माता रानी और हनुमान जी के प्राण प्रतिष्ठा तथा अष्ट्याम को ले कर भव्य कलश यात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

गड़खा। प्रखंड क्षेत्र के टहलटोला स्थित महारानी स्थान में शनिवार को माता रानी ,भैरव बाबा और हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा तथा 24 घंटे के अखंड अष्टयाम को लेकर भव्य कलश यात्रा श्रीधर बाबा के शिष्य मुरारी स्वामी के नेतृत्व में निकाली गई। हाथी घोड़े डीजे बैंड बाजा के साथ सैकड़ो महिला और पुरुष लाल पीले वेस्टन से सुशोभित हो शोभा यात्रा में शामिल हुए। कलश यात्रा मंदिर परिसर से होते हुए मठिया, जिल्काबाद रसलपुरा होते हुए डोरीगंज घाट पहुंची। जहां पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कलश में जल भरवाया गया। मौके पर सुभाष राय भगत, वार्ड संघ के प्रखंड अध्यक्ष कामेश्वर राय, श्यामबाबू राय धनु राय, झगरू राय ,राम पुकार राय ,वीरू कुमार, लालमोहन राय , रणधीर राय, निरंजन कुमार, उमेश राय, विनोद राय, अशोक कुमार ,वार्ड उमेश राय, पुलिस राय, शिक्षक मनोज राय, भीष्म राय, नीरज कुमार सहित अन्य आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि रविवार को प्रतिमा की जलाधिवास एवं सोमवार को प्राण प्रतिष्ठता था अखंड अष्टयाम प्रारंभ होगी मंगलवार को पूणार्हुति के अवसर पर रात्रि में व्यास बूढ़ा सिंह एवं हेमंत गिरी का कार्यक्रम होगी।

सारण, सिवान जिले के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं महाराजगंज, गोरियाकोठी विधानसभा क्षेत्र के एआरओ व अन्य संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। लोकसभा आम चुनाव के अवसर पर महाराजगंज लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत पड़ने वाले सिवान जिला के महाराजगंज एवं गोरियाकोठी विधानसभा क्षेत्र में पूर्व तैयारी एवं मतदान के दिन की व्यवस्था हेतु समन्वय को लेकर शनिवार को सारण एवं सिवान जिला के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं दोनों विधानसभा के एआरओ एवं अन्य संबंधित पदाधिकारियों के साथ समाहरणालय सभागार में बैठक आहुत की गई। निर्वाचन के व्यवस्थित ढंग से आयोजन को लेकर आवश्यक समन्वय के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई एवं आवश्यक निर्णय लिया। लिये गए निर्णय के आलोक में संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निदेश दिया गया। नाम निर्देशन हेतु निर्वाचक सूची एवं अंतिम समेकित निर्वाचक सूची की तैयारी को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। स्ट्रांग रूम एवं डिस्पैच सेंटर के संबंध में संबंधित एआरओ से विस्तृत जानकारी ली गई। सभी व्यवस्था निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानक एसओपी के अनुरूप सुनिश्चित करने को कहा गया। मतदान के दिन बाजार समिति छपरा स्थित ईवीएम संग्रहण केंद्र पर ईवीएम प्राप्त करने के लिए कर्मियों एवं पदाधिकारियों को समय से वहाँ पहुंचने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। दोनों विधानसभा क्षेत्र के एआरओ को भी समय से बाजार समिति में उपस्थित रहने को कहा गया। ईवीएम कमिशनिंग हेतु एवं मतदान दल को दी जाने वाली सामग्रियों के बारे में सिवान जिला एवं आरओ स्तर से सारण से दी जाने वाली सामग्रियों के बारे में स्पष्टता से बताया गया। वाहन टैगिंग हेतु विधानसभा क्षेत्र वार अलग अलग रंगों के स्टीकर का उपयोग करने का निदेश दिया गया। इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों के लिये महाराजगंज लोकसभा के प्रेक्षक के लिये अलग से एक लायजनिंग पदाधिकारी को प्रतिनियुक्त करने को कहा गया ताकि प्रेक्षक के भ्रमण के दौरान समन्वय का आभाव नहीं हो। इन दोनों विधान सभा के भेद्य एवं क्रिटिकल मतदानकेन्द्र एवं कारक तत्वों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई के संबंध में जानकारी ली गई। दोनों विधानसभा क्षेत्रों में शस्त्रों के सत्यापन के संबंध में रिपोर्ट भेजने को कहा गया। पोस्टल बैलट के माध्यम से मतदान के संबंध में प्रतिदिन का रिपोर्ट प्रेषित करने को कहा गया। पोस्टल बैलट से मतदान की प्रक्रिया समाप्त होने के उपरांत सभी सील्ड मतपत्रों को निर्धारित सुरक्षा के मानकों के अनुपालन के साथ महराजगंज लोकसभा के निवार्ची पदाधिकारी के पास भेजने को कहा गया।

संक्षिप्त खबरें

शराब के साथ महिला कारोबारी को पुलिस ने भेजा जेल

काराकाट (रोहतास) काराकाट प्रखंड अंतर्गत कछवां थाना क्षेत्र के ग्राम पहरमा लख दलित मोहल्ला से चुलाई शराब के साथ दो दलित महिला कारोबारी को उत्पाद विभाग की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जानकारी देते हुए अनुमंडलीय उत्पाद निरीक्षक भिखारी कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर काराकाट प्रखंड अंतर्गत कछवां थाना के ग्राम पहरमा लख दलित मोहल्ला से छापेमारी कर दो दलित महिला कारोबारी के पास से पांच-पांच यानी कुल मिलाकर 10 लीटर चुलाई शराब बरामद किया गया। साथ ही साथ दो दलित महिला कारोबारी को भी गिरफ्तार कर संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत सासाराम जेल भेज दिया गया।

मतदाता प्रतिशत में वृद्धि को लेकर निकाली गई साईकिल रैली

नोखा (रोहतास) नोखा प्रखंड के नोनसारी पंचायत में लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर मतदाता प्रतिशत बढ़ाने के लिए निकली गई साईकिल रैली। साथ ही शत प्रतिशत मतदान करने के लिए पंचायती राज पदाधिकारी सुनील कुमार सिन्हा ने वोटरों को जागरूक करते हुए पूरी तैयारी में जुटे है। कार्यक्रम का शुभारंभ नोनसारी पंचायत सरकार भवन से प्रारंभ किया गया। पंचायत में साईकिल भ्रमण को देख ग्रामीण लोगों में काफी मतदान को लेकर जागरूकता दिखी। इस अवसर पर पंचायती राज पदाधिकारी ने बताया कि लोकसभा चुनाव में मतदाता प्रतिशत में बढ़ोतरी को लेकर गांव के लोगों को मताधिकार के प्रति जागरूक कर साईकिल रैली आयोजित की गई।

हनुमान प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकाली गई कलश शोभायात्रा

नोखा (रोहतास) नगर परिषद क्षेत्र के पश्चिम पट्टी दुर्गा मंदिर से भगवान श्री राम भक्त हनुमान जी महाराज के स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शनिवार को कलश शोभायात्रा निकाली गई। जिस शोभायात्रा का शुभारंभ होते हुए मंत्र उच्चारण के बाद कलश में जल भरकर पश्चिम पट्टी दुर्गा मंदिर पहुंच संपन्न होगा। इसकी जानकारी देते हुए नोखा पश्चिम के पूर्व जिला पार्षद सदस्य रवि शंकर सिंह ने बताया कि 15 अप्रैल को प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ का प्रसाद वितरण भी किया जाएगा। जिस पूजन में हजारों की संख्या में कलश शोभायात्रा में भक्त बढ़चढ़ भाग लें। मौके पर दुर्गा मंदिर कमिटी अध्यक्ष हरक सिंह, अनुराग सिंह, मुन्ना चंद्रवंशी, परशुराम बैठा, सुनील पटेल, बबलू सिंह, वीर बहादुर सिंह, मुन्ना कुमार सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

राम नवमी शोभा यात्रा प्रचार रथ का संत देवराहा बाबा ने भगवा झंडा दिखाकर किया रवाना

आरा। श्री राम नवमी शोभा यात्रा समिति के अध्यक्ष देवराहा श्री शिवनाथ दास जी महाराज के द्वारा रामनवमी शोभा यात्रा प्रचार गाड़ी को भगवा झंडा दिखाकर महादेवा शिव मंदिर से प्रचार रथ को रवाना किया ,राम भक्तों को का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि सभी लोग प्रभु श्री राम की सेवा में लगे हैं, प्रभु श्रीराम सभी मनोकामना को पूर्ण करेंगे ।उन्होंने बताया कि कलयुग में जीवन सफल बनाने का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है प्रभु श्री राम का नाम लेना। जय श्रीराम का जय घोष करना ।इसलिए हर समय सभी लोग राम का नाम लेते रहें, रामनवमी शोभा यात्रा 17 अप्रैल को आरा के रामगढ़िया से हजारों राम भक्त के साथ झांकियां भी इस में सामिल होंगी इस कार्यक्रम में संजीव कुमार सिंह नवीन सिंह शंभू चौरसिया मनीष कुमार विभु जैन अन्य राम भक्त उपस्थित थे

नशेड़ी को पुलिस ने भेजा जेल

नावानगर (बक्सर) सिकरौल थानाध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस ने एक नशेड़ी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नशेड़ी चमीला गांव निवासी वीर बहादुर ठाकुर है। इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष ने बताया कि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी की चमिला गांव में एक नशेड़ी शराब के नशे में हंगामा कर रहा है। सूचना पर तत्काल पहुच कर नशेड़ी को गिरफ्तार किया गया गिरफ्तार नशेड़ी का मेडिकल कराया गया मेडिकल में अल्कोहल की पुष्टि होते ही नशेड़ी को कोर्ट भेज दिया गया। वही दूसरी तरफ सिकरौल थानाध्यक्ष के नेतृत्व में भदार में छापेमारी किया गया ।छापेमारी में भदार गांव से कोर्ट के वारंटी महेंद्र तुरहा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव, जाँच में जुटी आरपीएफ

प्रात: किरण संवाददाता

रोहतास। पंडित दीनदयाल उपाध्याय गया रेलखंड के करवंदिया रेलवे स्टेशन के समीप बीते रात कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा बनारस रांची वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव किए जाने से कोच संख्या 37 में एक खिड़की का कांच क्रैक हो गया है।

बताया जाता है कि बनारस से चलकर रांची को जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस जब सासाराम रेलवे स्टेशन से निकली तो चार-पांच किलोमीटर के सफर के बाद हीं अचानक कोच संख्या 37 के एक खिड़की पर तेज पत्थर लगा। जिससे खिड़की का कांच क्रैक हो गया। रेलवे में सफर कर रहे यात्री द्वारा तत्काल इसकी सूचना रेलवे को दी गई। जिसके बाद ट्रेन एस्कॉर्ट टीम एवं अन्य स्टाफ द्वारा भी क्षतिग्रस्त खिड़की का मुआयना किया गया। घटना के संदर्भ में जानकारी देते हुए आरपीएफ निरीक्षक संजीव कुमार ने बताया कि पत्थर लगने की सूचना पर सासाराम स्टेशन के उप निरीक्षक सुशील कुमार द्वारा जांच के क्रम में उक्त गाड़ी में तैनात ट्रेन एस्कॉर्ट पार्टी व अन्य स्टॉफ से पूछताछ की गई है। जिनके द्वारा बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस के सासाराम स्टेशन से समय 17:52 बजे खुलने के तुरंत बाद कोच संख्या 37 के एक खिड़की का कांच क्रैक पाया गया था। इस संबंध में जब सीट नंबर 25 पर बैठे यात्री अमरेंद्र कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि सासाराम स्टेशन से तीन-चार किलोमीटर दूर करबंदिया स्टेशन के समीप अचानक ट्रेन की खिड़की से तेज आवाज आई और देखा कि मेरे सामने दक्षिण साइड का कांच क्रेक हो गया है। गाड़ी में रेलवे के ऑन ड्यूटी स्टाफ को तुरंत सूचित किया गया। जिसके बाद रेलवे स्टाफ ने भी उक्त कोच में पहुंचकर क्षतिग्रस्त कांच का मुआयना किया। वहीं आरपीएफ निरीक्षक ने बताया कि फिलहाल घटना की गहनता से जांच की जा रही है तथा जल्द हीं शरारती तत्वों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

चोरों ने दरवाजे पर खड़ी स्कार्पियो को रात के अंधेरे में उड़ाया

प्रात: किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास)। थाना क्षेत्र के घुसियां खुर्द पंचायत के गांव से शनिवार की अहले सुबह करीब 3 बजे एक स्कॉर्पियो गाड़ी चोरी हो गई। जो पंचायत बिक्रमगंज थाना से महज 3 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। चोरी हुई स्कॉर्पियो का नंबर BR 26W 1528 बताया जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गाड़ी ऑनर विनय कुमार सिन्हा है।

बताया जाता है कि वह अपने दरवाजे पर प्रत्येक दिन की भांति शुक्रवार को गाड़ी खड़ा कर रखा था। जिसकी गाड़ी चोरी की सूचना सबसे पहले उनके मोबाइल पर मैसेज के द्वारा प्राप्त हुई। जिसके बाद काफी खोजबीन के पश्चात भी कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित ने चोरी की घटना को लेकर स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज करा दी है। घटना के पश्चात गांव में चर्चा का विषय बना हुआ क्योंकि ऐसी घटनाएं पूर्व में भी घट चुकी है । आसपास के लोगों ने आशंका जताते हुए कहा कि चोरी की घटना में प्रशिक्षित मिस्त्री के द्वारा ही ऐसी घटना को अंजाम दिया जा सकता है। इस घटना के संबंध में प्रोफेसर सुनील कुमार,विकास कुमार,राजीव कुमार , मुखिया विनय प्रकाश चौधरी,सुशील कुमार, अनिल कुमार तथा काराकाट लोकसभा के संयोजक नवीन चंद्र साह सहित अन्य लोगों ने स्थानीय प्रशासन के प्रति कड़ी निंदा की है।

खरना के साथ 36 घंटे का निर्जला छठ व्रत शुरू, आज पहला अर्घ्य

सप्तमी को उदीयमान सूर्य अर्घ्य के साथ छठ व्रत होगी संपन्न

प्रात: किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) लोक आस्था का महापर्व चैती छठ पूजा के दूसरे दिन शनिवार को व्रतियों ने खरना का प्रसाद ग्रहण किया। जिसके बाद 36 घंटों का निर्जला व्रत शुरू हो गया। व्रती रविवार को अस्ताचलगामी व सोमवार को उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देंगे। खरना पूजा के लिए व्रतियों ने सुबह से ही तैयारी की थी। जो शाम होते ही रोटी और गुड़ की खीर बनाकर विधिवत पूजन व अर्चन कर भगवान भास्कर को भोग अर्पित किया। तत्पश्चात व्रतियों ने भी प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान घर की महिलाओं ने छठी मैया के पारंपरिक गीत गाए। छठ व्रतियों ने बताया कि पहला अर्घ्य से एक दिन पूर्व शाम में स्नान कर विधि विधान से रोटी और गुड़ से बनी खीर का प्रसाद तैयार किया जाता है। खीर के अलावा मूली, केला भी होता है। इन सभी को साथ रखकर ही पूजा की जाती है। साथ ही मिट्टी के चूल्हे पर आम की लकड़ी जलाकर प्रसाद तैयार किया जाता है। जिसे भगवान भास्कर की पूजा अर्चना करने के बाद प्रसाद ग्रहण करने की परंपरा है। गौरतलब है कि चार दिवसीय इस अनुष्ठान में साफ सफाई और पवित्रता का खास ख्याल रखा जाता है। चैती छठ पर्व का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है। इस पर्व को प्रकृति का त्योहार भी कहा जाता है, रविवार को छठ व्रतियों द्वारा डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। जबकि सप्तमी तिथि सोमवार को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिए जाने के बाद पूजा का समापन कर व्रत का पारण किया जाएगा। पर्व में व्रती लगातार 36 घंटे का निर्जला व्रत रखती हैं जो अपने आप में बड़ी बात है। छठ पर्व में सूर्य देव की पूजा की जाती है और उन्हें अर्घ्य दिया जाता है जो धरती पर जीवन के स्रोत है।

स्वीप मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास) प्रखंड क्षेत्र के मानिकपरासी एवं किरही पंचायत में स्वीप कार्यक्रम के तहत मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। उच्च माध्यमिक विद्यालय मानिकपरासी एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय किरही,अमौरा में छात्र छात्राओं ने साइकिल रैली निकाल मतदाताओं को जागरूक किया। वही बीडीओ राहुल कुमार सिंह ने बताया कि जिला पदाधिकारी रोहतास नविन कुमार के निर्देश के मतदाताओं को जागरूक करने के लिए विद्यालयों द्वारा स्वीप कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत उच्च माध्यमिक विद्यालय मानिक परासी और उच्च माध्यमिक विद्यालय किरही में छात्र-छात्राओं ने जागरूकता रैली निकाल मतदाताओं को जागरूक किया। कार्यक्रम में अंचलाधिकारी काराकाट, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी काराकाट, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी काराकाट, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी काराकाट, बीपीएम जीविका एंव संबंधित पंचायत के बी एल ओ, विकास मित्र, पंचायत सचिव, पंचायत रोजगार सेवक, किसान सलाहकार,आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी, आशा कार्यकर्ता सहित अन्य वरीय पदाधिकारी शामिल थे।

रामनवमी पर्व को लेकर भगवा ध्वज से सजा बाजार

प्रात: किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) रामनवमी पर्व नजदीक आते ही अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सभी प्रखंडों के बाजारों में भगवा ध्वजों का बाजार गर्म हो गया है। जिसको लेकर बाजारों में जगह-जगह टेलरों की दुकानों में भगवा ध्वज सिलने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है । वहीं कई दुकानों में रेडीमेड झंडे बिक रहे हैं । लोगों में रामनवमी पर्व को लेकर खासा उत्साह नजर आ रहा है। राम नवमी पर्व की तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं । पर्व के मद्देनजर राम भक्तों में भगवा ध्वज सिलवाने और उसे घरों व दुकानों की छतों पर लगाने की होड़ मची हुई है । बाजार भी भगवा ध्वजों से सज गया है। दुकानदारों ने भगवा ध्वजों की दुकानें सजा ली हैं, जहां जय श्रीराम लिखे हुए भगवा झंडों की जमकर बिक्री हो रही है। जो दुकानों में 10 से लेकर 200 रुपये तक के भगवा ध्वज उपलब्ध हैं। उधर शहर में सड़कों और छतों में सजावट को 10-10 मीटर तक के भगवा झंडे तैयार कराए जा रहे हैं। राम भक्तों ने कपड़े की खरीदारी कर टेलरों की दुकानों पर सिलवाने को भगवा ध्वजों का आर्डर दे रहें है।

ग्राम भारती महाविद्यालय रामगढ़ में किया गया मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

कैमूर। शनिवार को ग्राम भारती महाविद्यालय,रामगढ़ कैमूर की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई एक एवं इकाई दो के तत्वाधान में मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गयो इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों,शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने मतदान करने की शपथ ली कार्यक्रम कि अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो (डॉ) राधेश्याम सिंह ने किया।

उन्होंने भारतीय लोकतंत्र में मतदान की महत्ता पर प्रकाश डालो राष्ट्रीय सेवा योजना एक के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ .यादवेंद्र दुबे ने मतदाता शपथ दिलाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को राजतंत्र एवं लोकतंत्र का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत करते हुए जनता के अधिकार के लिए मतदान की महत्ता को सारगर्भित रूप से लोकतंत्र के निर्विवाद आवश्यकता के बारे में विस्तार से चर्चा किया।राष्ट्रीय सेवा योजना दो कि कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ प्रियदर्शिनी सिंह ने लोकतंत्र में युवाओं एवं महिलाओं की महती भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डालो कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ.दिनेश सिंह , डॉ.गजानंद सिंह, डॉ. प्रेम शंकर सिंह डॉ. अमोद प्रकाश चतुर्वेदी, डॉ. अजय कुमार चौधरी, डॉ धर्मेंद्र सिंह, डॉ प्रियंका सिंह, डॉ संजय, भोला सिंह, धनंजय सिंह आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. विकास यादव ने किया।

पेयजल आपूर्ति ठप्प एक एक बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं ग्रामीण

पहाड़ी गांवों में नल जल योजना फ्लॉप पीने के पानी के लिए तरसे ग्रामीण

प्रात: किरण संवाददाता

कैमूर। चांद प्रखंड में पहाड़ी क्षेत्रों में बसे गांवों में गर्मी की शुरूआत में पेयजल आपूर्ति पुरी तरह ठप्प हो गई है। ग्रामीण पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं। पीएचईडी विभाग एवं ग्राम पंचायत ग्रामीणों को पेयजल उपलब्ध कराने में पुरी तरह बिफल साबित हो रहा है। ग्रामीणों ने पीएचईडी विभाग एवं ग्राम पंचायत पर उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। कैमूर पहाड़ी की गोंद में बसे गांवों के ग्रामीण एक एक बूंद पानी की पानी के लिए तरस रहे हैं।भरारी कला ढेढुआ बसहा खरौली भरारी खुर्द सोंगर आदि गांवों में पेयजल की स्थिति बहुत खराब हो गई है। सरकारी चापाकल मरम्मत के अभाव में बंद हैं।भू जल स्तर नीचे खिसकने से कुंआ सुखा पड़ा हुआ है। जानकारी होने के बाद भी पीएचईडी विभाग नहीं ग्राम पंचायत ने चापाकल मरम्मत कार्य कराया। ग्रामीणों को दुसरे के मेहरबानी पर पीने का पानी मिल पा रहा है।

ग्रामीणों को पीने की पानी उपलब्ध कराने के लिए किसी तरह का प्रयास नहीं किया जा रहा है ।जिसे लेकर ग्रामीणों में बहुत आक्रोश है। आगामी लोकसभा चुनाव का समय होने के बाद भी मतदाताओं की उपेक्षा हैरान करने वाला है ।अजादी के वर्षो बाद भी कैमूर के पहाड़ियों में स्थित गांवों में आज भी पीने की पानी की समस्या जस की तस बनी हुई है। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नल जल योजना पुरी तरह फ्लॉप साबित हो गया है। ग्रामीण अशोक जायसवाल श्यामविहारी कुशवाहा लक्ष्मण सिंह आदि ने कहा गांव भरारी कला पंचायत में वार्ड 4 में पिछले सालों से नल जल योजना बंद पड़ा हुआ है ।नल जल योजना से ग्रामीणों को एक बूंद पानी नसीब नहीं होता। ग्रामीणों में मुखिया एवं पीएचईडी विभाग के अधिकारियों को लेकर जबरदस्त गुस्सा है। ग्रामीणों ने कहा पीएचईडी विभाग एवं मुखिया से पेयजल समस्या दूर करने को कहा जाता है तो कोई सुनवाई नहीं होती है ।ढेढुआ वार्ड 4 में कुल आबादी 12सौ है जिसमें दलित 300 अतिपिछड़ा 350 पिछड़ा 200 जनसंख्या है ।वार्ड 4 में गरीब परिवार के सदस्यों के पास इतना पैसा नहीं है अपने पैसे से चापाकल या समरसेबुल पंप लगा लें। सभी गरीब परिवार के सदस्य नल जल योजना से पीने की पानी पर आश्रित हैं। चिलचिलाती धूप में पीने का पानी नहीं मिल रहा हो ग्रामीणों का इससे बड़ा क्या दुर्भाग्य हो सकता है। ग्रामीण दुसरे के समरसेबुल पंप से मेहरबानी की पानी पीने को मजबूर हैं। पीएचईडी विभाग की आपातकालीन स्थिति के लिए बनाई गई टीम अभीतक इन गांवों में नहीं पहुंच पाई है। इस संबंध में मुखिया इंदल सिंह ने कहा नल जल योजना पीएचईडी विभाग को सुपुर्द किया जा चुका है ।जब ओवसीयर राजदेव राम ने कहा भरारी कला पंचायत वार्ड 4 में पेयजल उपलब्ध कराने के लिए तुरंत वैकल्पिक व्यवस्था किया जा रहा है।

छापेमारी कर पुलिस ने छेड़खानी मामले में आरोपी को भेजा जेल

काराकाट (रोहतास) काराकाट थाना क्षेत्र के सकला गांव में एक महिला से छेड़खानी का मामला प्रकाश में आया है। जो छेड़खानी के मामले में पीड़ित ने दो लोगों को अभियुक्त बनाया है ।छेड़खानी के मामला की जानकारी जैसे ही मिली बिक्रमगंज एसडीपीओ कुमार संजय थाना पहुंच कर पीड़ित से जानकारी लिया। वही त्वरित कारवाई करते हुये छापेमारी कर छेड़खानी का एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त सकला गांव निवासी तसवर अंसारी उर्फ सोनू पिता मवलुदीन अंसारी बताया जाता है। थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने बताया कि पीड़ित ने छेड़खानी के मामले में दो को अभियुक्त बनाया है ।एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है दूसरा अभियुक्त कुंदन पिता जलालुदीन अंसारी फरार है । गिरफ्तार अभियुक्त को पेशी के लिए न्यायालय भेजा गया,फरार अभियुक्त को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

गर्मी के मौसम में रेलवे स्टेशनों पर पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे समुचित कदम

हाजीपुर। रेल मंत्रालय भारतीय रेलवे नेटवर्क के सभी स्टेशनों पर यात्रियों को पीने योग्य पानी उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में रेल मंत्रालय द्वारा आगामी गर्मी के मौसम और संभावित हीट वेब के मद्देनजर स्टेशनों पर पेयजल की उपलब्धता की समीक्षा की गयी है और पेयजल की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय रेलों को निर्देश जारी किए गए हैं।

रेल मंत्रालय द्वारा क्षेत्रीय रेलों को जारी निर्देश में स्टेशनों पर उपलब्ध वॉटर कूलर सही ढंग से कार्य करने तथा यात्रियों की मांग के अनुरूप पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया है । इसके अलावा आवश्यकतानुसार महत्वपूर्ण स्टेशनों पर पानी के टैंकर की तैनाती भी की जाएगी ।

पूर्व मध्य रेल के सभी स्टेशनों पर यात्रियों को उत्तम पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की गयी है । यात्रियों की संख्या के मद्देनजर स्टेशनों पर पर्याप्त संख्या में वाटर टैब लगाए गए हैं । इसके अतिरिक्त पूर्व मध्य रेल के 84 स्टेशन पर 207 वाटर कूलर भी लगाए गए हैं । इसी तरह 85 स्टेशन पर 236 वाटर वेंडिंग मशीन का प्रावधान किया गया है । आवश्यकतानुसार इसमें वृद्धि भी की जा सकती है ।

स्टेशनों के सभी प्लेटफार्मों पर पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों द्वारा नियमिति रूप से निगरानी की जाएगी । पानी की कमी का सामना करने वाले क्षेत्रों में, रेलवे अधिकारी नगर निगमों/राज्य सरकारों के साथ समन्वय स्थापित कर वैकल्पिक रूप से पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे।

महिला समितियों (महिला स्वयं सहायता समूहों), गैर सरकारी संगठनों, स्काउट्स एंड गाइड और अन्य स्वयं सहायता समूहों के साथ सामंजस्य स्थापित कर विशेष रूप से सामान्य श्रेणी के कोचों के पास ठंडे पेयजल का वितरण सुनिश्चित किया जाएगा । रेल मंत्रालय के निर्देश के आलोक में स्टेशनों पर चौबीसों घंटे पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके और इसमें किसी प्रकार की समस्या ना हो इसके लिए रेल कर्मचारियों द्वारा निरंतर निगरानी की जाएगी ।रेल मंत्रालय अपने यात्रियों को आरामदायक और सुविधाजनक यात्रा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इन उपायों का उद्देश्य पूरे गर्मी के मौसम में स्टेशनों पर स्वच्छ पेयजल की आसान पहुंच की गारंटी देना है।

मैट्रिक में फेल होने पर छात्र घर से हुआ फरार

काराकाट (रोहतास) मैट्रिक में फेल होने पर एक युवक घर से फरार हो गया । फरार युवक बुढ़वल गांव निवासी सुरेंद्र रजक का बेटा अमित कुमार बताया जाता है । पिता के बयान पर बेटा का गुम होने की रिपोर्ट थाना में दर्ज कराया गया। जो सुरेंद्र रजक ने दर्ज बयान में बताया है कि मैट्रिक परीक्षा में फेल होने पर 8 अप्रैल से बेटा घर से फरार हो गया। काफी खोजबीन किया गया लेकिन अभी तक कहीं पता नहीं चला तो थाना में गुमसुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराया हूं। थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ने कहा की मामला संज्ञान में आया है गुमसुदगी का रिपोर्ट दर्ज कर खोज-बिन किया जा रहा है।

महिला शराब धंधेबाज गिरफ्तार

नावानगर (बक्सर) बासुदेवा ओपी प्रभारी चुनमुन कुमारी के नेतृत्व में पुलिस ने आथर नट टोली में छापेमारी किया। छापेमारी में फरार महिला शराब कारोबारी चनकी देवी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

अखील भारतवर्षीय यादव महासभा के द्वारा स्वर्गीय बी पी मंडल का मनाया गया 42वीं पुण्यतिथि समारोह

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व मंडल आयोग के अध्यक्ष रहे स्वर्गीय बी पी मंडल जी का42वीं पुण्यतिथि समारोह शहीद अकली देवी नगर में अखील भारतवर्षीय यादव महासभा के जिलाध्यक्ष सह जदयू के प्रदेश उपाध्यक्ष यादव रामसकल सिंह भोजपुरियाके अध्यक्षता में मनाया गया ।समारोह के संचालन सातेंद्र यादव ने किया।

समारोह के उद्घाटन प्रो विजय सिंह मुखिया एवं डॉ रघुबर प्रसाद चन्द्रववंशी ने उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर किया ।अपने सम्बोधन में प्रो विजय सिंह मुखिया ने कहा कि बी पी मंडल जी दो बार सांसद और बिहार के7वे मुख्यमंत्री थे ।वे पिछड़े वर्ग के अनुयायी थे ।वे समाज में समानता के पक्षधर थेउनके अनुसार समानता केवल समान लोगो की बीच होती है ।आसमान के साथ समान जैसा व्यवहार करना असमानता के स्थिरता प्रदान करता है ।डॉ रघुबर प्रसाद चन्द्रववंशी ने अपने सम्बोधन में कहा कि जब बीपी मंडल मुख्यमंत्री बने थे तो एक बार कानपुर बरौनी रिफाइनरी में रिसाव के कारण गंगा में आग लग गई थी तब विधानसभा में विनोदानंद झा ने कटाक्ष करते हुए कहा था कि शुद्र मुख्यमंत्री बनेगा तो पानी में आग लगेगा ही ।इसके जबाब में बीपी मंडल ने कहा कि गंगा में आग तो तेल के रिसाव के कारण लगी है परंतु एक पिछड़े वर्ग के बेटा को मुख्यमंत्री बनने से आपके दिल में जो आग लगी है उसे हर कोई महसूस कर सकता है ।समारोह को सम्बोधित करने वालो लोगो मे ओमप्रकाश यादव भीम यादव महेंद्र मंडल जय किशोर यादव भुनेश्वर यादव जितेंद यादव विनोद कुमार चन्दन पासवान विजय पासवान अमरदेव यादव भिखारी यादव गणेश यादव प्रेम प्रकाश यादव पुष्पेंद्र यादव उमेश यादव बैजनाथ यादव बंटी यादव प्रकाश यादव जगदीश यादव कामेंद्र यादव सहित कई लोग उपस्थित थे।

पंजाब नेशनल बैंक 130वां स्थापना दिवस धूमधाम से मना

नावानगर (बक्सर) प्रखंड के स्थानीय गांव स्थित पंजाब नेशनल बैंक नावानगर के प्रांगण में 130वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर शाखा परिसर को रंगीन गुब्बारों से सजाया गया था ।स्थापना दिवस समारोह में बैंक के वरीय ग्राहक को सहित वरीय बैंक पेंशनर को बुलाया गया था ।जहां बैंक में इस दिवस की धूमधाम मनाते शाखा प्रबंधक अरविंद कुमार ने अन्यों के साथ केक काटा और सबके बीच केक का वितरण कर पंजाब नेशनल बैंक की उपलब्धियों को गिनाया गया ।इस दौरान बैंक की उपलब्धि गिनाते कितने का बैंक ने कार्य किया और कितना जमा राशि है और कितनी ऋण दिया गया इस पर भी विस्तृत रूप से चर्चा किया गया इस दौरान प्रबंधक अतुल कुमार सभी सीएसपी सेंटर के प्रमुख सहित अन्य उपस्थित रहे।

प्रखंड स्तरीय इंडिया महागठबंधन की हुई बैठक

काराकाट (रोहतास) काराकाट प्रखंड के नगर पंचायत के गोड़ारी में प्रखंड स्तरीय इंडिया महागठबंधन की बैठक आयोजित की गई। बैठक का नेतृत्व शाहाबाद के पोलित ब्यूरो सदस्य अमरनाथ यादव ने किया। बैठक में प्रखड के महागठबंधन के सभी पंचायत के अध्यक्षों व बूथ कमिटियों ने निर्णय लिया कि लोक सभा चुनाव 2024 में काराकाट संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी को जीत दिलाने पर विस्तार से चर्चा की गई। वही सभी बूथों पर जातिगत गणना पर वोटों की समीक्षा किया गया । पंचायत के सभी महागठबंधन के पंचायत अध्यक्षों से लेकर कार्यकताओं ने मतदान का आंकड़ा दिया । किस बूथ पर कितना मत किसको मिलेगा इसकी समीक्षा की गई । बैठक को सम्बोधित करते हुये काराकाट विधायक अरुण कुमार सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुये कहा कि बेरोजगारी चरम पर पहुंच चुकी है, शिक्षा का निजीकरण उद्योग धंधों को बेच कर आरक्षण को समाप्त किया जा रहा है। लोकतंत्र बचाओ, संविधान बचाओ, देश बचाओ पर प्रकाश डाला । कहा कि ईलेक्ट्रोरल बॉन्ड के रास्ते रिश्वत के रूप में चंदा का धंधा , पैसे पर वोट न बेचने,रोजगार नहीं तो वोट नहीं का नारा बुलंद किया । महागठबंधन के कार्यकताओं को लोक सभा चुनाव में महागठबंधन के काराकाट से सांसद प्रत्याशी को जिताने की अपील किया । मौके पर राजेंद्र यादव, हजारी सिंह, हीरालाल सिंह, राजीव रंजन सिंह, धर्मेंद्र सिंह, जगरनाथ प्रसाद, अवधेश सिंह, कामेश्वर सिंह, तुलसी यादव, रामनाथ कुशवाहा, बबन सिंह, डॉ नगेंद्र सिंह, अमित पाल, शिव कुमार शर्मा, भरत भूषण सिंह सहित महागठबंधन के कार्यकर्ता थे ।

भोजपुर में अज्ञात युवक का शव बरामद

आरा। भोजपुर जिले के हसन बाजार ओपी क्षेत्र के सहेजनी गांव स्थित सड़क किनारे शनिवार की सुबह एक अज्ञात 30 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ है। शव के मिलने से आसपास की इलाके में अफरा-तफरी का आलम रहा। जिसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना हसन बाजार ओपी पुलिस को दी गई। सूचना पाकर हसन बाजार ओपी इंचार्ज सर्वेश कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। इसके पश्चात पुलिस शव पहचान करने एवं मामले की छानबीन में जुट गई है। वहीं पुलिस द्वारा बनाए गए मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृतक अज्ञात युवक की मौत लू-लगने के कारण होना प्रतीत होता है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगा।

आरा में टोनबाजी का विरोध करने पर युवती की पिटाई

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के चौराई गांव में टोनबाजी का विरोध करने पर एक युवती की बैट से पिटाई कर दी गई। जिससे गंभीर रूप से जख्मी हो गई। उसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मी युवती उदवंतनगर थाना क्षेत्र के चौराइ गांव निवासी अक्षयवर पांडेय की 22 वर्षीया पुत्री संध्या कुमारी है। इधर जख्मी युवती की बड़ी बहन नेहा कुमारी ने बताया कि शुक्रवार की शाम जब वह चापाकल पर बर्तन धो रही थी। उसी दौरान पड़ोस के ही एक युवक ने उस पर टोनबाजी की। जिसको लेकर उसने इसकी शिकायत अपने परिजनों से की। जिसके बाद परिजन इस शिकायत को लेकर उदवंतनगर थाना पहुंचे। जिसके बाद थाना द्वारा युक्त युवक एवं उसके परिजनों को भी बुलाया गया। जहां उनके बीच बात खत्म हो गई थी। थाना से लौट के क्रम में उक्त युवक द्वारा जख्मी में युवती को कहा गया कि मेरी बाइक पर बैठ जाओ मैं तुझे घर छोड़ देता हूं। जिसके बाद वह मामला खत्म होने के बाद उसके बाइक पर बैठ गए गई। इसके बाद उक्त युवक जब उसे गांव में लेकर आया तो उसने उसे गाड़ी से धक्का देकर खेत में गिरा दिया और उसकी बेड से पिटाई कर दी।

अकोढी पंचायत में चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान

रामगढ़। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए सभी विभागों के द्वारा गांवों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ।उसी क्रम में अंचलाधिकारी सुश्री रश्मि एव बाल विकास परियोजना पदाधिकारी प्रिया कुमारी के नेतृत्व में अकोढी पंचायत में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। ।मेरा वोट मेरा अधिकार के नारे लगाते हुए विभाग के कर्मचारियों ने लोकतंत्र में मतदान करने के लिए घर घर जाकर ग्रामीणों को शत प्रतिशत मतदान करने का आह्वान किया। जिला प्रशासन के द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव में एक जुन को मतदान होना है एक जुन को होने वाले मतदान में प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रखंड में लगातार मतदाता जागरूकता अभियान में रैली जन सम्पर्क पर्ची वितरण करने एवं मेंहदी रस्म के द्वारा मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। इस संबंध में अंचलाधिकारी ने कहा हमारी कोशिश है प्रत्येक पंचायत के महादलित बस्ती अति पिछड़ा वर्ग आबादी के सभी गांवों में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने ने कहा मतदाता जागरूकता अभियान में ग्रामीणों का सहयोग एवं उत्साह देखकर अगामी लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ने की पुरी उम्मीद है।

कार्तिक ने चंदू चैंपियन को में अपने किरदार को लेकर साझा किया अनुभव

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म चंदू चैंपियन को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह बिल्कुल अलग अवतार में नजर आएंगे। हाल ही में अभिनेता ने इस फिल्म में अपने किरदार को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि इसके लिए उन्होंने कड़ी मशक्कत की। दरअसल, कार्तिक आर्यन ने हाल ही में नेहा धूपिया के शो नो फिल्टर नेहा में हिस्सा लिया। वहां उन्होंने अपनी आगामी फिल्म के बारे में दिलचस्प जानकारी साझा की।

बॉक्सिंग से तैराकी तक क्या-क्या सीखा?

कार्तिक आर्यन ने कहा, यह एक जेनर फिल्म है। यह स्पोर्ट्स फिल्म है। मतलब एक शख्स का बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन। अब जब वो पिक्चर पूरी उस जोन में और उस पर ही आधारित है तो उसके लिए काफी सारे स्किल्स चाहिए। यह सिर्फ ट्रांसफॉर्मेशन नहीं है, बल्कि कई स्किल्स भी सीखे। मुझे इस फिल्म के लिए बॉक्सिंग सीखनी पड़ी। स्विमिंग सीखनी पड़ी, दंगल सीखना पड़ा। कबीर खान की तारीफ में कही ये बात कार्तिक आर्यन ने आगे कहा, आपके पास सही स्क्रिप्ट होनी चाहिए। सही लोग होने चाहिए, जो आपको सही ट्रेर्स के साथ रखें और यह सब कबीर सर बखूबी करते हैं। अभिनेता ने आगे कहा, कबीर खान ने जब इस फिल्म के बारे में मुझे बताया तो उनके साथ कुछ ऐसे लोग भी आए, जो उन संबंधित स्किल्प्स के एक्सपर्ट थे। मुझे लगता है कि कबीर सर हर चीज को वास्तविक दिखाने में माहिर हैं। वह इसे कमर्शियल भी बनाते हैं। वह जिस तरह चीजों का ब्यौरा देते हैं, मैं उसका कायल हूं।

इस दिन होगी रिलीज

फिल्म चंदू चैंपियन का निर्देशन कबीर खान कर रहे हैं। कार्तिक ने आगे कहा, पूरी ईमानदारी से कहूं तो आप इस फिल्म में मुझे बिल्कुल अलग अवतार में पाएंगे। कार्तिक आर्यन ने अपनी इस आगामी फिल्म के लिए खूब मेहनत की है। उन्होंने अपने आप को किरदार की शेप में ढाला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता ने 14 महीने तक मराठी में डायलॉग भी सीखे। उन्होंने भाषा प्रशिक्षक की मदद से इस भाषा पर पकड़ बनाई। यह फिल्म 14 जून 2024 को रिलीज होगी।

फिल्म डंक - वन्स बिटन ट्वाइस शाइ से हिंदी सिनेमा में वापसी कर रही हैं निधि अग्रवाल

एक्ट्रेस निधि अग्रवाल अपनी अपकमिंग ओटीटी डेब्यू फिल्म डंक – वन्स बिटन ट्वाइस शाइ को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं। वह पहली बार बिकनी अवतार में नजर आएंगी। एक्ट्रेस थोड़े अंतराल के बाद हिंदी सिनेमा में वापसी कर रही हैं। वह पिछली बार 2017 में हिंदी फिल्म मुन्ना माइकल में नजर आई थीं। प्रेरणा अरोड़ा द्वारा निर्मित इस फिल्म में सुचित्रा कृष्णमूर्ति और विनय पाठक के साथ तुषार कपूर और शिविन नारंग भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। डंक के बारे में बात करते हुए निधि ने कहा तेलुगु, तमिल और हिंदी में अपनी उपस्थिति स्थापित करने के बाद अब मैं एक छोटे अंतराल के बाद हिंदी सिनेमा में वापसी कर रही हूं और साथ ही दक्षिणी फिल्म परिदृश्य पर भी अपना दबदबा बना रही हूं। एक्ट्रेस ने कहा कि उनके पास रोमांचक परियोजनाओं की भरमार है। उन्होंने कहा, मैं वर्तमान में महान पवन कल्याण और राजा साब के साथ एक मनोरम पीरियड फिल्म हरि हर वीरा मल्लू में काम कर रही हूं। जहां मैं प्रतिभाशाली प्रभास के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हूं। निधि ने कहा, उम्मीद बहुत अधिक है क्योंकि दोनों फिल्में इस साल रिलीज होने वाली हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों के दर्शकों को लुभाने का वादा करती हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि इन सबके बीच उनकी नजर एक स्क्रिप्ट पर पड़ी, जो मुझमें गहराई से समा गई और इसने मेरे अंदर एक असाधारण प्रदर्शन देने की उत्सुकता जगा दी। निधि ने कहा, दक्षिण में दो नायकों और एक अन्य आशाजनक स्क्रिप्ट के साथ मैं सिनेमाई परिदृश्य में धूम मचाने के लिए तैयार हूं।

फेम शिल्पा शिंदे करेंगी टीवी पर कमबैक?

रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी जल्द ही 14वें सीजन के साथ लौट रहा है। इस बार शो यूरोप के रूमानिया शहर में शूट किया जाएगा। बता दें, फिल्ममेकर रोहित शेट्टी इस सीजन में भी बतौर होस्ट नजर आएंगे। माना जा रहा है कि इस सीजन से एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे टेलीविजन पर अपना कमबैक कर सकती हैं। सूत्रों की मानें तो अभिनेत्री ने शो में बतौर कंटेस्टेंट पार्टिसिपेट करने की हामी भर दी है। हालांकि, अब तक उन्होंने कोई ऑफिशियल कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया है। शिल्पा शिंदे टीवी शो भाभीजी घर पर हैं में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर पॉपुलर हुई थीं, हालांकि 2016 में उन्हें शो से रिप्लेस कर दिया गया था। शिल्पा पर आरोप लगाया गया था कि वो अनप्रोफेशनल हैं और मेकर्स से को-ऑर्डिनेट नहीं करती। वे आखिरी बार शो मैडम सर में एक कैमियो रोल में नजर आई थी। शिल्पा के अलावा, मेकर्स ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से जुड़ी कई जानी-मानी पर्सनालिटीज को भी एप्रोच किया है।

वेब सीरीज दिल दोस्ती डिलेमा से दिल जीतने आ रहीं अनुष्का सेन

प्राइम वीडियो ओरिजिनल वेब सीरीज दिल दोस्ती डिलेमा की प्रीमियर तारीख की घोषणा कर दी गई है। सीरीज में अनुष्का सेन मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। प्राइम वीडियो ओरिजिनल वेब सीरीज दिल दोस्ती डिलेमा की प्रीमियर तारीख की घोषणा कर दी गई है। पेंगुइन रैंडम हाउस द्वारा प्रकाशित और अंदलीब वाजिद द्वारा लिखित लोकप्रिय पुस्तक अस्माराज समर पर आधारित, यह शो दर्शकों को एक लोकप्रिय, मजाकिया और आकर्षक युवा लड़की अस्मारा की दुनिया की झलक देगा। सीरीज में अनुष्का सेन मुख्य भूमिका में हैं। दिल दोस्ती डिलेमा की कहानी अस्मारा नाम की लड़की के इर्द गिर्द घूमती है। अस्मारा की जिंदगी में गर्मियों की छुट्टी के दौरान एक अनचाहा मोड़ आता है, जब उसे सजा के तौर पर पड़ोस में नाना-नानी के घर भेज दिया जाता है। वह अपने दोस्तों के साथ दिखावा बनाए रखने के लिए कनाडा में होने का नाटक करती है। क्या यह अनुभव एक दुखद सपने, व्यक्तिगत विकास की यात्रा या दोनों बन जाएगा? अस्मारा अपने उतार-चढ़ाव भरे सफर में रिश्तों की अहमियत को समझेगी और कुछ सच्चे दोस्त बनाएगी। साथ ही टिब्बरी रोड की लुभावनी गलियों में अपने पहले प्यार का अनुभव करेगी।

दिल दोस्ती डिलेमा के कलाकार दिल को छूने वाली सीरीज दिल दोस्ती डिलेमा में सीमा महापात्रा और जहांआरा भार्गव टेन इयर्स यंगर प्रोडक्शंस के बैनर तले क्रिएटिव प्रोड्यूसर के रूप में काम कर रही हैं। इसका निर्देशन डेबी राव ने किया है और इसे अनुराधा तिवारी, बग्स भार्गव कृष्णा, राघव दत्त और मंजिरी पुपाला ने लिखा है। सीरीज में उभरते और अनुभवी अभिनेताओं का एक प्रतिभाशाली समूह है, जिसमें अनुष्का सेन, कुश जोतवानी, तन्वी आज़मी, शिशिर शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। साथ ही श्रुति सेठ, विशाखा पांडे, रेवती पिल्लई, एलीशा मेयर और सुहासिनी मुले भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

दिल दोस्ती डिलेमा की स्ट्रीमिंग सोशल मीडिया सेंसेशन अनुष्का सेन के फैंस उनकी इस वेब सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। साथ ही वह भी इसके प्रमोशन में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। दिल दोस्ती डिलेमा का प्रीमियर हिंदी में होगा, जिसके डब तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में उपलब्ध होंगे। सीरीज 25 अप्रैल से दुनियाभर में प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

रजनीकांत की जेलर के सीक्वल को लेकर बड़ा अपडेट, हुकुम होगा अगले भाग का नाम!

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नेल्सन जून से जेलर 2 की तैयारी शुरु कर देंगे। फिल्म का पहला ड्राफ्ट फाइनल कर लिया गया है, जिसे रजनीकांत और सन पिक्चर्स की भी मंजूरी मिल गई है। जून 2024 से इसके प्री-प्रोडक्शन पर काम शुरू होने की उम्मीद है। बीते साल सुपरस्टार रजनीकांत फिल्म जेलर में नजर आए। नेल्सन द्वारा निर्देशित जेलर ने अपनी रिलीज के साथ ही इतिहास रच दिया। फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया और बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने जबर्दस्त सफलता हासिल की। इसके साथ ही जेलर तमिल सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई। बीते कुछ समय से जेलर के सीक्वल को लेकर अटकलें सामने आ रही हैं। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के निर्देशक नेल्सन बीते कई महीनों से जेलर 2 पर काम कर रहे हैं। उम्मीद है कि जल्द ही रजनीकांत के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आ सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म के निर्देशक नेल्सन जून से जेलर 2 की तैयारी शुरु कर देंगे। चर्चा है कि जेलर 2 का पहला ड्राफ्ट फाइनल कर लिया गया है। मुथुवेल पांडियन ने फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने के लिए एक दमदार सीक्वल तैयार किया है, जिसे लेकर रजनीकांत और सन पिक्चर्स से भी मंजूरी मिल गई है। खबर है कि नेल्सन जून 2024 से इसके प्री-प्रोडक्शन पर काम करना शुरू कर देंगे। कहा जा रहा है कि निर्देशक नेल्सन फिल्म के लिए दो नामों पर विचार कर रहे है। पहला जेलर 2 और दूसरा हुकुम। चर्चा ये भी है कि टीम के ज्यादातर सदस्यों को हुकुम ज्यादा पसंद आ रहा है। वहीं, इस साल के अंत तक फिल्म को फ्लोर पर ले जाने पर विचार किया जा रहा है, तब तक वे रजनीकांत लोकेश कनगराज की थलाइवर 171 की शूटिंग पूरी कर लेंगे।

प्रियामणि ने फैमिली मैन 3 के लिए कसी कमर

प्रियामणि इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म मैदान को लेकर चर्चा में चल रही हैं। अभिनेत्री प्रियामणि हिंदी फिल्मों में अच्छे काम की तलाश कर रही हैं। अब इसके बाद अभिनेत्री अपनी बहुप्रतीक्षित सीरीज फैमिली मैन 3 की शूटिंग शुरू करेंगी। प्रियामणि ने बताया कि तीसरे सीजन की शूटिंग बहुत जल्द शुरू होने वाली है, इस बार कुछ नया देखने को मिलेगा। अभिनेत्री ने बताया कि चेन्नई एक्सप्रेस फिल्म के बाद हिंदी दर्शकों के सामने मुझे यही शो लेकर आया था, इसलिए मेरे लिए यह अहम है। फैंस भी सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

सिर्फ पैसे और फेस के लिए शादिया करते हैं बॉलीवुड कपल्स, इनमें सच्चा प्यार नहीं

नोरा फतेही ने हालिया इंटरव्यू में बॉलीवुड की शादियों पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि यहां पर लोग सिर्फ पैसे और फेम के लिए शादी करते हैं। आपस में इन लोगों के बीच प्यार नहीं होता है। नोरा ने हाल ही में रणवीर अल्लाहबादिया के साथ उनके पॉडकास्ट में बॉलीवुड की शादियों पर बात की। उन्होंने कहा कि ये लोग सिर्फ अपने-अपने मकसद के लिए एक साथ रहते हैं। ये लोग बहुत कैलकुलेटिव हैं। ऐसे में लोग अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ को आपस में मिला देते हैं इसलिए डिप्रेस और सुसाइडल महसूस करते हैं।

फेमस होने के लिए एक दूसरे का इस्तेमाल करते हैं

नोरा ने आगे कहा- ये लोग फेमस होने के लिए एक दूसरे का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन चाह कर ऐसे लोग मेरे साथ कुछ नहीं कर सकते हैं। यही वजह यही कि कोई भी मुझे किसी लड़के के साथ घूमते या डेटिंग करते हुए नहीं देख सकता है। मुझे पता है कि यह सब क्या हो रहा है। फिल्म इंडस्ट्री में लोग रसूख के लिए शादी करते हैं। ये लोग ऐसे लोगों से शादी करना चाहते हैं कि जिनकी कुछ फिल्में रिलीज हो रही हों और बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छा काम कर रही हों। उन्होंने आगे कहा कि आज लोग फेम, पैसे और पावर के लिए अपनी लाइफ बर्बाद कर रहे हैं। किसी ऐसे व्यक्ति से शादी करने से बुरा कुछ नहीं है जिससे आप प्यार भी नहीं करते और फिर सालों तक उसके साथ रहते हैं। नोरा ने कहा- हमारे इंडस्ट्री में ज्यादातर लोग यही बकवास कर रहे हैं। उनके इसका अंदाजा भी नहीं है। शादी को ये लोग एक प्लान की तरह देख रहे हैं। उन्होंने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में फर्क करना बंद कर दिया है। इसी कारण खुश भी नहीं हैं। नोरा ने कहा कि उन्हें पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच का अंतर पता है इसलिए वे इन चीजों से दूर हैं।

सीरीज में गुड्डू भैया का किरदार निभाना चाहती हैं रसिका

वेब सीरीज मिर्जापुर 3 का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) हो या शरद (अंजुम शर्मा), सभी से दर्शक सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं। दो शानदार सीजन के बाद अब यह सीरीज और ज्यादा मसालेदार अंदाज में अपने तीसरे सीजन के साथ वापसी करने वाली है। अब हाल ही में, शो में बीना त्रिपाठी का किरदार निभाने वाली रसिका दुग्गल ने सीजन 3 को लेकर कुछ दिलचस्प खुलासे किए हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया है कि शो में उनका पसंदीदा कलाकार कौन है। रसिका ने अपने हालिया इंटरव्यू में मिर्जापुर की सराहना की और कहा, फैन फॉलोइंग का होना बहुत अच्छा है। मेरे जीवन में इसका होना बहुत खूबसूरत है। सारे कलाकारों की शो के प्रति वफादारी बहुत मजबूत है। मैं बहुत खुश हूं कि हमने सीजन 3 बनाया है और दर्शकों को जल्द ही यह देखने को मिलेगा। मैं उनके लिए बहुत उत्साहित हूं। अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरा मानना है कि मिर्जापुर के प्रशंसक हैं क्योंकि लोगों ने पात्रों को करीब से देखा है। यह शो की दिखावटीपन के बारे में नहीं है। यह चरित्र के साथ लोगों के जुड़ाव के बारे में है। हम पहले ही ऐसा कर चुके हैं और हम यह काम हर सीजन में करते हैं। हमने इस सीजन में भी अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है, जिससे हम दर्शकों की उम्मीद पर खरे उतरे। रसिका ने आगे अपने पसंदीदा कलाकार के बारे में बताते हुए कहा कि शो में अली फजल का किरदार गुड्डू भैया उन्हें सबसे ज्यादा पसंद है। उन्होंने कहा, अली ने गुड्डू भैया के साथ जो न्याय किया वह मुझे बहुत पसंद आया। यह इतना प्यारा हिस्सा है कि मैं भी इस किरदार को निभाना पसंद करूंगी।

संक्षिप्त समाचार

6 महीने में 393 प्रतिशत चढ़ गया यह छोटा शेयर, अब कंपनी दे रही 1 पर 2 बोनस शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। कमजोर बाजार में भी एक छोटी कंपनी न्यूटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में रॉकेट सी तेजी आई है। कंपनी के शेयर शुक्रवार को 5 पर्सेंट की तेजी के साथ 51.22 रुपये पर पहुंच गए हैं। न्यूटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर ने अब अपने निवेशकों को बड़ा तोहफा देने का ऐलान किया है। कंपनी ने 2:1 के रेशियो में बोनस शेयर देने की घोषणा की है। यानी, न्यूटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर हर शेयर पर 2 बोनस शेयर निवेशकों को देगी। कंपनी ने अभी बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट अनाउंस नहीं की है। यह दूसरा मौका है, जब कंपनी बोनस शेयर दे रही है। न्यूटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर ने इससे पहले जनवरी 2010 में 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए थे। न्यूटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में पिछले 6 महीने में 393 पर्सेंट की जबरदस्त तेजी आई है। कंपनी के शेयर 13 अक्टूबर 2023 को 10.38 रुपये पर थे। न्यूटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 12 अप्रैल 2024 को 51.24 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 327 पर्सेंट का उछाल आया है। कंपनी के शेयर 13 अप्रैल 2023 को 11.99 रुपये पर थे, जो कि अब 51 रुपये के पार पहुंच गए हैं। न्यूटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर पिछले 5 दिन में 20 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 5 अप्रैल 2024 को 42.63 रुपये पर थे, जो कि 12 अप्रैल 2024 को बढ़कर 51.24 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, इस साल अब तक न्यूटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में 53 पर्सेंट का तगड़ा उछाल देखने को मिला है। कंपनी के शेयर साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2024 को 33.59 रुपये पर थे, जो कि अब 51.24 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 51.24 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 8.77 रुपये है। न्यूटाइम इंफ्रास्ट्रक्चर का मार्केट कैप करीब 872 करोड़ रुपये है।

केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए खास ऐप, एक क्लिक से मिलेगी सारी डिटेल

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप केंद्र सरकार से जुड़े के काम-चारी रहे हैं तो ये खबर आपके काम की है। दरअसल, बीते साल केंद्रीय पेंशन लेखा कार्यालय (सीपीएओ) ने केंद्रीय सिविल पेंशनभोगी/पारिवारिक पेंशनभोगियों के उपयोग के लिए एक इन-हाउस मोबाइल एप्लिकेशन दीर्घायु लॉन्च किया है। ऐप के जरिए पेंशनभोगी अब पिछले 24 विस्तृत पेंशन पेमेंट ट्रांजैक्शन को उसके ब्रेकअप के साथ देख सकते हैं। बता दें कि अपने मोबाइल ऐप के माध्यम से केंद्रीय पेंशन लेखा कार्यालय (सीपीएओ) हितधारक पेंशनभोगियों को कई सेवाएं प्रदान करता है। पेंशनभोगी कई प्रकार की सेवाओं तक पहुंचने के लिए सीपीएओ द्वारा विकसित दीर्घायु पेंशनभोगी मोबाइल ऐप का उपयोग कर सकते हैं। पेंशनभोगी और उनके परिवार अपना पीपीओ नंबर, जन्म तिथि और सेवानिवृत्ति तिथि (या मृत्यु की तारीख, यदि वे पारिवारिक पेंशनभोगी हैं) दर्ज करके ऐप पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। पेंशन पेमेंट ऑर्डर (पीपीओ) प्रत्येक पेंशनभोगी को मिलता है। यह एक 12-अंक का यूनिक कोड होता है। लॉगिन कर आप इस नंबर को हासिल कर सकते हैं। इसके लिए वेबसाइट के ऑनलाइन सेवा कैटेगरी में पेंशनभोगी पोर्टल पर क्लिक करना होगा। यहां स्टेप फॉलो कर आप हासिल कर सकते हैं।

820 पर जाएगा अडानी पावर का शेयर! कर्ज कम कर रही समूह की दिग्गज कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ साल में पावर सेक्टर से जुड़ी दो दिग्गज कंपनियां-अडानी पावर और टाटा पावर के शेयरों ने मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। इस दोनों ही कंपनियों ने दम दिखाकर निवेशकों को मालामाल किया है। गौतम अडानी समूह की पावर कंपनी अडानी पावर के शेयरों ने एक साल में अपने शेयरधारकों को 200 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

शेयर बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक अडानी पावर के शेयर अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से गिरावट का अनुभव कर रहे हैं। हालांकि, एक्सपर्ट का कहना कि वैल्यूएशन के लिहाज से अडानी पावर के शेयर आकर्षक दिख रहे हैं। एक्सपर्ट ने मिड से लॉन्ग टर्म के निवेशकों को बाजार में करेक्शन का इंतजार करने की सलाह दी है। पेस 360 के सह-संस्थापक अमित गोयल ने कहा-अडानी पावर की बात करें तो लगभग 646 के 52 वीक हाई पर पहुंच गया था और यह अब लगभग 8 प्रतिशत गिर गया है। एसएस वेल्थस्ट्रीट की संस्थापक सुगंधा सचदेवा ने कहा- अडानी पावर के शेयर की कीमत जनवरी 2022 में लगभग 100 से बढ़कर वर्तमान में 595 हो गई है।

हालांकि, अडानी पावर के शेयर आकर्षक बने हुए हैं क्योंकि यह कंपनी लगातार कर्ज में कमी कर रही है। कंपनी की वर्तमान में 15.21 गीगावॉट से अपनी थर्मल क्षमता को 21 गीगावॉट तक विस्तारित करने की योजना भी है। ये पॉजिटिव संकेत हैं।

टारगेट प्राइस क्या है

पेस 360 के अमित गोयल ने कहा-हमारा आउटलुक टाटा पावर शेयरों की तुलना में अडानी पावर के शेयरों को जमा करने के पक्ष में है। फिर भी किसी विशेष स्टॉक में निवेश पर विचार करने से पहले पर्याप्त मार्केट करेक्शन की प्रतीक्षा करना समझदारी होगी। अडानी पावर का शेयर लंबी अवधि के नजरिए से 750 और फिर 820 के स्तर तक बढ़ने की क्षमता रखता है। एसएस वेल्थ स्ट्रीट की सुगंधा सचदेवा ने कहा कि अडानी पावर के शेयरों ने 500 प्रति शेयर के स्तर पर मजबूत आधार बनाया है। निवेशक बाय-ऑन-डिप्स स्ट्रेटजी को बनाए रख सकते हैं।

चौथी तिमाही में TCS ने कमाए 61,237 करोड़ रुपए, नेट प्रॉफिट 9.1 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया। शेयर बाजारों को दी सूचना में कंपनी ने बताया कि QyFY24 में उसका नेट प्रॉफिट 9.1 फीसदी बढ़कर 12,434 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक, TCS के रेवन्यू में भी इजाफा हुआ है और यह वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 3.5 फीसदी बढ़कर 61,237 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

कैसी रही TCS के शेयर की चाल

शुक्रवार को क्लोज पर, TCS के शेयर में मामूली तेजी देखी गई। यह 0.45 फीसदी चढ़कर 4000.30 रुपए प्रति शेयर के भाव पर बंद हुआ।

उदय कोटक ने दे दी बड़ी चेतावनी, सोच-समझकर करें खर्च और इन्वेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक के फाउंडर और नॉन एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर उदय कोटक ने बड़ी चेतावनी दी है। दिग्गज बैंकर उदय कोटक ने वैश्विक उथल-पुथल के लिए तैयार रहने को कहा है। वहीं उन्होंने सोच-समझकर खर्च और इन्वेस्ट करने की बात कही है। आर्थिक मोर्चे पर उन्होंने भारी उठा-पटक की चेतावनी दी है। उदय कोटक के मुताबिक, 90 डॉलर प्रति बैरल पर कच्चे तेल की कीमतों से महंगाई के लंबे समय तक ऊंची रहने की संभावना है। इससे दुनियाभर में ब्याज दरें ऊंची बनी रह सकती हैं। भारत में भी ऐसा ही रुझान रह सकता है। कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक ने यह भी कहा कि इसकी एक अप्रत्याशित वजह चीन में आर्थिक गिरावट भी है।

उदय कोटक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यूएस फेडरल रिजर्व अमेरिका में बढ़ती महंगाई से परेशान है। यही वजह है कि तमाम उम्मीदों के बावजूद फेड रिजर्व ने ब्याज दरों में कटौती नहीं की है। इसका ग्लोबल असर जल्द ही दिखाई देगा। उदय कोटक के मुताबिक, अभी सभी के पास सिर्फ एक वाइल्ड कार्ड चीन का आर्थिक रूप से कमजोर होना है। ऐसे में ग्लोबल उठापटक के लिए हम सभी को तैयार हो जाना चाहिए।

दिख रहा ये असर

कोटक की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब इज़राइल और ईरान के बीच भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आपूर्ति झटकों के कारण ब्रेंट क्रूड की कीमतें लगभग 90 डॉलर पर कारोबार कर रही हैं। मेक्सिको जैसे कुछ उत्पादकों ने कच्चे तेल का निर्यात भी कम कर दिया है। अमेरिका, इस साल के अंत में होने वाले चुनावों से पहले, अपने रणनीतिक भंडार को फिर से भरना चाहता है। जो यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के दौरान आंशिक रूप से खत्म हो गए थे।

दय कोटक के मुताबिक, आरबीआई ब्याज दरों को स्थिर रखकर महंगाई से लड़ने की कोशिश कर रहा है। वित्त वर्ष 2025 में भारत की जीडीपी 7 फीसदी की दर से आगे बढ़ सकती है।

भारतीय रियल एस्टेट का आकार पिछले नौ साल में 73 प्रतिशत बढ़कर 482 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। आवासीय एवं वाणिज्यिक संपत्तियों की बेहतर मांग और उच्च आर्थिक वृद्धि की वजह से भारतीय रियल एस्टेट बाजार का आकार वर्ष 2015 से 73 प्रतिशत उछलकर 482 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। संपत्ति के बारे में परामर्श देने वाली नाइट फ्रैंक और उद्योग मंडल सीआईआई की तरफ से शुक्रवार को संयुक्त रूप से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का रियल एस्टेट बाजार वर्ष 2034 तक करीब तिगुना होकर 1,487 अरब डॉलर का हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रियल एस्टेट बाजार का आकार वर्ष 2015 में 279 अरब डॉलर था और वर्ष 2024 में बढ़कर 482 अरब डॉलर हो चुका है जो कुल आर्थिक उत्पादन का 7.3 प्रतिशत है। बढ़ती अर्थव्यवस्था के समर्थन से देश में रियल एस्टेट क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र का लगभग 250 सहायक उद्योगों से किसी-न-किसी तरह का संबंध है। सलाहकार फर्म ने कहा कि यह कृषि क्षेत्र के बाद सबसे अधिक रोजगार पैदा करने वालों में से एक है, जो कुल रोजगार का 18 प्रतिशत है। सीआईआई-नाइट फ्रैंक इंडिया रिपोर्ट का अनुमान है कि 2034 तक भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र का विस्तार 1.5 लाख करोड़ डॉलर तक होने की उम्मीद है, जो कुल आर्थिक उत्पादन में 10.5 प्रतिशत का योगदान देगा। सलाहकार कंपनी ने रियल एस्टेट क्षेत्र के बाजार आकार में वृद्धि के लिए बढ़ती आवासीय मांग, कार्यालय स्थल की जरूरत में वृद्धि, होटल और खुदरा क्षेत्र के विस्तार को जिम्मेदार ठहराया है। नाइट फ्रैंक इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (शोध, परामर्श, बुनियादी ढांचा एवं मूल्यांकन) गुलाम जिया ने कहा, ÷आने वाले दशक में भारत की आर्थिक उन्नति में अभूतपूर्व उछाल आएगा, जिसमें रियल एस्टेट क्षेत्र आधारशिला बनने के लिए तैयार है।÷ वर्ष 2034 में आवासीय बाजार 906 अरब डॉलर मूल्य का हो जाने की उम्मीद है जबकि कार्यालय क्षेत्र 125 अरब डॉलर का योगदान देगा।

स्वास्थ्य बीमा: पुरानी बीमारियों के इलाज के लिए तीन साल से ज्यादा नहीं करना होगा इंतजार, नया नियम लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वास्थ्य बीमा में बड़ा बदलाव किया गया है। इसके तहत पॉलिसीधारकों को अब पुरानी बीमारियों के इलाज के लिए 36 महीने से ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।पहले इन बीमारियों के इलाज के लिए प्रतीक्षा अवधि 48 महीने थी। नया नियम एक अप्रैल, 2024 से लागू है।

बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने हालिया अधिसूचना में कहा, पहले से हुई किसी बीमारी (पीईडी) की जांच स्वास्थ्य बीमा कंपनी की ओर से जारी पॉलिसी के शुरू होने की तारीख से 36 माह पहले फिजिशियन द्वारा किया जाता है या चिकित्सा सलाह या उपचार की सिफारिश की गई है तो ऐसे मामलों में वेटिंग अवधि 36 माह से ज्यादा नहीं होगी।

इरडा के मुताबिक, स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के शुरू होने से 36 महीने तक की अवधि के दौरान उल्लिखित बीमारियां या इलाज (दुर्घटना के कारण को छोड़कर) कवर नहीं होते हैं। अवधि पूरी होने पर इन बीमारियों/ उपचारों को कवर किया जाएगा, बशर्ते पॉलिसी को बिना किसी रुकावट के लगातार रिन्यू कराया गया हो।

बीमा कंपनी को देनी होगी पुरानी बीमारी की जानकारी

इरडा ने स्पष्ट कहा है कि पॉलिसी खरीदते समय खरीदारों को पुरानी बीमारियों के बारे में पूरी जानकारी बीमा कंपनी को देनी होगी।इस आधार पर बीमा कंपनी स्वास्थ्य बीमा उत्पादों में पहले से मौजूद बीमारी की वेटिंग अवधि और विशिष्ट वेटिंग अवधि को कम करने का प्रयास कर सकते हैं। हालांकि, यह नियम विदेशी यात्रा पॉलिसियों के लिए लागू नहीं होगा।

आसान उत्पाद पेश करें कंपनियां

नियामक ने कहा है कि बीमा कंपनियों को सरल और आसान उत्पाद पेश करने की जरूरत है, जो पॉलिसीधारक को समझ में आ जाए। इनके शब्दों, कवरेज व शर्तों में पारदर्शिता और स्पष्टता हो। पॉलिसीधारकों के हितों की रक्षा हो। उत्पादों से संबंधित सभी जोखिमों पर मूल्य निर्धारण में उचित रूप से विचार किया जाए।

डिजिटल लॉक्स ने घरेलू सुरक्षा के प्रबंधन में क्रांति ला दी है- गोदरेज लॉक्स सर्वेक्षण

मुंबई, एजेंसी। भारत में, घरेलू सहायकों (हाउस हेल्प) की भूमिका बस घर के काम-काज में सहायता प्रदान करने भर से कहीं अधिक है और ये लाखों परिवारों के रोजमर्रा के जीवन का अभिन्न अंग हैं। गोदरेज लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल फिटिंग्स एंड सिस्टम्स द्वारा हाल में किए गए अध्ययन से घरेलू सहायकों पर भारतीय परिवारों की गहरी निर्भरता का पता चलता है। इस शोध का शीर्षक था, सुरक्षित रहें, चिंतामुक्त रहें (लिव सेफ, लिव फ्री) जिसमें विभिन्न परिवारों और उनके घरेलू सहायकों के बीच गहरा संबंध उजागर होता है और इसमें एक चौंकाने वाला आंकड़ा यह संकेत देता है कि लोग घरेलू सहायकों के लिए समय की पाबंदी से समझौता करने को तैयार होते हैं। इस सर्वेक्षण में मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु और भोपाल सहित प्रमुख भारतीय शहरों के

2,000 उत्तरदाताओं को शामिल किया गया। इसमें एक उल्लेखनीय रुझान सामने आया, 49 प्रतिशत प्रतिभागियों ने स्वीकार किया कि ज़रूरी काम (अपॉइंटमेंट) होने पर भी, वे आधे घंटे से अधिक समय तक अपने घरेलू सहायक के लिए इंतज़ार करते हैं। इसके अलावा, 15 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने अपने दैनिक जीवन में घरेलू सहायकों के सर्वाधिक महत्व पर ज़ोर दिया, जिससे एक भावनात्मक संबंध का उजागर होता जो मात्र सहायता लेने-देने से परे है। गोदरेज लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल फिटिंग्स एंड सिस्टम्स के बिजनेस हेड, श्याम मोटवानी ने इन आंकड़ों पर अपनी टिप्पणी में कहा, ÷हमारे अध्ययन के निष्कर्ष न केवल आंकड़े बता रहे हैं, बल्कि एक बड़े सामाजिक रुझान का संकेत भी दे रहे हैं। हम आधुनिक भारतीय घरों की चुनौतियों को समझते हैं, साथ ही नए दौर की योजनाओं के प्रबंधन में कई तरह की जटिलताएं होती हैं, इसलिए, हमें एक ऐसा समाधान पेश करने पर गर्व है जो गोदरेज लॉक्स के अलग किस्म के डिजिटल लॉक के साथ सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देता है। चाभी गुम जाने से जुड़ी चिंता को दूर करने और कंट्रोल्ड एक्सेस प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया, डिजिटल लॉक घर की सुरक्षा के संबंध में शानदार समाधान प्रदान करता है। उपयोगकर्ता-अनुकूल ऐप के माध्यम से, घर के मालिक दुनिया भर में कहीं से भी परिवार के सदस्यों और घरेलू सहायक को पहुंच प्रदान कर सकते हैं, जिससे बिना किसी परेशानी के काम-काज सुचारू रूप से चल सकता है। इसके अलावा, यह प्रौद्योगिकी घर के मालिकों को अपने परिसर में प्रवेश की निगरानी करने, सुरक्षा और मन की शांति बढ़ाने में मदद करती है।

सुरक्षित रहें, चिंतामुक्त रहें (लिव सेफ, लाइव फ्री) अध्ययन का उद्देश्य न केवल घरेलू सहायक के संबंध में मानव व्यवहार को समझना है, बल्कि सुरक्षा और सुविधा के लिए स्मार्ट-होम उपकरणों को अपनाने की प्रक्रिया का भी पता लगाना है। अपनी व्यापक पहुंच और व्यावहारिक निष्कर्षों के साथ, यह सर्वेक्षण समकालीन भारतीय समाज में घरेलू प्रबंधन को पुनर्परिभाषित करने के लिए आधारशिला के रूप में सामने आता है।

एसबीआई की स्पेशल स्पष्ट स्कीम! सिर्फ 400 दिनों के निवेश पर मिलता है 7.60 प्रतिशत तक ब्याज

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप निकट भविष्य में फिक्स्ड डिपॉजिट में इन्वेस्ट करने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आपके लिए बड़ी खुशखबरी है। दरअसल, देश के सबसे बड़े पब्लिक सेक्टर लेंडर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी पॉपुलर अमृत कलश एफडी स्कीम की डेडलाइन को बढ़ा दिया है। बता दें कि बैंक ने पहले इस स्कीम की डेडलाइन को 31, मार्च 2024 तक वैलिड रखा था। हालांकि, अब बैंक ने इसे बढ़ाकर 30 सितंबर, 2024 तक कर दिया है। यानी कि ग्राहक अब अगले 6 महीने तक इस स्कीम का लाभ उठा सकते हैं। आइए जानते हैं पूरी खबर को विस्तार से।

एसबीआई अमृत कलश 400 दिन की एक एफडी स्कीम है जिसमें निवेश करने पर सामान्य ग्राहकों को अधिकतम 7.10 पर्सेंट जबकि सीनियर सिटीजन ग्राहकों को एडिशनल 50 बेसिस पॉइंट यानी 7.60 पर्सेंट तक ब्याज मिलता है। इस स्कीम के तहत ग्राहक अधिकतम 2 करोड़ रुपये तक की राशि जमा कर सकते हैं। बता दें कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने 12 अप्रैल 2023 को इसे लॉन्च किया था।

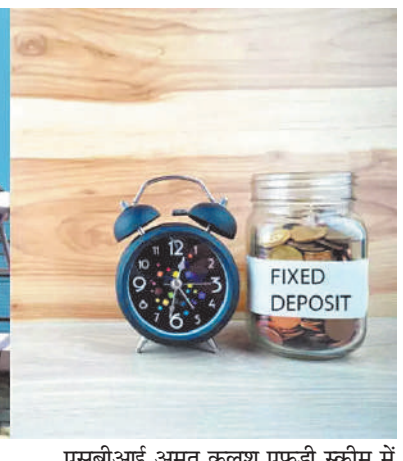

बता दें कि इस स्कीम के लॉन्च होने के बाद एसबीआई ने कई बार इसकी डेडलाइन को बढ़ाया है। बता दें कि पहली बार एसबीआई ने 23 जून, 2023 को इसकी डेडलाइन को बढ़कर 31, दिसंबर 2023 कर दिया था। बाद में बैंक ने फिर इसे बढ़ाकर 31 मार्च, 2024 कर दिया था। एक बार फिर बैंक ने इस स्पेशल एफडी स्कीम की डेडलाइन को बढ़ाते हुए 30 सितंबर, 2024 तक कर दिया है।

एसबीआई अमृत कलश एफडी स्कीम में इन्वेस्ट करने के लिए ग्राहक अपने नजदीकी किसी भी शाखा में जा सकते हैं। इसके लिए आपके डॉक्यूमेंट के तौर पर आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी की जरूरत पड़ेगी। इसके बाद बैंक से आपको इस स्कीम के लिए एक फॉर्म मिलेगा जिसको भरने के बाद ही आपका खाता खुल जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

पांच मैचों की सीरीज में भारतीय हॉकी टीम की चौथी हार

● ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से दी शिकस्त

पर्थ, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। पांच मैचों की श्रृंखला में यह मेहमान टीम की चौथी हार है। बिजली कड़कने के कारण 40 मिनट देरी से शुरू हुए मैच में चारों गोल पेनाल्टी कॉर्नर पर आए। भारत ने कप्तान हरमनप्रीत की मदद से 12वें मिनट में बढ़त बनाई थी लेकिन जेरेमी हेवर्ड (19वां मिनट, 47 वां मिनट) ने दो और जैक वेल्क (54वां मिनट) ने ऑस्ट्रेलिया की जीत सुनिश्चित की। पहले टेस्ट में भारत को 1-5, दूसरे में 2-4 और तीसरे में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था।

● **न्यूजीलैंड हॉकी टीम के दौरे के 100 वर्ष पूरे होने का मनाएगा जश्न** - न्यूजीलैंड भारतीय सेना की हॉकी टीम की ओर से 1926 में किए गए दौरे के सौ वर्ष होने का जश्न मनाने जा रहा है। तीन माह तक चले इस दौरे की टीम में हॉकी के जादूगर ध्यानचंद भी शामिल थे। माना जाता है कि इसी दौरे से ध्यानचंद का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उदय हुआ था। भारत में न्यूजीलैंड के राजदूत डेविड पाइन ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि 2026 दोनों देशों के संबंधों का विशेष वर्ष होगा। उन्होंने कहा कि इस जश्न के लिए एक समिति का गठन हो चुका है और समय के अनुसार चीजें आगे बढ़ती चली जाएंगी। उन्होंने कहा कि हम हर खेल में भारत के साथ जुड़ाव का जश्न मनाएंगे। चाहे ये क्रिकेट हो, वेटलिफ्टिंग, जूडो या फिर बॉक्सिंग। हमें उम्मीद है कि भारत के प्रधानमंत्री 2026 में इस जश्न में शामिल होने न्यूजीलैंड आएंगे। भारतीय हॉकी संघ के गठन के बाद 1926 में पहली बार न्यूजीलैंड टीम भेजी गई थी। इस दौरे पर भारतीय टीम ने 21 मैच खेले, जिसमें 18 उसने जीते। इस दौरे पर ध्यानचंद ने शानदार प्रदर्शन कर वहां के लोगों का दिल जीता था।

पेरिस ओलंपिकः

ओलंपिक से पहले भारत को झटका

● दिग्गज मुक्केबाज मैरीकॉम ने इस पद से दिया इस्तीफा, कारण भी बताया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि मैरी कॉम ने उन्हें पत्र लिखकर इस जिम्मेदारी से मुक्त करने के लिए कहा है। आईओए ने 21 मार्च को उनकी नियुक्ति का एलान किया था। भारत की दिग्गज मुक्केबाज और छह बार की विश्व चैंपियन मैरी कॉम ने पेरिस ओलंपिक से पहले इस बहुराष्ट्रीय प्रतियोगित में देश के दल के प्रमुख (शेफ डी मिशन) के अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्हें भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 21 मार्च को शेफ डी मिशन नियुक्त किया था। मैरी कॉम ने पद से हटने के पीछे निजी कारणों का हवाला दिया है और कहा कि उनके पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि मैरी कॉम ने उन्हें पत्र लिखकर इस जिम्मेदारी से मुक्त करने के लिए कहा है। मैरी कॉम ने उषा को लिखे पत्र में कहा- देश की किसी भी रूप में सेवा करना गर्व की बात है और मैं इसके लिए मानसिक रूप से तैयार थी, लेकिन मुझे खेद है कि मैं यह जिम्मेदारी नहीं उठा सकूंगी।

अपनी मानसिकता और शरीर को पहले रखना प्राथमिकता: जेसन रॉय

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय ने कहा है कि उन्हें अपनी मानसिकता और शरीर को पहले रखने के लिए मौजूदा आईपीएल 2024 सीजन से हटना पड़ा, जहां उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ खेलना था। रॉय के आईपीएल 2024 से हटने का मतलब था कि केकेआर को इंग्लैंड के साथी सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट को साइन करना पड़ा। श्रेयस अय्यर के पीठ के निचले हिस्से की चोट के कारण बाहर होने और शाकिब अल हसन के सीज़न के लिए उपलब्ध नहीं होने के बाद रॉय आईपीएल 2023 में केकेआर में आए और आठ मैचों में 35.63 की औसत और 151.60 के स्ट्राइक-रेट से 285 रन बनाए जिसमें दो अर्धशतक शामिल थे। मुझे लगता है कि इस साल के आईपीएल को मिस करना एक बहुत बड़ा निर्णय था। केकेआर ने पिछले साल एक अच्छे वर्ष के बाद मुझे रिटेन करके मुझ पर इतना भरोसा किया और पूरे साल और अन्य सभी प्रतियोगिताओं में उनके लिए उपलब्ध रहा, मुझे लगा जैसे मैं उनका एहसानमंद हूं।

रॉय ने द एथलीट्स वॉयस पॉडकास्ट के नवीनतम एपिसोड में कहा कि यह एक बहुत बड़ा निर्णय था, लेकिन मैंने यह निर्णय सिर्फ इसलिए लिया क्योंकि यह मेरी बेटी का पांचवां जन्मदिन था। मैं अपने साल की शुरुआत के बाद काफी थक गया था।

इस वर्ष, 2023 में भारत में 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के लिए इंग्लैंड की टीम से बाहर होने के बाद, रॉय ने आईएलटी20 के दो मैचों में अबू धाबी नाइट राइडर्स का प्रतिनिधित्व करने से पहले डरबन के सुपर जाइंट्स के लिए एसए20 खेला। वह पीएसएल 2024 में क्वेटा ग्लैडियेटर्स के लिए खेलेंगे।

मैं बहुत अधिक क्रिकेट नहीं खेलकर आया हूं, इसलिए मैं केकेआर के प्रति बहुत ईमानदार था और हमारे बीच एक शानदार रिश्ता है। उन्होंने कहा, मैं क्यों नहीं आ रहा हूं, इस पर सहमति और इस तरह की बातें। वे पूरी तरह से समझ गए, इसलिए मैं इसके लिए उनका बहुत आभारी हूं, लेकिन मुझे खुद को सबसे पहले रखना था।

रॉय की आईपीएल 2024 से वापसी भी दो साल पहले की सीख से हुई, जब उन्हें खेल से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने के लिए मजबूर होना पड़ा और गुजरात टाइटन्स के लिए आईपीएल 2022 से चूक गए। वह मेरे लिए बहुत बड़ी सीख थी, आप जानते हैं कि इस वर्ष यह निर्णय लेने में सक्षम होना, और यह एक निश्चित तरीके से दिख सकता है। लेकिन इसका किसी और से कोई लेना-देना नहीं है। यह आपका निर्णय है - मेरा एक युवा परिवार है, मैं एक वयस्क व्यक्ति हूं और मैंने बहुत सारे विचारों के बाद यह निर्णय लिया है। मैं सिर्फ एक सुबह उठा और सोचा, आप जानते हैं क्या - मुझे वास्तव में भारत के लिए उस उड़ान पर जाने का मन नहीं है।

उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि इस पर बहुत विचार किया गया है, और इसके बारे में बात करना बहुत आसान हो गया है और निर्णय लेना कहीं अधिक आसान हो गया है, सिर्फ इसलिए कि आप जानते हैं, खासकर पिछले अनुभवों से, कि यह आपके लिए क्या कर सकता है।

हिटमैन बोले हम जीत सकते हैं भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप, सन्यास पर कही ये बात...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उन्होंने अभी संन्यास के बारे में नहीं सोचा है। घरेलू धरती पर विश्व कप का खिताब जीतने का मौका गंवाने के बाद रोहित को उम्मीद है कि भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 में खेलेगा। 36 वर्षीय रोहित, दक्षिण अफ्रीका में भारत की 2007 पुरुष टी20 विश्व कप जीत और इंग्लैंड में 2013 चैंपियंस ट्रॉफी जीत के सदस्य थे। वह और भारत घरेलू मैदान पर 2023 पुरुष वनडे विश्व कप खिताब जीतने की कगार पर थे, लेकिन अहमदाबाद में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार ने उन उम्मीदों को खत्म कर दिया। ये वही साल था जब भारत को लंदन के द ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी 2023 फाइनल में भी हार मिली थी।

रोहित ने ब्रेकफास्ट विद चैंपियंस के एक एपिसोड में कहा कि मैंने वास्तव में संन्यास के बारे में नहीं सोचा है। लेकिन, मैं नहीं जानता कि जिंदगी आपको कहां ले जाती है। मैं इस समय भी अच्छा खेल रहा हूं - इसलिए मैं सोच रहा हूं कि मैं इसे जारी रखूंगा। कुछ और साल और फिर, मुझे नहीं पता कि मैं वास्तव में वह विश्व कप जीतना चाहता हूं और 2025 में लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल होगा, उम्मीद है कि भारत इसमें सफल होगा।

मैंने भारत में जो देखा, वो कहीं नहीं देखा...

आईपीएल डेब्यू में धमाके के बाद मैकगर्क की जुबां पर आई दिल की बात

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की युवा सनसनी जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने आईपीएल डेब्यू में धमाका कर दिया। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का हिस्सा मैकगर्क ने शुक्रवार को लखनऊ सुपर जांयट्स (एलएसजी) के खिलाफ शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। वन डाउन उतरे मैकगर्क के बल्ले से 35 गेंदों में 55 रन निकले। उन्होंने दो चौके और पांच छक्के ठोके। उन्होंने पृथ्वी शॉ (19) के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 और कप्तान ऋषभ पंत (41) के संग तीसरे विकेट के लिए 77 रन की अहम साझेदारी की। डीसी ने 168 रन का टारगेट 11 गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। मैकगर्क आईपीएल डेब्यू मैच में फिफ्टी जड़ने वाले 22वें खिलाड़ी हैं।

डीसी ने चोटिल पेसर लुंगी एनगिडी के रिप्लेसमेंट के रूप में मैकगर्क को स्क्वॉड में शामिल किया था। वह 50 लाख रुपये के बेस प्राइस पर डीसी से जुड़े थे। आईपीएल डेब्यू में यादगार पारी खेलने के बाद 22 वर्षीय मैकगर्क की जुबां पर दिल की बात आ गई। उन्होंने भारत की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि भारत में आईपीएल में जैसे शानदार माहौल है, वैसा कभी अनुभव नहीं किया। उन्होंने मैच के बाद कहा, मैंने पिछले पांच-छह बाहर बैठकर बिताए हैं और मैदान पर उतरने के लिए उत्सुक रहा। मैं पहला गेम जीतने पर बेहद खुश हूं। मैं, बल्ले के बीच से खेलने की कोशिश की। बस गेंद को देखा और उसके अनुसार रिएक्ट किया, यही मैं पिछले 12 महीनों से कर रहा हूं और इसे क्यों ही बदलूं?

मैकगर्क से जब पूछा गया कि उनका सबसे ज्यादा पसंदीदा शॉट कौन-सा रहा तो कंगारू बल्लेबाज ने कहा, मुझे कवर के ऊपर का शॉट बहुत पसंद आया। मैं आमतौर पर ऑफ साइड पर इतने ज्यादा शॉट नहीं मारता। मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा है जिसे मैं सीखना जारी रखूंगा। अपने स्ट्राइक रेट और साथ ही स्ट्राइक रोटेट करने पर फोकस कर रहा हूं। मेरा मानना है कि यह एक स्किल है जो अनुभव के साथ आएगी और ज्यादा मैच खेलने से निश्चित रूप से इसमें मदद मिलेगी।

उन्होंने आगे कहा, मैं यहां (भारत में आईपीएल खेलना) आकर रोमांचित हूं। यह एक अलग दुनिया में कदम रखने जैसा है। मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा। प्रत्यक्ष अनुभव शानदार रहा है। भारत में बेहतरीन वक्त गुजर रहा है।÷ बता दें कि दिल्ली की टीम लखनऊ के खिलाफ जीत के पॉइंट्स टेबल में 10वें स्थान से ऊपर उठकर नौवें पर पहुंच गई है। दिल्ली ने अब तक 6 मैचों में से दो जीते हैं। एलएसजी चौथे पायदान पर है।

पहली आईपीएल पारी में नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए हाईएस्ट स्कोर

116 - माइकल हसी (सीएसके) बनाम पीबीकेएस, मोहाली, 2008
55 - जेक फ्रेजर-मैकगर्क (डीसी) बनाम एलएसजी, लखनऊ, 2024
54 - विद्युत शिवरामकृष्णन (सीएसके) बनाम डीसी, चेन्नई, 2008
54 - कुमार संगकारा (पीबीकेएस) बनाम सीएसके, मोहाली, 2008
54 - अंगकृष रघुवंशी (केकेआर) बनाम डीसी, विशाखापट्टनम, 2024

कैंडिडेट्स शतरंज

गुकेश की पहली हार, शीर्ष स्थान से फिसले

प्रगनानंदा ने शीर्ष वरीय कारुआना से ड्रॉ खेला

टोरंटो (कनाडा), एजेंसी। रूस के इयन नेपोमनियाच्ची (4.5) अमेरिकी नाकामुरा (3.5) से ड्रॉ खेलकर इकलौती बढ़त पर हैं। महिला वर्ग में आर वैशाली को चीन की ली टिंगजी (4) से हार का सामना करना पड़ा, जबकि कोनेरू हंपी ने यूक्रेन की मुजिशुक (2.5) से ड्रॉ खेला। दोनों के 2.5 अंक हैं। डी गुकेश को कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में पहली हार का सामना करना पड़ा। उन्हें फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा के खिलाफ अच्छी स्थिति में होने के बावजूद मात सहनी पड़ी। इस हार के बाद गुकेश (4) को संयुक्त शीर्ष स्थान भी गंवाना पड़ा। अब वह आर प्रगनानंदा और फैबियानो कारुआना के साथ दूसरे स्थान पर हैं। प्रगनानंदा (4) और शीर्ष वरीय कारुआना (4) ने सातवें दौर की बाजी ड्रॉ खेली। विदित गुजराती (3.5) का भी अजरबैजान के निजात एबासोव (2) से मुकाबला बराबरी पर छूटा।

रूस के इयन नेपोमनियाच्ची (4.5) अमेरिकी नाकामुरा (3.5) से ड्रॉ खेलकर इकलौती बढ़त पर हैं। महिला वर्ग में आर वैशाली को चीन की ली टिंगजी (4) से हार का सामना करना पड़ा, जबकि कोनेरू हंपी ने यूक्रेन की मुजिशुक (2.5) से ड्रॉ खेला। दोनों के 2.5 अंक हैं। चीन की झोंगयी तान (5) ने रूस की अलेक्जेंडर गोर्याचकिना (4.5) से ड्रॉ खेल महिला वर्ग में अपनी बढ़त को कायम रखा है।

टूर्नामेंट का आधा पड़ाव समाप्त - सात दौर के बाद टूर्नामेंट का आधा पड़ाव समाप्त हो चुका है। अब अगले सात दौर में विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को चुनौती देने वाले का फैसला होगा। टूर्नामेंट में पहली बार चीजें गुकेश की योजनाओं के अनुसार नहीं चलीं। मध्य खेल तक गुकेश अच्छी स्थिति में थे, लेकिन उन्हें गैरजरूरी जटिलताओं को अपनाना महंगा पड़ा। वह बुरी तरह समय के फेर में फंस गए थे। प्रगनानंदा ने 41 चालों में फ्रेंच रक्षण का सहारा लेते हुए कारुआना से ड्रॉ खेला। गुजराती भी मध्य खेल में मजबूत स्थिति में थे, लेकिन एबासोव ने खेल के अंत में मजबूत रक्षण का परिचय देकर ड्रॉ खेला।

धोनी की झलक के लिए फैन ने खरीदे

64,000 रुपए के आईपीएल टिकट, 3 बेटियों की फीस में की देरी

नईदिल्ली, एजेंसी। महेंद्र सिंह धोनी के भारत में एक से बढ़कर एक फैन है. उनकी दीवानगी फैंस के सिर पर चढ़कर बोलती है. धोनी के एक फैन ने दावा किया कि उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के टिकट को 64, 000 रुपये खर्च कर खरीदा, ताकि वो थाला का दीदार कर सकें. इसके लिए इस फैन ने बेटियों की स्कूल फीस में देरी कर दी. उन्होंने कहा कि वह पहले टिकट लेना चाहते थे, जिस वजह से उन्होंने अपनी 3 बेटियों की फीस में देरी कर दी. इस फैन के साथ उसकी तीन बेटियों ने थाला के मैच का दीदार किया.

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में इस फैन दावा किया. चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में केकेआर के खिलाफ मैच के टिकट इस फैन ने 64 हजार रुपए खर्च कर खरीदे. धोनी 8 अप्रैल को आईपीएल 2024 में केकेआर के खि?लाफ हुए मैच में बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे. इस मैच को चेन्नई सुपर किंग्स ने 7 विकेट से जीता था. इस फैन ने दावा किया

कि 64,000 रुपये खर्च कर जो टिकड खरीदे, उससे उन्होंने और उनकी 3 बेटियों ने मैच देखे. इस फैन ने दावा किया, मुझे टिकट नहीं मिला, इसलिए मैंने ब्लैक में 64,000 रुपये में टिकट खरीदे. मुझे अभी भी स्कूल की फीस जमा करनी है, लेकिन हम एमएस धोनी को सिर्फ एक बार देखना चाहते थे. इस फैन ने स्पोर्ट्सवॉक चेन्नई चैनल के साथ एक से यह बात कही.

सोशल मीडिया पर फैन्स ने उठाए सवाल - वहीं इस शख्स की बेटी ने एक वीडियो में कहा, मेरे पिता ने इन टिकटों को पाने के लिए बहुत मेहनत की है, जब धोनी खेलने आए तो हम बहुत खुश थे. हालांकि इस बात से सोशल मीडिया पर फैन्स काफी नाराज दिखे. उन्होंने शख्स की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े कर दिए, कई लोग इस फैसले की आलोचना करते हुए नजर आए.

चेन्नई की टीम आईपीएल 2024 में ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में खेल रही है. अब तक आईपीएल में उसने 5 मैच खेले हैं, जहां 3 में उसे जीत मिली है और 2 में हार. अब चेन्नई का अगला मुकाबला 14 अप्रैल को मुंबई इंडियंस से होगा।

गरीबी में आटा गीला...

लगातार हार के बीच आरसीबी को लगा तगड़ा झटका

स्टार ऑलराउंडर मैक्सवेल हुए चोटिल

नईदिल्ली, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए अब तक आईपीएल 2024 बहुत खराब रहा. टीम ने 6 मैच खेल लिए हैं, जिसमें उन्हें सिर्फ 1 में ही जीत नसीब हुई है. बेंगलुरु सीज़न में 1 जीत हासिल करने वाली इकलौती टीम है. 1 जीत के साथ टीम प्वाइंट्स टेबल में सबसे नीचे यानी 10वें पायदान पर मौजूद है. अब इन मुश्किल हालातों के बीच टीम को बड़ा झटका लगा है. टीम का स्टार ऑलराउंडर चोटिल हो गया है. दरअसल आरसीबी के लिए बिग शो कहे जाने वाले स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को अंगूठे में चोट लग गई है. एक रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए पिछले मैच में फील्डिंग के दौरान मैक्सवेल को चोट लगी थी. आकाश दीप की बॉलिंग पर ऑन साइड में फील्डिंग करते हुए मैक्सवेल का अंगूठा चोटिल हुआ था. चोट के बाद वह मैदान के बाहर चले गए थे. बेंगलुरु अपना अगला मैच 15 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी. हैदराबाद के खिलाफ मैक्सवेल बाहर हो सकते हैं.

खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं मैक्सवेल - मैक्सवेल ने अब तक इस सीज़न 6 पारियां खेल ली हैं, जिसमे 3 बार वह डक पर आउट हुए. इसके अलावा बाकी तीन पारियों में उन्होंने 03, 28 और 01 रन बनाया है. वहीं बॉलिंग में उन्होंने 4 विकेट झटके हैं.

कौन हो सकता है मैक्सवेल का रिप्लेसमेंट? - मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए पिछले मैच में बेंगलुरु ने ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन को प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया था. अब हैदराबाद के खिलाफ खेले जाने वाले मुकाबले में एक बार फिर कैमरून ग्रीन को प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बनाया जा सकता है. इस बार ग्रीन को मैक्सवेल की जगह शामिल किया जा सकता है. अब देखना दिलचस्प होगा कि अगले मैच में मैक्सवेल की जगह किसे प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बनाया जाता है. टीम 6 में से 5 मैच हार चुकी है।

आईपीएल-2024

आयुष बडोनी ने आईपीएल में एमएस धोनी के रिकॉर्ड की बराबरी

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल के 17वें सीजन के 26वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला खेला गया जिसमें ऋषभ पंत की कप्तानी में दिल्ली ने इस मैच को 6 विकेट से अपने नाम किया। इस मुकाबले में लखनऊ की टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था, जिसमें उन्होंने 41 के स्कोर तक जहां अपने शुरुआती 2 विकेट गंवाए थे तो वहीं 94 के स्कोर तक टीम ने अपने 7 विकेट गंवा दिए थे। यहां से लखनऊ के लिए मैच में लड़ने लायक स्कोर तक पहुंचना काफी मुश्किल दिख रहा था, लेकिन 24 साल के युवा खिलाड़ी आयुष बडोनी ने अरशद खान के साथ मिलकर स्कोर को 167 के स्कोर तक पहुंचा दिया। आयुष के बल्ले से 35 गेंदों में 55 रनों की नाबाद पारी देखने को मिली जिसके दम पर उन्होंने आईपीएल में महेंद्र सिंह धोनी के एक खास रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली।

आईपीएल में नंबर-7 की पोजीशन पर आया बडोनी का दूसरा अर्धशतक - आयुष बडोनी को लखनऊ सुपर

जाएंट्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में नंबर 7 की पोजीशन पर बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर भेजा था, जिसके बाद उन्होंने एक छोर से पारी को संभालने के साथ रनों की गति को भी बढ़ाने का काम किया। आयुष ने अरशद खान के साथ मिलकर 42 गेंदों में 73 रनों की साझेदारी। आयुष ने अपनी नाबाद 55 रनों की पारी के दम पर आईपीएल इतिहास में धोनी के खास रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली। आईपीएल इतिहास में इस मुकाबले से पहले नंबर-7 की पोजीशन पर बल्लेबाजी करते हुए भारतीय खिलाड़ी के तौर पर सिर्फ धोनी ने ही 2 फिफ्टी प्लस रनों की पारी खेली थी, वहीं बडोनी जो पहले एक बार इस कारनामे को अंजाम दे चुके थे उन्होंने दूसरी बार ऐसा करने के साथ धोनी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। बडोनी ने इससे पहले साल 2023 के आईपीएल सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ लखनऊ के मैदान पर खेले गए मुकाबले में नंबर-7 की पोजीशन पर बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 59 रनों की पारी खेली थी।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे चलाएगा 10 जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनें; बोर्ड ने जारी किया शेड्यूल

गोरखपुर , एजेंसी। गर्मी की छुट्टी में दिल्ली, पंजाब और मुंबई आवागमन करने वाले उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे ने गोरखपुर, वाराणसी, छपरा, लालकुआं और टनकपुर से विभिन्न तिथियों व रूटों पर जून तक 10 जोड़ी समर स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देश पर ट्रेनों का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। ट्रेनों की घोषणा के साथ ही टिकटों की बुकिंग भी शुरू हो जाएगी। रेलवे ने ट्रेनों के संचालन की तैयारी पूरी कर ली है। आवश्यकतानुसार और समर स्पेशल ट्रेन चलाने की भी योजना तैयार कर ली है। पूर्वोत्तर रेलवे (एनईआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह के अनुसार गोरखपुर के रास्ते बिहार से दिल्ली और पंजाब के लिए भी ट्रेनें चलाई जाएंगी। सहरसा से सरहिंद और रक्सौल से आनंदविहार के बीच समर स्पेशल ट्रेन की घोषणा कर दी गई है। दरअसल, छुट्टियों के समय नियमित ट्रेनों का कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहा। गोरखपुर और छपरा से दिल्ली और मुंबई रूट पर चलने वाली ट्रेनों में नो रूम (टिकटों की बुकिंग बंद) की स्थिति बन गई है।

पीएम पर विवादित बयान देने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा पर एफआईआर

बीजापुर , एजेंसी। छत्तीसगढ़ की बस्तर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा अपने दिए गए बयानों को लेकर फंसते नजर आ रहे हैं। हाल ही में उन्होंने बीजापुर की एक चुनावी सभा में डमी ईवीएम की मदद से लोगों को वोट देने का तरीका समझाया था। इस दौरान उन्होंने बटन दबाने के बारे में बताते हुए गोंडी बोली में कवासी लखमा जीत गया और मोदी मर गया जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। इस बात की जानकारी मिलने पर चुनाव आयोग ने इस मामले में संज्ञान में लिया और इसे हेट स्पीच मानते हुए स्वढ्ढक्र दर्ज करने के निर्देश दिए। जिसके बाद बीजापुर जिले के मिरतूर और कुटरू थाने में कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा पर पुलिस ने स्वढ्ढक्रदर्ज कर ली है। इस मामले में जानकारी देते हुए बीजापुर एसपी जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा के खिलाफ धारा 500, 506, 188 व आरपीए एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा पर जगदलपुर में खुलेआम पैसे बांटने के मामले में जगदलपुर कोतवाली में भी एफआईआर दर्ज हो चुकी है।

सीएम बोले- कांग्रेस को स्पष्ट दिख रही हार

कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को लेकर की गई टिप्पणी को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है।

अगर सुंदर ठाकुर मेरी फिल्म का एक डायलॉग बोलकर दिखा दें तो मैं राजनीति क्या भारत छोड़ दूंगी- कंगना रनौत

मंडी, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी कंगना रनौत ने प्रदेश के कांग्रेस विधायक और मुख्य संसदीय सचिव सुंदर सिंह ठाकुर को खुली चुनौती दे डाली है। कंगना ने शुक्रवार को भरी सभा में मंच से कहा कि अगर वह (सुंदर ठाकुर) मेरी फिल्म का एक डायलॉग बोलकर दिखा दें तो मैं राजनीति क्या भारत छोड़ दूंगी। इससे पहले सुंदर ठाकुर ने एक बयान में कहा था कि कंगना मुंबई से यहां आती हैं, वह राजनीति क्या जानें? सुंदर के इस बयान से नाराज कंगना ने सीधा हमला करते हुए उन्हें खुला चैलेंज दे डाला। राजनीति एक भाव है जो मुझमे अपने आप आया है। उन्होंने कहा कि मैं लोगों की सेवा करना चाहती हूं। कंगना पर निशाना साधते हुए सुंदर ठाकुर ने गुरुवार को कहा था, ये चुनाव है, किसी फिल्म की प्रमोशन नहीं है कि आपने दो महीने में फिल्म बना ली ढिंका चिका-ढिंका चिका करके, प्रमोशन करके और ट्वीट करके।

नितिन गडकरी की छवि के सामने फेल हैं सारे जातीय समीकरण

नागपुर, एजेंसी। नागपुर शहर के बीचों-बीच पड़ने वाले शताब्दी चौक पर चुनावी लाउडस्पीकर का बहुत शोर है। बसपा के नीले झंडे वहां सबसे ज्यादा लहरा रहे हैं, लेकिन तभी उधर से मनीष नगर की ओर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का काफिला निकलता है और लोगों की भीड़ उनकी तरफ उमड़ पड़ती है। वह आत्मविश्वास से भरे नजर आते हैं।

यह संसदीय सीट कई मायनों में महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का मुख्यालय यहां है और भाजपा के वरिष्ठ नेता तथा केंद्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी जीत की हैट्रिक बनाने की तैयारी कर रहे हैं। तीसरे, इस सीट पर जातीय समीकरण हावी हैं। लेकिन जातीय समीकरणों पर गड़करी की छवि कहीं ज्यादा भारी पड़ रही है। उन्हें लोग एक ऐसे मंत्री, सांसद और नेता के रूप में देखते हैं, जिन्होंने शानदार सड़कें बनाकर न सिर्फ नागपुर, बल्कि सूबे और देश का भी

विकास किया है।

पार्टी के भीतर ही नहीं बल्कि विरोधियों के बीच भी गडकरी की साख उनकी स्वीकार्यता को बढ़ाती है। हालांकि कांग्रेस ने एक ओबीसी और अनुभवी उम्मीदवार विकास ठाकरे को उनके सामने उतारकर चुनौती पैदा करने की कोशिश की है लेकिन लोग साफ कहते हैं कि कोई और उम्मीदवार होता तो भाजपा की राह मुश्किल हो सकती थी लेकिन यहां तो गडकरी जी मैदान में हैं। बता दें कि नागपुर में ओबीसी मतदाताओं की संख्या 50 फीसदी से भी ज्यादा होने का अनुमान है जिनमें ज्यादातर कुनबी और तेली हैं। भाजपा ने अपने प्रचार में गडकरी की छवि को भुनाने का भरपूर प्रयास किया है, उनका नारा है... 'कहो दिल से नितिन जी फिर से...।'

उद्धव ठाकरे केंद्र की विफलताओं को जनता के सामने रखने का प्रयास कर रहे हैं। वह नागपुर पश्चिम सीट से विधायक हैं। नागपुर पश्चिम सीट में ही संघ मुख्यालय भी पड़ता है और उनका आत्मविश्वास इतना लबालब है कि उन्होंने हाल में दावा किया था, संघ के कई लोग भी उनके पक्ष में वोट करेंगे।

नागपुर के लोग चुनाव में दिलचस्पी ले रहे हैं और पैनी नजर बनाए हैं। जीरो माइल इलाके के निवासी मोरेश्वर सी. धुने कहते हैं कि विकास ठाकरे के मैदान में उतरने से शायद पांच लाख मतों से जीत का लक्ष्य गडकरी पूरा नहीं कर पाएं, फिर भी अच्छे मतों से उनकी जीत पक्की है। एक खाद्य श्रंखला के संचालक एवं भाजपा में सक्रिय प्रणब घुगरे कहते हैं कि गडकरी शानदार मतों से जीत की हैट्रिक लगाने जा रहे हैं। नागपुर सीट पर वैसे तो 26 प्रत्याशी मैदान में हैं जिनमें ज्यादातर निर्दलीय व छोटे दलों के नुमाइंदे हैं। हालांकि यहां भाजपा, कांग्रेस के बाद तीसरे नंबर की पार्टी बसपा है। बसपा ने योगेश पातीराम को प्रत्याशी बनाया है। पिछले कई चुनावों में बसपा यहां तीसरे नंबर पर उभरकर आई, पर उसके वोट घट रहे हैं। दरअसल, 15-20 दलित मतदाता इस सीट पर हैं जिनमें हिन्दू एवं बौद्ध दलितों की मिलीजुली संख्या है। दलित वोटर साढ़े चार लाख के करीब होने की संभावना है। 12 मुस्लिम वोटर भी हैं। 2009 में बसपा प्रत्याशी को 1.18 लाख मत मिले थे, लेकिन 2019 में 32 हजार से भीकम रहे।

दिव्यांग पति को नहीं देना होगा गुजारा भत्ता, कर्नाटक हाईकोर्ट ने मामले में निचली अदालत के आदेश पलटा

बेंगलुरु , एजेंसी। कर्नाटक हाई कोर्ट ने 75 प्रतिशत दिव्यांग व्यक्ति को अलग रह रही पत्नी को गुजारा भत्ता देने के लिए बाध्य करने से इनकार कर दिया। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने उसकी गिरफ्तारी और जुर्माना लगाने के निचली अदालत के आदेश भी पलट दिया। हाई कोर्ट महिला द्वारा दायर गुजारा-भत्ता संबंधी याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जस्टिस एम नागप्रसन्ना की एकल पीठ ने व्यक्ति की शारीरिक सीमाओं पर जोर देते हुए कहा कि पति बैसाखी की मदद से चल रहा है और भरण-पोषण के लिए उससे नौकरी की अपेक्षा करना अव्यवहारिक है। इस मामले में पति-पत्नी के बाद तलाक हुआ था और पत्नी ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 24 के तहत भरण पोषण के लिए 15,000 रुपये प्रति माह दिए जाने की मांग की थी। हालांकि बाद में पति दिव्यांग हो गया और गुजारा भत्ता देने में अक्षम हो गया। हाई कोर्ट ने पति की दिव्यांगता के मद्देनजर उसकी पत्नी द्वारा दायर भरण-पोषण संबंधी याचिका को खारिज कर दिया। हालांकि हाई कोर्ट ने दिव्यांग पति के पिता से पोते के जरूरतों के लिए बेटे की दिव्यांगता से पहले का भुगतान वित्तीय सहायता के लिए महिला को देने को कहा।

केरल में शशि थरूर का वाम दलों पर हमला, भाजपा विरोधी वोटों को बांटने का लगाया आरोप

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। वाम दलों पर तिरुअनंतपुरम में भाजपा विरोधी वोटों को विभाजित करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा कि वामपंथी दल विपक्षी एकता के बारे में बहुत चिंतित होने का दावा करते हैं, लेकिन यह बताने में विफल हैं कि वे भाजपा के कुशासन पर फोकस करने के बजाय अपनी अधिकांश ऊर्जा उन्हें कमजोर करने में क्यों लगा रहे हैं।

तिरुअनंतपुरम में त्रिकोणीय मुकाबला है और यहां थरूर का मुकाबला भाजपा नेता व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और भाकपा के पी. रविंद्रन से है। थरूर ने कहा कि यह विडंबना है कि वामपंथी इस संसदीय सीट पर भाजपा विरोधी वोटों को विभाजित करना चाहते हैं और वायनाड में गठबंधन धर्म का उपदेश देते हैं, जहां से राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं।

उनका इशारा वायनाड से राहुल की उम्मीदवारी पर भाकपा की आपत्ति की ओर था। उन्होंने यह भी कहा कि वामपंथियों ने हर बार उनके विरुद्ध उम्मीदवार खड़ा किया है और इसके लिए वह उनकी आलोचना नहीं कर सकते क्योंकि उन्होंने 2009 में उनसे ही पहली बार सीट हासिल की थी।

बाल विवाह करना चाहते थे पेरेंट्स, लड़की ने की बगावत

हैदराबाद, एजेंसी। आंध्र प्रदेश में इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं के फर्स्ट ईयर में एस निर्मला ने टॉप किया है। निर्मला की कहानी वाकई बहुत से लोगों के प्रेरणा दायक है। इसने फिर यह साबित कर दिया है कि अगर पढ़ने-लिखने का मौका मिले तो लड़कियां सफलता की बुलंदियों को छू सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, निर्मला बाल विवाह की चपेट में आन वाली थीं, मगर किसी तरह बच गईं। उन्होंने शिक्षा का रास्ता चुना और आज अपना नाम रोशन किया है। वह कुर्नूल जिले के पेद्दा हरिवनम की रहने वाली हैं। उन्होंने 440 नंबर में से 421 नंबर (95.7प्रतिशत) हासिल किया है। वह हमेशा से प्रतिभाशाली छात्रा रही हैं। 10वीं के एग्जाम में उन्होंने 600 में से 537 नंबर (89.5प्रतिशत) पाए थे। निर्मला की 4 बहनें हैं। इनमे से 3 की शादी उनके पेरेंट्स ने पहले ही कर दी थी। वे निर्मला की भी शादी करना चाहते थे। मगर, उन्होंने इसका विरोध किया और अपना करियर बनाने पर जोर दिया।

चुनाव से पहले घबराए हुए हैं पीएम मोदी, नॉनवेज वाली टिप्पणी पर कांग्रेस ने किया पलटवार

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर उनके उस बयान के लिए निशाना साधा है जिसमें उन्होंने कहा है कि सावन के महीने में मीट खाने का वीडियो प्रदर्शित कर विपक्ष बहुसंख्यक समुदाय को चिढ़ाता है। इस पर कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री घबरा गए हैं। वह रोज ध्यान भटकाने का नया तरीका खोजने की कोशिश करते हैं। वह हर दिन हमें अपनी बीमार मानसिकता का एक नया उदाहरण देते हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री का बिना रुके राजनीति करना बचकाना व थकाऊ है और दावा किया कि चुनाव में भाजपा पिछड़ रही है क्योंकि उसने अभी तक अपना घोषणापत्र तैयार नहीं किया है, जबकि कांग्रेस पहले ही अपना घोषणापत्र जारी कर चुकी है और लोगों से संपर्क कर रही है।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा, ÷प्रधानमंत्री के विपरीत हमने यह ट्रैक नहीं किया है कि किस नेता ने किस महीने में क्या खाया। यहां पोषण के कुछ डाटा हैं, जिन्हें हम ट्रैक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनीमिया कई वजहों से होता है जिनमें आयरन की कमी, अपर्याप्त आहार और अन्य पोषक तत्वों की कमी शामिल है। 2015-16 और 2019-21 के बीच पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में एनीमिया में लगभग 10 प्रतिशत प्वाइंट्स की वृद्धि हुई।÷ कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि 15 से 19 वर्ष की महिलाओं में एनीमिया का प्रसार 9.2 प्रतिशत तक बढ़ गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात में पांच वर्ष से कम उम्र के 10 में से आठ बच्चे एनीमिया से प्रभावित मिले। रमेश ने आरोप लगाया, मिड-डे मील योजना में स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए नाश्ता शामिल करने की 4,000 करोड़ की योजना पर धन की कमी के कारण वित्त मंत्रालय ने वीटो कर दिया था।

मोदी सरकार में कुपोषण व्यापक स्तर पर

उन्होंने कहा कि ग्लोबल हेल्थ इंडिकेटर (जीएचआई) रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत के बच्चों में वेस्टिंग रेट (लंबाई के अनुपात में कम वजन) 18.7 प्रतिशत है जो इसके सूचकांक में शामिल देशों में सबसे अधिक है। बच्चों में बौनेपन की दर 35.5 प्रतिशत है जो दुनिया में 15वीं सबसे अधिक है। मोदी सरकार में कुपोषण व्यापक स्तर पर बना हुआ है और कई डाटा इंडिकेटरों के अनुसार, यह और भी बदतर हो गया है।

बाइडन-ट्रंप को टक्कर देगा शिक्षक, बदला नाम; कहा- राजनीति को रीसेट करना जरूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के अलावा एक नए व्यक्ति का नाम सामने आया है। इसके लिए एक 35 वर्षीय शिक्षक डस्टिन इबे ने आधिकारिक तौर पर अपना नाम भी बदला है। उन्होंने राष्ट्रपति की दौड़ में बाइडन और ट्रंप के बीच दोबारा मुकाबले को देखते हुए निराशा व्यक्त की है। हालांकि, यह एक ध्यान आकर्षित करने वाला निर्णय है, लेकिन इबे के पास उठाने के लिए कई गंभीर मुद्दे हैं।

मीडिया से बात करते हुए डस्टिन इबे ने कहा, मेरा नाम कोई भी अन्य (लिटरली एनीबडी एल्स) है और मैं राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में शामिल हुआ हूं। उन्होंने बताया कि वह और उनकी पत्नी अपने वेतन पर घर खरीदने में असमर्थ हैं। डस्टिन इबे ने कहा, मौजूदा स्थिति में हम और कई युवा घर ढूंढने में संघर्ष कर रहे हैं। हम अब उन चीजों के

लिए संघर्ष कर रहे हैं जो 20 से 30 साल पहले चिंता का विषय नहीं था। गणित के शिक्षक इबे ने कहा कि अब अमेरिकी राजनीति को रीसेट करने की आवश्यकता है और वह इसका तरीका ढूंढ रहे हैं। इबे ने बताया कि उन्होंने ऐसा करने लिए कानूनी तौर पर अपना नाम बदल लिया और खुद को मतपत्र में लाने के लिए लंबे समय से लोगों के हस्ताक्षर एकत्र कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि पिछले हफ्ते वह डलास के एक पार्क में अपनी टेबल लगाई और लोगों के हस्ताक्षर जुटाने में लग गए। इस दौरान कई लोग उन्हें उत्सुकता से देख रहे थे और कई उनपर हंस रहे थे। इस दौरान वित्तीय क्षेत्र में काम करने वाले 28 वर्षीय ब्रैंडन रियोस डस्टिन इबे के समर्थन में आगे आए। उन्होंने कहा, बाइडन और ट्रंप के अलावा भी कोई है जिसे हम चाहते हैं। इसलिए मैं इस व्यक्ति को अपना वोट दे रहा हूं। कोई भी वहां पहुंच सकता है और बाइडन एवं ट्रंप से बेहतर काम कर सकता है। 68 वर्षीय सेवानिवृत्त विंसेंट जेम्स ने कहा, वह जो भी कर रहा है, मैं उसकी सराहना करता हूं। बता दें कि टेक्सास में राष्ट्रपति पद के लिए किसी उम्मीदवार को शामिल करने के लिए 113,000 ऐसे मतदाताओं के हस्ताक्षर की आवश्यकता होती है जिन्होंने पार्टियों के प्राथमिक चुनावों में हिस्सा नहीं लिया है।

रूस से युद्ध के बीच यूक्रेन की सरकार पर फूटा सैनिकों का गुस्सा, भर्ती को लेकर नियमों में बड़े बदलाव से है नाराज

कीव, एजेंसी। यूक्रेन में सेना में भर्ती को लेकर नियमों में बड़े बदलाव किए गए हैं। अलजजीरा कि रिपोर्ट के मुताबिक सैनिकों का कहना है कि अब उन्हें तब तक सेना में सेवा देनी होगी जब तक वे अपंग ना हो जाएं या फिर उनकी जान ही ना चली जाए। दरअसल नए नियमों में सेवा की सीमा को खत्म कर दिया गया है। पहले यूक्रेन में 36 महीने की सेवा को अनिवार्य बनाया गया था। बता दें कि रूस के आक्रामक रवैये के आगे यूक्रेन में सैनिकों की कमी हो रही है। ऐसे में यूक्रने के रक्षा विभाग ने 5 लाख सैनिकों की भर्ती का लक्ष्य रखा है। यूक्रेन की संसद में गुरुवार को अनिवार्य भर्ती को लेकर कानून बनाया गया है। इस कानून को लेकर विवाद हो रहा है। इस कानून के प्रारंभिक मसौदे को रद्द करने के लिए हजारों संशोधन पेश किए गए जिसके चलते इसमें महीनों का समय लगा और विलंब हुआ। सांसदों ने भी इस कानून को लेकर लंबे समय तक उदासीन रवैया अपनाया हुआ था। पहले से ही अनुमान जताया जा रहा था कि यह कानून लोगों को पसंद नहीं आएगा। यह कानून पूर्व सेना कमांडर वालेरी जालुझनी के अनुरोध पर तैयार किया गया है जिन्होंने कहा था कि सेना के विभिन्न रैंकों को मजबूत बनाने के लिए 5,00,000 नयी भर्तियों की जरूरत है। यूक्रेन के खिलाफ रूस के हमले के बाद देश में अग्रिम मोर्चे पर सैनिकों की कमी हो गई है। नए कानून के मसौदे पर यूक्रेन वासियों ने अधिक दिलचस्पी नहीं दिखाई। इस कानून के बाद

यूक्रेन के प्राधिकारियों के अधिकारों में वृद्धि होगी जिससे वर्तमान व्यवस्था में कई बदलाव होंगे। निवर्तमान सेना प्रमुख अलेक्ज़ेंडर सिरस्की और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने ऑडिट करने के बाद आंकड़ों की समीक्षा की और कहा कि आवश्यक संख्या उतनी अधिक नहीं है क्योंकि सैनिकों की क्रमबद्ध तरीके से व्यवस्था की जा सकती है।

राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे हंटर की बढ़ी मुश्किलें, अदालत ने नशीली दवाओं और बंदूक मामले में ठुकराई अपील

वॉशिंगटन, एजेंसी। हंटर बाइडन ने हथियार खरीदने के लिए झूठ बोलने और बंदूक खरीदने के दौरान ड्रग्स का इस्तेमाल करने के आरोपों के लिए दोषी नहीं होने का अनुरोध किया था। हालांकि, संघीय न्यायाधीश मैरीलेन नोरिका ने शुक्रवार को उनकी याचिका खारिज कर दी।

अमेरिकी राष्ट्रपति के बेटे हंटर बाइडन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। डेलावेयर में एक संघीय न्यायाधीश ने उनके खिलाफ अवैध रूप से बंदूक रखने के मामले को खारिज करने से इनकार कर दिया है। बता दें, हंटर बाइडन ने हथियार खरीदने के लिए झूठ बोलने और बंदूक खरीदने के दौरान ड्रग्स का इस्तेमाल करने के आरोपों के लिए दोषी नहीं होने का अनुरोध किया था। हालांकि, संघीय न्यायाधीश मैरीलेन नोरिका ने शुक्रवार को उनकी याचिका खारिज कर दी।

यह पहला मौका है, जब अमेरिका में किसी मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे के खिलाफ आपराधिक आरोप तय हुए हैं। जून के पहले सप्ताह के दौरान सुनवाई होगी। इससे पहले पिछले साल अदालत ने माना था कि हंटर ने हथियार खरीदने के लिए कई बार झूठ बोला है। उन पर अक्तूबर 2018 में बंदूक खरीदने के

दौरान अपनी नशे की लत को लेकर झूठ बोलने का भी आरोप है। कहा गया था कि हंटर ने जब अक्तूबर 2018 में डेलावेयर के कॉल्ट कोबरा स्पेशल स्टोर से बंदूक खरीदी थी। तो उस समय बंदूक खरीदने के लिए उन्होंने जो फॉर्म भरे थे, उसमें उन्होंने झूठी जानकारी दी थी। उन्होंने उस समय कहा था कि वह ड्रग्स का आदी नहीं है जबकि ऐसा नहीं था। एक रिपोर्ट के अनुसार अदालत ने हंटर को इस मामले में दोषी माना है। हंटर बाइडन लगातार इन आरोपों से इनकार कर रहे हैं। वहीं, उनकी कानूनी टीम ने तर्क दिया था कि उनके मुवक्किल को वर्तमान राष्ट्रपति के साथ उनके पारिवारिक संबंध के कारण गलत तरीके से फंसाया जा रहा था। हंटर बाइडन के वकीलों ने तर्क दिया था कि मामला राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने दावा किया था कि मूल याचिका सौदे से छूट का प्रावधान जो टूट गया था वह अभी भी कायम है। उन्होंने अभियोजन का नेतृत्व करने के लिए डेलावेयर में अविशेष वकील डेविड वीस की नियुक्ति को भी चुनौती दी थी। हालांकि, संघीय न्यायाधीश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि विशेष वकील डेविड वीस की नियुक्ति के लिए जिम्मेदार अटॉर्नी जनरल को स्वयं राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया गया था। जो हंटर के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। न्यायाधीश नोरिका ने अपने फैसले में कहा कि हंटर पर आरोप लगाने वाली कार्यकारी शाखा का नेतृत्व राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा किया जा रहा है।

हिंदू-ईसाई महिलाओं की जबरन शादी और धर्मांतरण पर संयुक्त राष्ट्र ने लगाई पाकिस्तान को फटकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अल्पसंख्यक महिलाओं की सुरक्षा मामले को लेकर पाकिस्तान एक बार फिर से निशाने पर है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने हिंदू और ईसाई महिलाओं को पर्याप्त सुरक्षा नहीं दिए जाने को लेकर इस्लामाबाद की आलोचना की है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर ईसाई और हिंदू समुदाय से जुड़ी युवतियों और लड़कियों के लिए सुरक्षा की कमी पर एक्सपर्ट्स ने निराशा जताई। उन्होंने कहा कि देश को संबंधित अंतरराष्ट्रीय संधि के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने की जरूरत है। देश के हर एक वर्ग के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करना होगा।

संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा, 'ईसाई और हिंदू लड़कियों को जबरन धर्म परिवर्तन, अपहरण, तस्करी, बाल विवाह, जबरन शादी, घरेलू दासता और यौन हिंसा का सामना करना पड़ता है।' संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार के उच्चायुक्त कार्यालय की ओर से इसे लेकर बयान जारी किया गया। इसमें विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया कि धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित महिलाओं और लड़कियों के साथ इस तरह के व्यवहार को उचित नहीं ठहराया जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129